@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 30 जुलाई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 264 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बंगाल को विभाजित करने की चुनौती देती हूं: ममता बनर्जी

कोलकाता, 29 जुलाई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को विधानसभा में बताया कि उन्होंने दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में भारत-भूटान नदी आयोग के गठन की मांग की। विधानसभा में जब कटाव नियंत्रण और बाढ़ शमन पर चर्चा हो रही थी, इस दौरान बंगाल सीएम ने इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने बंगाल के दो जिलों और बिहार के कुछ जिलों को मिलाकर एक केंद्र शासित प्रदेश बनाने की कुछ भाजपा नेताओं की मांग का भी विरोध किया। उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं बंगाल को विभाजित करने की चुनौती देती हूं। ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार तीस्ता नदी के पानी के बंटवारे पर भारत-बांग्लादेश के बीच किसी भी समझौते का विरोध करती है। उन्होंने बताया कि उन्हें बांग्लादेश के लोगों से प्यार हैं, लेकिन तीस्ता के पानी के बंटवारे का मतलब है कि उत्तरी बंगाल को पीने के पानी से वंचित रखना। उन्होंने कहा सर्दी और गर्मी के मौसम में तीस्ता में बहुत कम पानी होता है। सीएम ममता बनर्जी ने यह आरोप लगाया कि राज्य सरकार को फरक्का संधि के नवीनीकरण पर भारत-बांग्लादेश के बीच चर्चा के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था। भाजपा ने सोमवार को विधायक के तौर पर कटाव नियंत्रण और बाढ़ शमन पर चर्चा के लिए सुमन कांजीलाल का नाम शामिल किए जाने के विरोध में पश्चिम बंगाल विधानसभा से वॉकआउट कर गए। भाजपा नेता संकर घोष ने बताया कि कांजीलाल जिन्हें अलीपुर से भाजपा विधायक बनाया गया है, वह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हो गई हैं। इसका विरोध करते हुए घोष ने स्पीकर बिमान बनर्जी से कहा कि भाजपा विधायक दल ने चर्चा में शामिल होने के लिए उनका नाम नहीं दिया था। स्पीकर बिमान बनर्जी ने कहा कि उन्होंने चर्चा में भाग लेने के लिए कांजीलाल का नाम शामिल करने की अनुमति दे दी है। इसपर भाजपा विधायकों ने नारे लगाते हुए विधानसभा से वॉकआउट किया। विधानसभा से बाहर आने के बाद भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने पत्रकारों से बात की।

कोचिंग सेंटर में छात्रों की मौत पर राजनीति नहीं जिम्मेदारी तय होनी चाहिए: धर्मेंद्र प्रधान

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 29 जुलाई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि कोचिंग संस्थानों को नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान में पानी भर जाने के कारण तीन यूपीएससी छात्रों की मौत पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। 27 जुलाई को दिल्ली के ओल्ड राजिंदर नगर में एक यूपीएससी कोचिंग सेंटर में तीन छात्रों की मौत पर राज्यसभा में एक संक्षिप्त चर्चा के दौरान भाग लेते हुए मंत्री ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। प्रधान ने कहा कि शोक संतप्त परिवारों को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कोई नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि हमें जिम्मेदारी तय करनी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। उन्होंने कहा कि कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। लापरवाही हुई है और किसी को जिम्मेदारी लेनी होगी, ताकि समाधान निकाला जा सके। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि शिक्षा केंद्र के साथ-साथ राज्य की भी जिम्मेदारी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने 2017, 2019, 2020 और 2024 में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को

कोचिंग सेंटरों से संबंधित गाइडलाइन भेजी थी। इसमें कई सुझाव शामिल थे, जैसे- कोचिंग सेंटर का पंजीकरण और उसके लिए न्यूनतम मानक, छात्रों के लिए किस तरह की सुरक्षा उपाय किए जाने चाहिए और निरंतर निगरानी, जिसमें किसी के खिलाफ जाने पर जुर्माना लगाना। गोवा, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और मणिपुर जैसे कुछ राज्यों के अपने नियम हैं। प्रधान ने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने जनवरी 2024 में राज्यों को एक गाइडलाइन भेजी थी। यह पहले से ही सार्वजनिक है। अगर राज्य सरकारों ने इसका पालन किया होता तो यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं होती। इसे लागू करना राज्यों का कर्तव्य है। राज्यसभा में केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के लिए अपनी जिम्मेदारियों से पीछे हटना उचित नहीं होगा। चर्चा के दौरान कुछ राज्यसभा सदस्यों ने देश की शिक्षा प्रणाली पर सवाल उठाए। इस पर प्रधान ने जवाब दिया कि कुछ लोगों के दिमाग में सिर्फ राजनीति ही भरी है। इस घटना में मारे गए आईएएस उम्मीदवारों की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की श्रेया यादव (25), तेलंगाना की तान्या सोनी (25) और केरल के एर्नाकुलम के नेविन डेल्विन (24) के रूप में हुई है।

ब्यास नदी में पहली बार खुद खनन शुरू करेगा वन विकास निगम: सीएम सुक्खू

शिमला, 29 जुलाई। वन संरक्षण अधिनियम (एफसीए) मंजूरी के बाद राज्य वन विकास निगम पहली बार ब्यास नदी में खुद खनन गतिविधियां शुरू करेगा। सोमवार को वन निगम के निदेशक मंडल की बैठक में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने यह जानकारी दी। उन्होंने दोषी ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट कर जुर्माना लगाने के निर्देश भी दिए। साथ ही चल रही परियोजनाओं के दायरे में आने वाले पेड़ों को काटने की अनुमति डीएफओ स्तर के अधिकारियों को देने की संभावनाएं तलाशने को कहा। उन्होंने निगम के डिपो में रखी इमारती लकड़ी की निस्तारण प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए, ताकि इसे खराब होने से बचाया जा सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि वन निगम में कर्मचारियों की कमी दूर करने को 100 वनवीर नियुक्त किए जाएंगे। इस दौरान निगम ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए सीएम को मुख्यमंत्री को 51 लाख का चेक भी भेंट किया। बैठक में वन निगम के उपाध्यक्ष केहर सिंह खाची, प्रधान सचिव वन अमनदीप गर्ग, प्रधान मुख्य वन अरण्यपाल राजीव कुमार, प्रबंध निदेशक पबनेश शर्मा भी मौजूद रहे। निदेशक मंडल ने 2022-23 से निगम के 227 कर्मियों को वित्तीय लाभ देने को स्वीकृति प्रदान की। वहीं, दैनिक भोगियों की दिहाड़ी 400 रुपये करने, सभी कर्मियों को 1 अप्रैल 2024 से चार प्रतिशत महंगाई भत्ते की एक और किस्त जारी करने, दो वर्ष अनुबंध काल पूरा करने वाले 80 कर्मियों को नियमित करने का निर्णय लिया गया।

चीन के साथ हमारा एक मुद्दा, समाधान हम दोनों को ही निकालना है: जयशंकर

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 29 जुलाई। विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत-चीन सीमा मुद्दे पर कहा है कि चीन के साथ हमारा एक मुद्दा है और इसका समाधान हम दोनों को ही निकालना है। हम भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं। विदेश मंत्री ने भारत-चीन सीमा विवाद में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच मुद्दे का समाधान उन्हीं दोनों को निकालना है। टोक्यों में संवाददाता सम्मेलन में कई सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए हम अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं। जयशंकर ने यह भी कहा कि चीन के साथ भारत के संबंध अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बीच एक समस्या है या मैं कहना चाहूंगा कि भारत और चीन के बीच एक मुद्दा है। मुझे लगता है कि हम दोनों को इस पर बात करनी चाहिए और समाधान

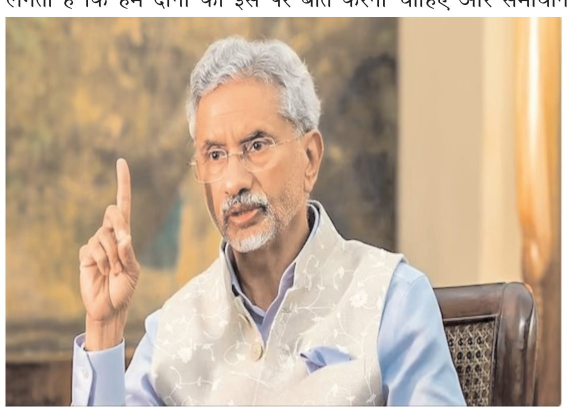

निकालना चाहिए। उन्होंने इस महीने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ दो बार हुई अपनी बैठक को जिक्र करते हुए कहा कि जाहिर है, दुनिया के अन्य देशों की भी इस मामले में रुचि होगी, क्योंकि हम दो बड़े देश हैं और हमारे संबंधों की स्थिति का बाकी दुनिया पर प्रभाव पड़ता है, लेकिन हम अपने बीच के वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं।

सांसद अफजाल अंसारी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

प्रयागराज, 29 जुलाई। गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कृष्णानंद हत्याकांड मामले में गैंगस्टर के तहत मिली सजा को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अफजाल अंसारी की अपील स्वीकार कर ली है। इसके साथ ही गैंगस्टर मामले में विशेष कोर्ट की ओर से सुनाई गई चार साल की सजा रद्द हो गई है। अब अफजाल की संसद सदस्यता बरकरार रहेगी। यह फैसला न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की अदालत ने सुनाया। गौरतलब है कि अफजाल अंसारी को गाजीपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने कृष्णानंद हत्याकांड के बाद लगाई शुरू हुए गैंगस्टर मामले में चार साल की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ अफजाल अंसारी ने सजा को रद्द करने और राज्य सरकार और कृष्णानंद राय के बेटे ने सजा बढ़ाने की अपील हाइकोर्ट में दाखिल की थी। इसके पहले अफजाल की अपील हाइकोर्ट ने खारिज कर दी थी, जिसके खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने सजा को निलंबित करते हुए फिर से सुनवाई के लिए मामले को हाइकोर्ट वापस भेज दिया था।

'गैस चैंबर बने कोचिंग सेंटर': जगदीप धनखड़

नई दिल्ली, 29 जुलाई। मध्य दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राव आईएएस स्टडी सेंटर में शनिवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। हादसे में तीन छात्रों की मौत हो गई। इस मामले को लेकर राजनीति भी गरमाई हुई है। राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने भी इस हादसे पर चिंता व्यक्त की। जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटरों की कार्य संस्कृति अब गैस चैंबर में बदल गई है। उन्होंने इस बात की जांच करने पर भी जोर दिया कि आखिर समाचार पत्रों में विज्ञापन देने के लिए कोचिंग सेंटरों के पास इतनी बड़ी मात्रा में धनराशि कहां से आ रही है। राज्य सभा में सोमवार को दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत पर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान धनखड़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि आज के दौर में कोचिंग वास्तव में व्यापार का जरिया बन गई है।' उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह से ऐसे संस्थानों में कमाई की जा रही है, उससे लगता है कि शिक्षा के व्यवसायीकरण के मामले में कोचिंग सेंटर आगे निकल गए हैं। राज्य सभा के सभापति ने कहा, 'आज के दौर में ऊंची कमाई के साथ कोचिंग का व्यापार खूब फल-फूल रहा है। दब भी हम कोई अखबार पढ़ते हैं तो, इसके पहले पन्ने पर कोचिंग व्यवसाय से जुड़े विज्ञापन नजर आते हैं। विज्ञापन पर खर्च किया जाने वाले एक-एक पैसा छात्रों की तरफ से आ रहा है। कोचिंग के लिए बनाया जाने वाली हर एक बिल्डिंग को छात्रों के पैसे से तैयार किया जा रहा है।' जगदीप धनखड़ ने आगे कहा कि कोचिंग की कार्य संस्कृति अब गैस चैंबर में तब्दील हो गई है।

राव कोचिंग सेंटर: पांच और आरोपी किए गए गिरफ्तार

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 29 जुलाई। 27 जुलाई को राव कोचिंग इंस्टिट्यूट में पानी भर जाने की वजह से तीन छात्रों की मौत हो गई थी। इसके बाद से दिल्ली में भाजपा और आप का एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जा रही है। दिल्ली नगर निगम को घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इन्हीं सब के बीच भाजपा ने आप कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरु किया है। राजस्व मंत्री आतिशी ने दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी पर बड़ा आरोप लगाया है। आतिशी ने सवाल उठाते हुए पूछा है कि क्या कोचिंग सेंटर्स बचाने की कोशिश करे हैं चीफ सेक्रेटरी? मंत्री के आदेश के बावजूद 24 घंटे में राजेंद्र नगर घटना की रिपोर्ट नहीं सौंपी। आतिशी ने 24 घंटे में जांच रिपोर्ट देने के आदेश दिए थे। कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यर्थियों के डूबने की घटना के सिलसिले में सोमवार को गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों को एक अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एमसीडी कमिश्नर अश्विनी कुमार ने कहा है कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और इसमें हमने 2-3 मोर्चों पर काम किया है। हम उस क्षेत्र में सभी अतिक्रमणों को ध्वस्त कर देंगे और वहां जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करेंगे। सभी बेसमेंट जो अवैध हैं या कोचिंग सेंटर

वहां चल रहे हैं, हम उनके खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। दिल्ली नगर निगम (स्ष्ष्ठ) ने एक जूनियर इंजीनियर को बर्खास्त कर दिया है और एक सहायक इंजीनियर को निलंबित कर दिया है और संबंधित कार्यकारी इंजीनियर से स्पष्टीकरण मांगा है। दिल्ली पुलिस ने ओल्ड राजिंदर नगर के कोचिंग सेंटर में तीन छात्रों की मौत के संबंध में दर्ज मामले की जांच में एमसीडी को नोटिस भेजकर जानकारी मांगी है। दिल्ली में डीसिल्टिंग और जलभराव के मुद्दे पर मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, छह फरवरी को मैंने डीसिल्टिंग को लेकर एमसीडी कमिश्नर समेत सभी वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाने के लिए पहला नोटिस जारी किया था। मैंने आदेश दिया था कि सभी विभाग ऐसा करें। जलजमाव से बचने के लिए डी-सिल्टिंग के संबंध में एक व्यापक रणनीति बनाएं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि नरेश कुमार सहित कई आईएएस अधिकारियों को बैठक में बुलाया गया था, लेकिन उनमें से कोई भी इसमें शामिल नहीं हुआ। विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा, पिछले 15-20 सालों में दिल्ली में ड्रेनेज सिस्टम पर कोई काम नहीं हुआ, इस पर कौन कार्रवाई करेगा? भाजपा को शर्म आनी चाहिए, हमारी मांग है कि कार्रवाई की जाए। जिम्मेदार पाए जाने वाले वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी अधिकारियों पर भी जिम्मेदारी आती है।

राहुल गांधी और ओम बिरला के बीच छिड़ी तीखी बहस

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 29 जुलाई। संसद का मानसून सत्र चल रहा है। सदन में पक्ष-विपक्ष के बीच बयानबाजियों का दौर भी जारी है। उधर सदन की कार्यवाही के दौरान एक खास बात भी देखने को मिली है। दरअसल, सदन में स्पीकर और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बीच भी गहमा गहमी देखने को मिली। राहुल गांधी जब सदन को संबोधित कर रहे थे तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन्हें टोक दिया। दरअसल, राहुल गांधी केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे थे। इस दौरान उन्होंने महाभारत काल के चक्रव्यूह का जिक्र किया। राहुल गांधी ने कहा कि अभिमन्यु को छह लोगों ने मारा था, उनके नाम कर्ण, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य, कृतवर्मा, अश्वथामा और शकुनि थे। राहुल ने आगे कहा, 'आज भी चक्रव्यूह में छह लोग हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजीत डोभाल, अंबानी और अदाणी कंट्रोल कर रहे हैं।' इस बीच लोकसभा स्पीकर ने राहुल गांधी को टोक दिया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को टोकते हुए लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा, 'आप संवैधानिक पद पर हैं। आपके कई माननीय सदस्यों ने मुझे लिखकर दिया है कि जो भी इस सदन का सदस्य

नहीं है, उनका नाम नहीं लेंगे। आपने लिखकर दिया है क्या आप उसकी पालना नहीं करना चाहते? मैं नेता प्रतिपत्र से ये अपेक्षा करूंगा कि वे सदन की नियमों और मर्यादा को बनाए रखें।' इसके बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं तो मैं इस सूची से एनएसए अजीत डोभाल, अंबानी और अडानी का नाम हटा लेता हूं।' राहुल के ऐसा कहते ही लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन्हें फिर से टोका। लोकसभा स्पीकर ने कहा, 'सदन की नियम प्रक्रियाओं से सदन चलता है।' इसके जवाब में राहुल गांधी ने फिर कहा कि अगर आप कहते हैं तो मैं सूची से तीनों के नाम निकाल देता हूं। इसके बाद सदन में सत्ता पक्ष के सांसदों राहुल गांधी के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी। इससे पहले राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'आप चाहते हैं कि हिंदुस्तान छोटे-छोटे खांचों में रहे। हिंदुस्तान के गरीब लोक सपना न देख पाएं। सिर्फ अदाणी और अंबानीज'। इस बीच लोकसभा स्पीकर ने राहुल गांधी को टोक दिया। ओम बिरला ने कहा, 'माननीय सदस्य, आपके उपनेता मुझे लिखित में पत्र दे गए हैं कि कोई सदस्य, जो इस सदन का सदस्य नहीं है, उसके बारे में टिप्पणी नहीं करेंगे।'

राजनाथ की अध्यक्षता में हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक

नई दिल्ली, 29 जुलाई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) की अहम बैठक आज नई दिल्ली में आयोजित हुई। इस बैठक में, भारतीय सेना के बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों और 22 इंटरसेप्टर नौकाओं के लिए नेविगेशन प्रणाली की खरीद को मंजूरी मिली है। हालांकि नेविगेशन प्रणाली और 22 इंटरसेप्टर नौकाओं की खरीद की कीमत का खुलासा नहीं हो सका है। वहीं इस बैठक को लेकर रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय तटरक्षक बल की क्षमता बढ़ाने के लिए, डीएसी ने नवीनतम अत्याधुनिक प्रणाली के साथ 22 इंटरसेप्टर नौकाओं की खरीद के लिए स्वीकृति प्रदान की। इन नौकाओं का उपयोग चिकित्सा निकासी समेत तटीय निगरानी और गश्त, खोज और बचाव कार्यों के लिए किया जाएगा। यह उपकरण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड से भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित श्रेणी के अंतर्गत खरीदे जाएंगे। रक्षा खरीद परिषद ने सेना की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों (एएफवी) के लिए उन्नत भूमि नेविगेशन सिस्टम (एएलएनएस) की जरूरत के आधार पर खरीद को मंजूरी दी है।वहीं भारतीय तटरक्षक बल की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए रक्षा खरीद परिषद ने प्रादेशिक जल में त्वरित अवरोधन और उथले पानी के संचालन में सक्षम नवीनतम अत्याधुनिक प्रणाली वाली 22 इंटरसेप्टर नौकाओं की खरीद के लिए मंजूरी प्रदान की। यह प्रणाली उच्च स्तर के एन्क्रिप्शन के साथ स्पूफ-प्रूफ है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एएलएनएस एमके-ढ्ढ भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) और ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम के अलावा भारतीय नक्षत्र का उपयोग करके नेविगेशन के साथ संगत है।

डिंपल यादव ने किसान-युवा का मुद्दा उठाया

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 29 जुलाई। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने बजट पर चर्चा में हिस्सा लिया। इस दौरान डिंपल यादव ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान डिंपल यादव ने किसानों, युवाओं से मुद्दों पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सरकार के किए वादों पर भी सवाल पूछा। डिंपल यादव ने कहा, 'हमारे देश कृषि प्रधान देश है और ऐसे में अगर हम युवाओं और किसानों के लिए कुछ कर नहीं पा रहे, तो इसका मतलब है कि हम अपने फर्ज से डगमगा रहे हैं।' सपा सांसद ने सवाल किया कि सरकार ने किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था, उसका क्या हुआ? डिंपल यादव ने सवाल पूछा, ''सरकार ने बजट में किसानों के लिए क्या किया? उत्तर प्रदेश को क्या मिला? क्या बीते 10 वर्षों में एक भी मंडी तैयार की गई? क्या जीएसटी में कोई राहत दी गई? उन्होंने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि पूरा देश इस समय चौकीदारी कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आवारा मवेशियों के आतंक की वजह से लोग सो नहीं पा रहे क्योंकि मवेशियों की बढ़ती संख्या की वजह से लोगों को अपने खेतों की रक्षा के लिए रात भर जागना पड़ता है। सपा सांसद ने सरकार से सवाल पूछा कि क्या केंद्रीय बजट में इस समस्या से निपटने के लिए कोई व्यवस्था तैयार की गई है? देश में किसानों की आत्महत्या पर डिंपल यादव ने कहा, 'वर्ष 2020 और 2021 में किसान आंदोलन के दौरान 700 किसानों की मौत हो गई। इसके अलावा वर्ष 2014 से 2022 के बीच एक लाख किसानों ने आत्महत्या कर दी। किसान बीमा योजना का लाभ कितने किसानों को पहुंचा? अर्थव्यवस्था चरमरा रही है और महंगाई बढ़ रही है।' डिंपल यादव ने युवाओं की समस्या पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'सरकार ने युवाओं से रोजगार का वादा किया था लेकिन, आज युवा दुखी हैं। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है और अग्निपथ जैसी योजनाओं से उनका मनोबल गिर रहा है। सरकार ने जाति जनगणना और महिलाओं के खिलाफ हो रही हिंसा पर आंखें मूंदी हुई हैं। सरकार ने महिला सुरक्षा के लिए क्या व्यवस्था की है? डिंपल यादव ने स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए बजट की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर बजट में कोई भी ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए आवंटित

किया गया बजट देश के सकल घरेलू उत्पाद का 1.9 फीसदी है, जो कि बहुत कम है। सपा सांसद ने कहा कि सरकार को इन सब बातों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। बिहार के सारण लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि हर वर्ष देश में 30 से 40 लाख लोग सर्पदंश का शिकार होते हैं। लोकसभा में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के दौरान उन्होंने इस मुद्दे को उठाया। रुडी ने कहा, 'बिहार गरीबी और प्राकृतिक आपदाओं के मामले में सबसे पिछड़ा हुआ राज्य है। भारत में हर वर्ष 30 से 40 लाख लोग सर्पदंश का शिकार होते हैं तो इनमें से 50 हजार लोगों की कप्रति वर्ष मौत हो जाती है। यह दुनिया में सबसे अधिक है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इनमें से कई मौतों को रोका जा सकता था। राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि मौसम परिवर्तन की वजह से तापमान में बढ़ोतरी हो रही है और इस वजह से सर्पदंश की घटनाओं में भी वृद्धि हो रही है। वेल्लोर के सांसद एम कथिर आनंद ने बीड़ी फैक्टरियों में काम करने वाले कामगारों की समस्या को उठाया। उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकतर महिलाएं हैं। कथिर आनंद ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि बीड़ी फैक्टरियों में काम करने वाले कामगारों की दिहाड़ी बढ़ाई जाए। कन्याकुमारी से सांसद विजय वसंत ने सरकार से अनुरोध किया है कि आयुष्मान भारत योजना का फिर से मूल्यांकन किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि स्वास्थ्य को लेकर खर्च पूरी तरह से कवर किया जा रहा है या नहीं। उन्होंने स्वास्थ्य सुरक्षा कवरेज में सुधार की भी बात कही।

शरद पवार ने महाराष्ट्र में मणिपुर जैसे तनाव की जताई आशंका

मुंबई, 29 जुलाई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में मणिपुर जैसे तनाव की आशंका जताई है। उन्होंने देश के विकास के लिए सामाजिक एकता बनाए रखने का आह्वान किया। शरद पवार ने रविवार को एक सामाजिक एकता सम्मेलन को संबोधित किया। इस सम्मेलन में उन्होंने मणिपुर में जारी जातीय संघर्ष से निपटने के लिए केंद्र के तरीके की भी आलोचना की। शरद पवार की यह टिप्पणी महाराष्ट्र में मराठा-ओबीसी आरक्षण को लेकर जारी विवाद के बीच और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना के बाद आई है। दरअसल, अमित शाह ने पूर्व मराठा राजनेता को भ्रष्टाचार सरगना करार दिया था। पवार ने केंद्र सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा, मणिपुर में जारी हिंसा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी भी राज्य का दौरा करना जरूरी नहीं समझा। पड़ोसी राज्यों विशेषकर कर्नाटक में भी इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। राकांपा-एसपी नेता ने कहा, हाल के दिनों में महाराष्ट्र में भी ऐसा कुछ हो सकता है। सभी को जाति-धर्म से ऊपर उठकर एक राष्ट्र बनाने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, हमारे राज्य (महाराष्ट्र) में भी स्थिति इस ओर ही इशारा करती है। समाज में एकता स्थापित करने की पूरी जिम्मेदारी सरकार की है, जो ऐसा नहीं कर रही है। सामाजिक एकता भंग न हो, इसे सुनिश्चित करने के लिए सभी को एकसाथ आना चाहिए। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण की मांग कर रहा है। अपने संबोधन में पवार बार-बार मणिपुर का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा, संसद में मणिपुर पर चर्चा की गई। दिल्ली में विभिन्न जाति के लोग हमसे मिलने आए। उन्होंने बताया कि एक छोटे से राज्य में जहां लोग खुशी से रह रहे थे अब वहां अशांति फैल चुकी है। दो समुदाय के बीच झड़प के कारण कई घर जल गए। उन्होंने आगे कहा, मणिपुर में जहां लोग एक-दूसरे के साथ मिलकर रहते थे, अब वे एक दूसरे से बात करना पसंद नहीं करते हैं। केंद्र पर निशाना साधते हुए शरद पवार ने कहा, यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वे इसे सुलझाए, एकता को बढ़ावा दे और कानून-व्यवस्था स्थापित करें। दुर्भाग्यवश, वर्तमान सरकार की नजर इस संकट पर नहीं पड़ रही है। सोमवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने शरद पवार की इन टिप्पणियों पर पलटवार करते हुए इसे अनुचित बताया।

इजरायल ने लेबनान में 15 ठिकानों पर दागे गोले

एजेंसी

साउथ लेबनान। लेबनान के आंदोलन हिजबुल्लाह के खिलाफ धमकियों के बाद इजरायली सेना ने पूर्वी और दक्षिणी लेबनान में 15 बस्तियों पर गोलाबारी की है। लेबनानी न्यूज चैनल अल मनार ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। गौरतलब है कि इजरायल ने शनिवार को हिजबुल्लाह पर गोलान हाइट्स पर गोलाबारी करने का आरोप लगाया था। चैनल के अनुसार इजरायल ने पूर्वी लेबनान के बालबेक क्षेत्र में तराईय्या शहर पर गोलाबारी की। वहीं, दक्षिणी लेबनान के बिंट जबील जिले में आयता अश शब, यारून, रामयेह और ऐतरौन की बस्तियों पर बमबारी की। इसके साथ ही इजरायल की सीमा के पास मरजायून जिले में खियाम, कफरकेला, मीस एल जबल और मरकाबा शहरों पर भी बमबारी की। इसके अलावा इजरायली सेना ने बोर्ज एल चमली, अल अब्बासिया, टायर, तैर हरफा, नकौरा और चिहिन शहरों पर हमला किया।

ट्यूनीशिया में नाव में आग लगने के बाद 14 मछुआरों को बचाया गया

ट्यूनिस। ट्यूनीशियाई समुद्री रक्षक इकाइयों ने पूर्व में मोनास्टिर के तटीय प्रांत में आग लगने के बाद क्षतिग्रस्त हुयी नाव के 14 मछुआरों को बचाया है। ट्यूनिस अफ्रीक प्रेस (टीएपी) ने रिपोर्ट दी। टीएपी ने कहा 'घटना पहली बार तब ध्यान में लाई गई जब सॉसे के बंदरगाह पर नियंत्रण टावर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोनास्टिर के बंदरगाह से 33 समुद्री मील दूर पानी में एक मछली पकड़ने

वाली नाव में आग लगने के बारे में एक संकट संकेत मिला, जिसमें 14 मछुआरे सवार थे।' मोनास्टिर के समुद्री रक्षक से संबंधित दो नौसैनिक इकाइयों को तुरंत सहायता प्रदान करने, घटना स्थल के पास मौजूद मछुआरों के एक समूह की मदद से आग बुझाने, क्षतिग्रस्त नाव के पूरे चालक दल को निकालने और ले जाने के लिए भेजा गया था। उन्हें मोनास्टिर प्रांत में तेबौलबा के मछली पकड़ने के बंदरगाह पर ले जाया गया।

मध्य चीन में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 15 हुयी

बीजिंग। चीन के दक्षिणी हुनान प्रांत में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 15 तक पहुँच गई है। चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। एजेंसी के अनुसार छह अन्य कथित रूप

से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एजेंसी बताया कि घटनास्थल पर 300 से अधिक बचावकर्मियों को तैनात किया गया था। अब अभियान पूरा हो गया है। इससे पहले चाइना सेंट्रल टेलीविज़न (सीसीटीवी) ने बताया कि यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह आठ बजे हेंगयांग जिले में स्थित एक गाँव में हुई थी। भूस्खलन ने एक गेस्ट हाउस को ध्वस्त हो गया, जिससे 21 लोग मलबे में दब गए।

पश्चिमी जापान में मछली पकड़ने वाली नाव के तटबंध से टकराने से 11 लोग घायल

टोक्यो। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पश्चिमी जापान के टोटोरी प्रान्त में एक मछली पकड़ने वाली नाव ब्रेकवाटर से टकरा गई, जिसमें कप्तान सहित सभी 11 लोग घायल हो गए। जापान तटरक्षक बल के हवाले से सार्वजनिक प्रसारक

एनएचके की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि नाव, दैनी ऐ मारू, साकाइमिनाटो शहर के तट से दूर जा रही थी, जब यह स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 6:00 बजे एक घाट से लगभग 500 मीटर दूर ब्रेकवाटर से टकरा गई।सभी 11 चालक दल के सदस्यों और यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, 40 के दशक में एक व्यक्ति और 60 के दशक में एक अन्य व्यक्ति के सिर जोर से टकराने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। तटरक्षक अधिकारियों ने पुष्टि की कि नाव के आगे के हिस्से का बायाँ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। एनएचके के अनुसार, दूसरी ओर, घटनास्थल से लगभग 6 किमी उत्तर-पूर्व में, मात्सु शहर में एक केप के पास, एक और मछली पकड़ने वाली नाव स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 1:00 बजे चट्टानों से टकरा गई, जिसमें पाँच लोग घायल हो गए।

'क्वाड' देशों के बीच सहयोग मुक्त एवं खुला हिंद प्रशांत सुनिश्चित कर सकता है : एस. जयशंकर

एजेंसी

टोक्यो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच सोमवार को कहा कि 'क्वाड' समूह में सहयोग यह सुनिश्चित कर सकता है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र स्वतंत्र और सुरक्षित बना रहे। उन्होंने साथ ही कहा कि 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) के पास नियम-आधारित व्यवस्था को बनाए रखने की अतिरिक्त जिम्मेदारी है। जयशंकर ने 'क्वाड' देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्पष्ट संदेश दिया जाना चाहिए कि 'क्वाड' ''टिकने, काम करने और आगे बढ़ते रहने के लिए है।'' उन्होंने कहा, ''राजनीतिक लोकतंत्रों, बहुलवादी समाज और बाजार अर्थव्यवस्थाओं के रूप में नियम-आधारित व्यवस्था को कायम रखना एक महत्वपूर्ण प्रश्न है।

विदेश मंत्री ने कहा, ''सिर्फ हमारे बीच सहयोग ही यह सुनिश्चित कर सकता है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र मुक्त, खुला, स्थिर, सुरक्षित और समृद्ध बना रहे। विश्व की भलाई करने की हमारी प्रतिबद्धता की गूंज इस क्षेत्र से कहीं अधिक दूर तक सुनाई देती है।'' जयशंकर ने कहा, ''इसलिए यह जरूरी है कि हमारी राजनीतिक समझ मजबूत हो, हमारी आर्थिक साझेदारी आगे बढ़े, प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमारे बीच सहयोग का विस्तार हो और हमारे लोगों के आपसी रिश्ते गहरे हों।'' इस बैठक में जयशंकर के अलावा अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, जापान की विदेश मंत्री योको कामिकावा और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने हिस्सा लिया।

जयशंकर ने कहा, हमारी बैठक से यह स्पष्ट संदेश जाना चाहिए कि 'क्वाड' टिके रहने, काम करने और आगे बढ़ने के लिए है।'' ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री वोंग ने

प्रत्यक्ष रूप से चीन का नाम लिए बिना कहा कि यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि ''संप्रभुता का सम्मान किया जाए और प्रतिस्पर्धा का जिम्मेदारी से प्रबंधन किया जाए। उन्होंने एक ऐसे क्षेत्र के निर्माण के लिए सामूहिक रूप से काम करने का आह्वान किया, ''जहां आकार या ताकत किसी देश के भाग्य का निर्धारण नहीं करती, जहां कोई देश किसी अन्य देश पर हावी न हो, जहां हम सभी अपनी आकांक्षाओं को साझा करें... और उन आकांक्षाओं को साकार करने के लिए विकल्प उपलब्ध हों। मैंने पिछले दो वर्ष में हिंद-प्रशांत के इस दृष्टिकोण के प्रति 'क्वाड' की प्रतिबद्धता देखी है।

जयशंकर ने कहा, यह आसान समय नहीं है। एक बड़ी चुनौती वैश्विक आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित करना है, साथ ही इसे जोखिम मुक्त करना भी है। आपूर्ति श्रृंखला को लचीला बनाने पर उसी तरह ध्यान केंद्रित करना है, जैसे हम विश्वसनीय और पारदर्शी डिजिटल साझेदारी के लिए प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा, ''प्रौद्योगिकी के विकास ने असाधारण आयाम हासिल कर लिए हैं, जिससे हमारे जीने, सोचने और काम करने के तरीके में बहुत संभावनाएं पैदा हो गई हैं। एक तरह से हम पुनः वैश्वीकरण के दौर में हैं।'' जयशंकर ने कहा, यह केवल हमारे सामूहिक प्रयास ही हैं, जो अंतरराष्ट्रीय प्रणाली को मानव-निर्मित या प्राकृतिक व्यवधानों से बचा सकते हैं। 'क्वाड' देशों के विदेश मंत्रियों की यह बैठक रूस-यूक्रेन संघर्ष और हमास-इजराइल शत्रुता के बीच हो रही है।

इस बैठक में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों के विश्व के विभिन्न हिस्सों में हो रही भू-राजनीतिक उथल-पुथल के परिणामों पर चर्चा करने की संभावना है। भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने नवंबर 2017 में 'क्वाड' की स्थापना की थी, ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के लिए एक नयी रणनीति विकसित की जा सके। दक्षिण चीन सागर हिंद और प्रशांत महासागरों के बीच स्थित है। चीन, दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर दावा जताता है, जबकि फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान भी इस समुद्री क्षेत्र को अपना हिस्सा बताते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने कमला हैरिस पर साधा निशाना, कहा- अमेरिका में अपराध-अव्यवस्था और अशांति का कारण बनेंगी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रतिद्वंदी कमला हैरिस पर निशाना साधते हुए कहा कि मौजूदा उपराष्ट्रपति अमेरिका में अपराध, अव्यवस्था, अशांति और कत्लेआम का कारण बनेंगी। इस साल के अंत में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में अब महज 100 दिन शेष बचे हैं।

मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन (81) के नाम वापस लेने के बाद उपराष्ट्रपति हैरिस (59) राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की नयी उम्मीदवार हैं। राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप ने एक रैली के दौरान अपनी नयी प्रतिद्वंद्वी हैरिस को शनिवार को मिनीसोटा में मौजूदा राष्ट्रपति बाइडेन से भी खराब बताया। ट्रंप के साथ इस दौरान सीनेटर जे डी वैंस भी मौजूद थे। ट्रंप (78) ने कहा, अति उदारवादी कमला हैरिस हमारे देश में अपराध, अव्यवस्था, अशांति और कत्लेआम का कारण बनेंगी। मैं अमेरिका में कानून-व्यवस्था और न्याय लेकर आऊंगा। ट्रंप ने कहा कि दोबारा सत्ता में आने के बाद वह बाइडन-हैरिस प्रशासन की सीमाओं को खोलने की हर नीति को रद्द कर देंगे। उन्होंने कहा, हम सीमाएं पूरी तरह से बंद कर देंगे और हमारे देश में हो रही घुसपैठ पर लगाम लगाएंगे।

अमेरिका की राजनीति में कोई भी व्यक्ति खुली सीमाओं के समर्थन में नहीं है। ट्रंप ने उपराष्ट्रपति के राजीनतिक रिकॉर्ड पर निशाना साधते हुए कहा कि हैरिस ने सैन फ्रांसिस्को की जिला अटॉर्नी रहते हुए पूरी काउंटी को तबाह कर दिया। पूर्व राष्ट्रपति ने आरोप लगाया, कमला हैरिस असल में मार्क्सवादी जिला अटॉर्नी थी।

उन्होंने सैन फ्रांसिस्को को तबाह किया और अब हमारे देश को तबाह करेंगी। ट्रंप ने साथ ही वादा किया कि वह व्हाइट हाउस में वापसी के बाद अमेरिका को 'बिटकॉइन सुपरपावर' बनाएंगे। उन्होंने कहा कि वह संपूर्ण उद्योग के लाभ के लिए पारदर्शी नियामक मार्गदर्शन तैयार करने के लिए एक सलाहकार परिषद की नियुक्ति करेंगे।

ट्रंप ने बिटकॉइन सम्मेलन के दौरान 'क्रिप्टोकरेंसी' को लेकर कई वादे किए जिसमें प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग के अध्यक्ष गैरी जेन्सलर को हटाने और 'रणनीतिक राष्ट्रीय बिटकॉइन भंडार' बनाने का वादा भी शामिल है। ट्रंप ने कहा, ÷मैं अमेरिका को दुनिया की क्रिप्टो राजधानी और बिटकॉइन महाशक्ति बनाने को सुनिश्चित करने के लिए योजना बना रहा हूं।

चीन में भारी बारिश के कारण भूस्खलन, 11 लोगों की मौत

एजेंसी

बीजिंग। चीन के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में भारी बारिश के कारण भूस्खलन होने से एक मकान ढह गया, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई। चीनी मीडिया की खबर से यह जानकारी मिली। चीन की डिजिटल न्यूज वेबसाइट 'द पेपर' में प्रकाशित खबर में बताया गया है कि एक अन्य घटना में, चीन के शंघाई में तूफान के कारण एक पेड़ के गिर जाने से एक कंपनी के प्रतिनिधि की मौत

हो गई। अधिकारियों ने बताया कि चीन में ये मौतें संभवत¬ उष्णकटिबंधीय चक्रवात 'गेमी' के कारण हुई। चीन की सरकारी मीडिया 'सीसीटीवी' की खबर में बताया गया है कि हुनान प्रांत के हेंगयांग शहर के पास स्थित युएलिन गांव में सुबह करीब आठ बजे भूस्खलन होने से एक घर ढह गया। पहले की एक खबर में बताया गया था कि भूस्खलन होने से 18 लोग फंस गए हैं और छह घायल व्यक्तियों को निकाल लिया गया है। वहीं, नवीनतम खबर में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्या एक अन्य व्यक्ति अभी भी लापता है। इस बात की कोई जानकारी नहीं है इस घटना में घायल हुए लोगों को गंभीर या मामूली चोटें आई हैं। खबर में बताया गया कि भूस्खलन भारी बारिश के कारण पहाड़ों से बह रहे पानी के कारण हुआ।

चीन से तनाव के बीच जापान में सैन्य कमान संरचना को उन्नत करेगा अमेरिका

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन जापान में अमेरिकी कमांड संरचनाओं के उन्नयन की घोषणा करने वाले थे, क्योंकि वाशिंगटन और टोक्यो तेजी से आक्रामक होते चीन के सामने सैन्य सहयोग में सुधार कर रहे हैं। जापान में संयुक्त राज्य अमेरिका के लगभग 54,000 सैन्यकर्मी हैं, जो वर्तमान में हवाई स्थित हिंद-प्रशांत कमान को रिपोर्ट करते हैं, जो लगभग 6,500 किलोमीटर (4,000 मील) दूर है तथा 19 घंटे पीछे है। लेकिन एक अमेरिकी सैन्य अधिकारी ने बताया कि ऑस्टिन, जो टोक्यो में अपने समकक्षों के साथ '2+2' वार्ता के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ शामिल हुए थे, एक तीन सितारा कमांडर की अध्यक्षता में एक नए संयुक्त बल मुख्यालय की घोषणा करेंगे। यह जापान की सभी सशस्त्र सेनाओं के लिए नियोजित संयुक्त संचालन कमान के समकक्ष कार्य करेगा, जिससे ताइवान या कोरियाई प्रायद्वीप पर संकट की स्थिति में दोनों सेनाएं अधिक चुस्त हो जाएंगी।

कनाडा के कैलगरी में भारत विरोधी तमाशा, खालिस्तान के लिए जनमत संग्रह

एजेंसी

कैलगरी (कनाडा)। कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रहीं। अब यहां के कैलगरी में खालिस्तान पर जनमत संग्रह का तमाशा देखने को मिला। इसमें हिस्सा लेने के लिए कनाडा में रह रहे हजारों सिख कैलगरी के म्यूनिसिपल प्लाजा पहुंचे। यह प्लाजा स्थानीय संयुक्त राज्य राजनयिक मिशन के सामने है। पाकिस्तान के जियो चैनल ने 28 जुलाई को अपनी वेबसाइट पर इस बारे में विस्तार से रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के

मुताबिक, इसका आयोजन खालिस्तान समर्थक सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) समूह ने किया। समूह ने इसका आयोजन अल्बर्टा प्रांत के सिखों की राय जानने के लिए किया। अनुमानतः 10 लाख सिख कनाडा और लगभग एक लाख कैलगरी में रहते हैं। हरदीप सिंह निज्जर के परिवार ने जनमत संग्रह के लिए सबसे पहले मतदान किया। खालिस्तान परिषद के अध्यक्ष डॉ. बख्शीश सिंह संधू ने मतदान की शुरुआत में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जहर उगला।

जयशंकर ने क्वाड विदेशमंत्रियों की बैठक को संबोधित किया, ऑस्ट्रेलिया के विदेशमंत्री पेनी वोंग से मिले

एजेंसी

टोक्यो। भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर ने जापान की राजधानी टोक्यो में सोमवार को अब से कुछ देर पहले चार देशों के समूह क्वाड के विदेशमंत्रियों की बैठक को संबोधित किया है। यह जानकारी उन्होंने अपने एक्स हैंडल में वीडियो के साथ साझा की है। इससे पहले उनकी ऑस्ट्रेलिया के विदेशमंत्री पेनी वोंग से मुलाकात हुई। दोनों नेताओं ने सुरक्षा, व्यापार

और शिक्षा सहित द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में व्यावहारिक सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की।

कनाडा के कैलगरी में भारत विरोधी तमाशा, खालिस्तान के लिए जनमत संग्रह

पेशावर। अफगानिस्तान की सीमा से लगे पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में दो कबाइली समूहों के बीच जमीन को लेकर हुए सशस्त्र संघर्ष में कम से कम 30 लोग मारे गए और 145 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ऊपरी कुर्रम जिले के बोशेरा गांव में पांच दिन पहले भीषण झड़पें शुरू हो गई थीं। इस गांव में पहले भी जनजातियों और धार्मिक समूहों के बीच घातक संघर्ष के साथ-साथ सांप्रदायिक झड़पें और आतंकवादी हमले हो चुके हैं।

पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में पिछले पांच दिन में जनजातीय संघर्ष में 30 लोग मारे गए और 145 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि अधिकारियों ने आदिवासी बुजुर्गों,

सैन्य नेतृत्व, पुलिस और जिला प्रशासन की मदद से कुछ समय पहले बोशेरा, मलिकेल और डंडार इलाकों में शिया तथा सुन्नी जनजातियों के बीच समझौता कराया है। हालांकि, जिले के कुछ अन्य हिस्सों में गोलीबारी अभी भी जारी है। वहीं, एक अधिकारी ने बताया कि शेष क्षेत्रों में भी संघर्षविराम के प्रयास किए जा रहे हैं।

इमरान खान से बातचीत करने की बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी ने की पहल

पेशावर।

इस्लामाबाद। बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने जेल में बंद देश के पूर्व प्रधानमंत्री व पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान से बातचीत करने की पहल की है। पार्टी की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि अगर वे इच्छुक हैं तो पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री के साथ बातचीत करने को तैयार है।

पीपीपी के वरिष्ठ नेता खुर्शीद शाह ने बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा में मीडिया से बात करते हुए कहा, ऐसा कहा जा रहा है कि पीटीआई संस्थापक बातचीत के लिए तैयार हैं। अगर इमरान खान बातचीत के लिए तैयार हैं तो यह सकारात्मक बात है। शाह ने बातचीत की संभावना का स्वागत करते हुए इसे सकारात्मक घटनाक्रम बताया। समाचारपत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने

शाह के हवाले से कहा, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हमेशा बातचीत के जरिए समस्याओं को सुलझाने की कोशिश की है और जरूरत पड़ने पर पीपीपी अपनी भूमिका निभाएगी। पीपीपी की खान की पार्टी के साथ सहयोग करने की इच्छा, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ पीटीआई के सख्त रुख के बाद बढ़ी हुई राजनीतिक अस्थिरता के बीच सामने आई है।

हिंसा प्रभावित बांग्लादेश में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं 10 दिन बाद बहाल

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में देशव्यापी हिंसा और आगजनी के चलते 10 दिन मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद रखने के बाद बहाल कर दी गईं। ज्ञात रहे कि पड़ोसी बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग लेकर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन जल्द पूरे देश में हिंसा में तब्दील हो गई। सरकार ने सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया था। खबर के अनुसार, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) राज्य मंत्री जुनैद अहमद पलक ने संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि सेवाएं बहाल होने के बाद तीन दिन

तक सभी उपयोगकर्ताओं को 5 जीबी इंटरनेट मुफ्त दिया जाएगा। स्थानीय समयानुसार अपराह्न लगभग तीन बजे मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को फिर से शुरू कर दिया गया। खबर के अनुसार, ढाका में रॉबी, ग्रामीणफोन, बांग्लालिंक और अन्य ऑपरेटर के उपयोगकर्ताओं ने कहा कि वे अपराह्न तीन बजे के आसपास अपने मोबाइल फोन पर इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं। सरकार ने 18 जुलाई को देशभर में हिंसा बढ़ने के बाद मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया था। ढाका और अन्य शहरों में विश्वविद्यालय के छात्रों ने 1971 में बांग्लादेश के 'मुक्ति संग्राम' के लिए लड़ने वाले युद्ध नायकों के रिश्तेदारों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों को आरक्षित करने की प्रणाली के खिलाफ प्रदर्शन किया था, जिसने हिंसक रूप ले लिया था। खबरों के अनुसार, हिंसा में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, मौतों के बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को हिंसा के बाद कर्फ्यू लगाने का आदेश देने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि लोगों के जीवन और उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए गए। बांग्लादेश में हालांकि बुधवार को स्थिति सामान्य हो गई।

38 करोड़ भ्रष्टाचार के आरोप में निलम्बित मुख्य सचिव को मात्र 50 हजार रुपये पर मिली जमानत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार के ब्यूरोक्रेसी के सबसे बडे अधिकारी मुख्य सचिव के पद से एक महीने पहले ही निलम्बित किए गए वैकुंठ अर्याल पर 38 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोप में मुकदमा दायर किया गया था। लेकिन आज अदालत ने सिर्फ 50 हजार रुपये के बेल पर रिहा करने का आदेश दिया है।

सिक्योरिटी प्रिंटिंग प्रेस खरीद मामले की जांच करने वाली एंटी करप्शन ब्यूरो ने नेपाल सरकार के मुख्य सचिव वैकुंठ अर्याल को दोषी ठहराते हुए विशेष अदालत में उनके खिलाफ चार्जशीट फाइल की थी। नेपाल के कानून के मुताबिक भ्रष्टाचार सहित किसी भी मामले में आरोपित बनाते हुए यदि किसी जांच एजेंसी के द्वारा चार्जशीट दायर होते ही संबंधित व्यक्ति तत्काल प्रभाव से निलंबित हो जाता है। प्रचण्ड सरकार के समय मुख्य सचिव रहे अर्याल के खिलाफ

मुकदमा दायर होते ही स्वत¬ पद से निलम्बित हो गए थे।

अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए निलम्बित मुख्य सचिव ने जमानत की अर्जी डाली थी। विशेष अदालत के मुख्य न्यायाधीश टेक बहादुर कुंवर सहित तीन जजों के बेंच ने अर्याल को 50 हजार रुपये के निजी मुचल्के पर उन्हें जमानत दे दिया है। विशेष अदालत के प्रवक्ता धन बहादुर कार्की ने बताया कि मामले के अंतिम सुनवाई होने तक मुख्य सचिव वैकुंठ अर्याल को जमानत दे दिया गया है। निलम्बित मुख्य सचिव अर्याल पर सूचना तथा संचार सचिव रहते हुए स्टांप ड्यूटी का स्टीकर की छपाई के लिए सिक्योरिटी प्रिंटिंग प्रेस खरीद मामले में 38 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया गया है। ब्यूरो ने अपने चार्जशीट में अर्याल सहित 11 लोगों को आरोपित बनाया गया है। इनमें से अधिकांश इस समय जेल की सजा काट रहे हैं।

निगम ने अवैध रूप से बेसमेंट में संचालित हो रहे 13 कोचिंग सेंटर को किया सील

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की महापौर डॉ. शैली ओबेरॉय के आदेश पर अधिकारियों ने रात राजेंद्र नगर इलाके में अवैध रूप से बेसमेंट में संचालित हो रहे 13 कोचिंग सेंटरों को सील कर दिया। निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि डॉ. ओबेरॉय के आदेश पर अधिकारियों ने रविवार देर रात राजेंद्र नगर इलाके में अवैध रूप से बेसमेंट में संचालित हो रहे 13 कोचिंग सेंटरों को सील कर दिया गया है। सील किए गए को कोचिंग सेंटरों में आईएएस गुरुकुल, चहल अकादमी, प्लूटस अकादमी, साई ट्रेडिंग, आईएएस सेतु, टॉपर की अकादमी, दैनिक संवाद, सिविल्स डेली आईएएस, करियर पावर, 99 नोट्स, विद्या गुरु, गाइडेंस आईएएस, ईजी फॉर आईएएस शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सील किए गए कोचिंग सेंटर राजेंद्र नगर के विभिन्न इलाकों में संचालित हो रहे थे। इनमें नियमों का उल्लंघन करते हुए बेसमेंट में कोचिंग संचालित होता पाया गया और मौके पर ही इनकी सीलिंग कर नोटिस चस्पा कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि राजेंद्र नगर इलाक़े में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने की वजह से तीन विद्यार्थियों की मौत हो गई थी।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की पीएम मोदी से सपरिवार मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी अमृता और उनकी बेटी भी मौजूद रहीं। पीएम मोदी से मुलाकात की तस्वीरों को शेयर करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद हमेशा महाराष्ट्र के साथ है और रहेगा। जब भी आप उनसे मिलते हैं, तो आपको एक नई ऊर्जा मिलती है, उनका मार्गदर्शन मिलता है। आज सपरिवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला। हमारे साथ हमारी पत्नी अमृता और बेटी दिविजा भी थी। अपना बहुमूल्य समय देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का बहुत-बहुत धन्यवाद। इससे पहले देवेंद्र फडणवीस ने दिल्ली में मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में हिस्सा लिया था। बैठक में केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों की कल्याणकारी योजनाओं और चुनाव नतीजों पर चर्चा हुई। सभी मुख्यमंत्रियों को योजनाओं में आवंटित फंड का पूरा इस्तेमाल कर इसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। किसी एक राज्य सरकार द्वारा सफलतापूर्वक चलाई जा रही लोकप्रिय योजनाओं को अन्य राज्यों में भी लागू करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में मौजूद भाजपा शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों ने जनता का विश्वास और जनादेश हासिल कर, केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लिए पीएम मोदी को बधाई दी, और उनका अभिनंदन किया। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संबंधित राज्यों में संगठन को मजबूत बनाने और सरकार एवं संगठन में बेहतर तालमेल बनाने पर भी चर्चा हुई।

भूमिगत तल में चलने वाले कोचिंग सेंटरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने भूमिगत तल में चल रहे सभी कोचिंग सेंटरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। सुश्री ओबेरॉय ने यह आदेश पुराने राजेंद्र नगर में पानी से भरे राव आईएएस कोचिंग सेंटर के भूमिगत तल में पानी भरने और सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की मौत के बाद दिया। उन्होंने दिल्ली नगर निगम के आयुक्त को इस दुखद घटना की त्वरित जांच करने और अगर कोई एमसीडी अधिकारी दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एमसीडी आयुक्त को लिखे पत्र में उन्होंने कहा, कल राजेंद्र नगर में चल रहे एक निजी कोचिंग संस्थान में पानी भरने के कारण कुछ विद्यार्थी फंस गए थे और उनमें से तीन विद्यार्थियों की जान चली गई। यह बहुत चौंकाने वाली घटना है। इस घटना की गहन जांच और त्वरित और सख्त कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना भी हमारी जिम्मेदारी है कि दिल्ली के किसी भी हिस्से में ऐसी घटना दोबारा न हो। उन्होंने एमसीडी आयुक्त को निर्देश दिया, दिल्ली भर में ऐसे सभी कोचिंग सेंटर जो एमसीडी के अधिकार क्षेत्र में आते हैं और भूमिगत तल में व्यावसायिक गतिविधियां चला रहे हैं, जो इमारत कानून का उल्लंघन करते हैं और मानदंडों के अनुसार नहीं हैं, उनके खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। सुश्री ओबेरॉय ने कहा, ÷इस त्रासदी के लिए एमसीडी के किसी अधिकारी के जिम्मेदारी का पता लगाने के लिए तत्काल जांच की जानी चाहिए। अगर कोई अधिकारी दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खड़गे ने मेडल जीतने पर मनु भास्कर को दी बधाई

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने निशानेबाज मानु भास्कर को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है। श्री खड़गे ने कहा, 'भारत ने अपने ओलंपिक अभियान की शुरुआत सुयोग्य पदक के साथ की है।महिलाओं की 10 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भारत के लिए कांस्य पदक जीतने पर मनु भास्कर को हमारी बधाई। उन्होंने कहा,'आपकी उपलब्धि आपके असाधारण कौशल और दृढ़ता का प्रमाण है। हमें आप पर बेहद गर्व है। यह महत्वपूर्ण अवसर अनगिनत युवा एथलीटों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करे। कांग्रेस पार्टी ने भी 'एक्स' पर कहा पेरिस ओलंपिक के वीमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में मनु भास्कर ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है।वह शूटिंग में भारत को पदक दिलाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं।पूरे देश को मनु पर गर्व है।

हिमालयन रॉकेट स्टोव पर्यावरण को कम प्रदूषित करते हैं : सोनम वांगचुक

एजेंसी

नई दिल्ली। शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक ने यहां कहा कि हिमालयन रॉकेट स्टोव पर्यावरण को कम प्रदूषित करते हैं और लोग स्वस्थ पूर्ण जीवन जीते हैं।

दिल्ली में हिमालयन रॉकेट स्टोव द्वारा 'हिमालय और अन्य क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के समाधान को विस्तार देने' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इंजीनियर और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक, सोशल अल्फा की स्मिता राकेश, हिमालयन रॉकेट स्टोव के संस्थापक रसल कॉलिन्स और रणनीतिक सलाहकार अजय मुटरेजा सहित अन्य लोग मौजूद थे। इन सभी ने जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर विषय के तत्काल समाधान पर गहन चर्चा की। इस दौरान, जलवायु परिवर्तन के स्थायी और प्रभावशाली समाधान पर जोर देते हुए श्री वांगचुक ने कहा, हिमालय और उसके आस-पास के क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन बहुत ज्यादा प्रभावी है यानी वहां इसे घटित होते हुए देखा जा सकता है। इसके कारण हिमालय को काफी नुकसान पहुंच रहा है और वहां के पारिस्थितिकी तंत्र पर इसका बहुत ज्यादा असर पड़ा है इसलिए हमें ना सिर्फ जलवायु परिवर्तन का स्थायी समाधान विकसित करना होगा बल्कि उसे बड़े पैमाने पर लागू भी करना होगा। हिमालयन रॉकेट स्टोव के संस्थापक और ऑस्ट्रेलियाई मूल के नागरिक रसल कॉलिन्स ने भी जलवायु परिवर्तन को पूरी दुनिया के लिए बड़ा खतरा बताते हुए कहा, हमारी संस्था जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उनका उद्देश्य ऐसे नए तरीकों को विकसित करना है जो जलवायु परिवर्तन का प्रभावी ढंग से समाधान कर सकें। कार्यक्रम के अलग-अलग सत्र में जलवायु परिवर्तन के लिए काम करने वाली संस्थाओं, समुदायों और सरकारों के बीच सहयोग को मजबूत करने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। हिमालयन रॉकेट स्टोव ऐसे हीटिंग उपकरण हैं जो पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं और ये जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने तथा आम लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने में काफी कारगर साबित हैं।

पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा बोले- जेवर एयरपोर्ट से रियल एस्टेट सेक्टर छुएगा नई ऊंचाई

नोएडा। देश की राजधानी नई दिल्ली है लेकिन आर्थिक गतिविधियां ज्यादा होने के कारण मुंबई को आर्थिक राजधानी का दर्जा हासिल है। इसी तरह उत्तर प्रदेश में नोएडा को यह रुतबा हासिल है। भले ही लखनऊ प्रदेश की राजधानी है लेकिन नोएडा आर्थिक गतिविधियों का केंद्र है। इसलिए इन्वेस्ट इंडिया रियल्टी एक्सपो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व डिप्टी सीएम और राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे पूर्व डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने नोएडा को उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति का मुख्य केंद्र बताया है।

संसद में गूंजा UPSC विद्यार्थियों की मौत का मुद्दा,बांसुरी बोली-दिल्ली सरकार की लापरवाही से हुआ हादसा, JE बर्खास्त, AE सस्पेंड

नई दिल्ली। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित यूपीएससी कोचिंग सेंटर में पानी भरने से विद्यार्थियों की मौत का मामला थमता नजर नहीं आ रहा है। ये मामला अब संसद तक पहुंच गया है। लोकसभा में सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा दिल्ली सरकार की आपराधिक लापरवाही के कारण बच्चों की जान गई। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा उत्तरप्रदेश की तरह दिल्ली में भी अवैध निर्माणों पर बुलडोज़र चलाया जाए। वही इस मामले को लेकर दिल्ली नगर निगम की बड़ी कार्रवाई सामने आई है. दिल्ली नगर निगम के कमिश्नर अश्वनी कुमार ने स्थानीय छ्ब्श्व को टर्मिनेट किया और ्श्व को निलंबित किया है. हादसे के बाद अधिकारियों पर निगम की पहली बड़ी कार्रवाई हुई है। दिल्ली के ओल्ड राजिंदर नगर में कथित अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मौके पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौजूद हैं। दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में शनिवार को हुए हादसे में आईएएस की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की मौत के बाद दिल्ली सरकार एक्शन में आई है।राजेंद्र नगर कोचिंग सेंटर हादसा मामले में दिल्ली पुलिस ने पांच और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें चार बिल्डिंग मालिक और एक थार कार का मालिक शामिल है।

भाजपा नेता राजेश भाटिया ने राजेंद्र नगर थानाध्यक्ष को लिखा पत्र, दुर्गेश पाठक के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग

नई दिल्ली। ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित यूपीएससी कोचिंग सेंटर में पानी भरने से छात्रों की हुई मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में राजेंद्र नगर वार्ड के पूर्व पार्षद और भाजपा नेता राजेश भाटिया ने राजेंद्र नगर थानाध्यक्ष को पत्र लिखकर विधायक दुर्गेश पाठक के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा, 'मैंने कई मौकों पर दुर्गेश पाठक को राजेंद्र नगर विधानसभा के नालों और सीवर की डिसिल्टिंग कराने के बारे में आग्रह किया था। विधायक ने खुद वीडियो के माध्यम से और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी देते हुए मुझे धन्यवाद दिया था और लिखा था, 'थैंक यू राजेश भाटिया भाई'।

शहीदों ने देश को बचाया, अब आपको देश बनाना है: बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि हम सुरक्षित हैं क्योंकि हमारे सैनिक हमारी रक्षा कर रहे हैं। करगिल में हजारों सैनिक शहीद हो गए। उन्होंने इस देश को बचाया। अब आपको यह देश बनाना है। आप इस देश का भविष्य हैं। कल के डॉक्टर और इंजीनियर हैं। सैनिकों की तरह देश के लिए जीने और इसे आगे ले जाने का संकल्प लें।

श्री बिरला ने वीडियो संदेश के माध्यम से यह बात नयी दिल्ली के इंदिरा गांधी एरिना में करगिल विजय की रजत जयंती के तहत आयोजित 'एलन शौर्य वंदन' कार्यक्रम में कही। इस समारोह में मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा की तैयारी करने वाले 15 हजार से अधिक स्टूडेंट्स शामिल हुए। उन्होंने कहा कि संस्कारों के बिना जीवन अधूरा है। शिक्षा के साथ संस्कार मिलते हैं तो जीवन में पूर्णता आती है। एलन में शिक्षा के साथ संस्कारों को प्राथमिकता दी जाती है। यही कारण है कि आज करगिल शहीदों को श्रद्धांजलि देने और उनके परिजनों का अभिनन्दन करने के लिए इतनी बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स शामिल हुए हैं।

शहीदों और सैनिकों के जीवन से अनुशासन और देश के लिए जीने की सीख लेनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रहे रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि विद्यार्थियों को देश के युद्धों का इतिहास जानना चाहिए, सेना के शौर्य के बारे में पढ़ना चाहिए तथा उनके बलिदान से सबक लेना चाहिए। सेना से अनुशासन, संकल्प, हौसला और बलिदान होने की हिम्मत सीखें। सैनिकों का जीवन एक सीख होती है, कैसे वे अपने परिवारों से हजारों किलोमीटर दूर रहकर देश की सेवा में समर्पित होते हैं।

कार्यक्रम में परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर ऑनरेरी कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट की ओर से शहीदों के परिजनों का यह सम्मान देश का सम्मान है, जिस तरह एक योद्धा देश के लिए लड़ता है ठीक उसी तरह एक विद्यार्थी को भी देश को आगे ले जाने के लिए संकल्पित रहना चाहिए। पढ़ाई में भी टारगेट लेकर उसकी प्राप्ति के लिए पूरे प्रयास होने चाहिए।

एलन निदेशक डॉ.नवीन माहेश्वरी ने कहा कि हम शिक्षा के साथ संस्कार देने में विश्वास रखते हैं। करगिल विजय के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शौर्य वंदन श्रृंखला की शुरुआत की। अब तक दिल्ली सहित राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, जम्मू, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, ओडिशा, आसाम, पश्चिम बंगाल में शौर्य वंदन कार्यक्रम हो चुके हैं, जहां 280 करगिल शहीदों के परिजनों का सम्मान किया जा चुका है।एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दिल्ली में आयोजित शौर्य वंदन में करगिल युद्ध में दिल्ली और आस-पास 32 शहीदों के परिजनों का सम्मान किया गया। इस दौरान शहीदों के परिजनों ने भी अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान कई बार ऐसे क्षण भी आए जब हर किसी के आंख में आंसू आ गए। कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों ने खड़े होकर शहीदों के सम्मान में तालियां बजाई और परिजनों को सेल्युट किया। कार्यक्रम में परमवीर चक्र विजेता योगेन्द्र यादव, एलन निदेशक डॉ. गोविन्द माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, डॉ. नवीन माहेश्वरी, डॉ. बृजेश माहेश्वरी एवं सीईओ नितिन कुकरेजा ने शहीदों के परिजनों का सम्मानित किया। जोनल हेड व वाइस प्रसीडेंट अमित मोहन अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कांग्रेस ने कोचिंग सेंटर की घटना को बताया अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा ने राष्ट्रीय राजधानी के पटेल नगर में आईएएस बनने का सपना लेकर कोचिंग कर रही तीन छात्राओं की कोचिंग सेंटर में पानी भरने से मृत्यु को आपराधिक लापरवाही बताते हुए इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया और कहा कि इसकी जिम्मेदारी तय कर दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए। श्री खडगे ने कहा, राजधानी दिल्ली में सरकार व प्रशासन की आपराधिक लापरवाही के चलते आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन युवाओं की ज़िंदगी चले जाना बेहद दुःखद है। उनके परिवारजनों को हमारी गहरी संवेदनाएँ। इससे पहले पटेल नगर में जलभराव के कारण, करंट लग जाने से एक अन्य यूपीएससी अभ्यर्थी की जान चली गई। ख़बरों के मुताबिक पिछले कुछ दिनों में आठ लोग की जान करंट लगने से गयी है।÷

उन्होंने कहा, दिल्ली को कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीश् स्तर का शहर बनाया था। आज भारत की राजधानी उदासीनता का दंश झेल रही है। आये दिन हादसे होते रहते हैं। देश की राजधानी में इस तरह का हादसा होना हम सभी के लिए अत्यंत चिंता की बात है। हमें हमारी राजधानी को बेहतर बनाना होगा ताकि हमारे नागरिक सुरक्षित रहें और यहाँ रहने व आनेवालों को ये भरोसा हो कि देश की राजधानी में उनकी उपेक्षा नहीं होगी। श्री गांधी ने कहा, दिल्ली की एक बिल्डिंग के बेसमेंट में पानी भर जाने के कारण प्रतियोगी छात्रों की मृत्यु बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ दिन पहले बारिश के दौरान बिजली का करंट लगने से एक छात्र की मृत्यु हुई थी। सभी शोकाकुल परिजनों को अपनी भावपूर्ण संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। इन्फ्रास्ट्रक्चर का ये कोलैप्स सिस्टम की संयुक्त असफलता है।असुरक्षित निर्माण, लचर टाऊन प्लानिंग और हर स्तर पर संस्थाओं की गैरजवाबदेही की कीमत आम नागरिक अपना जीवन गंवा कर चुका रहा है।

भारत ने कनाडा के मंदिर में तोड़फोड़ पर चिंता जतायी

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा के एडमॉन्टन में मंदिर में तोड़फोड़ की रिपोर्ट पर चिंता जताते हुए कनाडा सरकार से दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में इस मुद्दे पर सवालों के जवाब में कहा, हमने इस मामले को दिल्ली और ओटावा दोनों में कनाडा के अधिकारियों के साथ दृढ़ता से उठाया है।

Name Change

I, INDER JEET SINGH S/O AMAR JEET SINGH residing at F-1/185, MADANGIR, DELHI-110062 Declare that INDERJEET is my given name and my surname is SINGH

Name Change

I hitherto known as Manisha Sharma,W/O Deepak J Sharma,R/O H.No, L-81, Jalvayu vihar, Sector-25 ,VTC: Noida PO: Noida, District: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201301, have changed my name and shall hereafter be known as MANISHA KAUSHIK.

Name Change

I, Sheela Bangarwa W/o Balraj Singh Bangarwa R/o SCE-074, The Skycourt, DLF Garden, City, Sector-86, Nawada, Fatehpur (112), Gurgaon, Haryana-122004, Have Changed My Name to Sheela Devi For All Future Purposes.

Name Change

I, hitherto known as CHANDAN KUMAR alias CHANDAN KUMAR MAHINDRU S/o PAWAN KUMAR MAHINDRU R/o C-8/257 A, Lawrence Road, Keshav Puram, North West Delhi, Delhi -110035 have changed my name and shall hereafter be known as CHANDAN KUMAR MAHINDRU.

Name Change

I, JAMIL AHMED S/O KALLOO MISTRI residing at K-106, NEW SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name to JAMEELUDDIN for all future purpose.

Name Change

I, SHUBHAM JAIN S/O ASHOK JAIN R/O 14, JANTA COLONY, ROHTAK, HARYANA - 124001, have changed my name from SHUBHAM TO SHUBHAM JAIN for all future purpose.

Name Change

I, SURENDER SHARMA S/O HARIRAM SHARMA residing at B-51/3, STREET NO-4, BHAJANPURA, DELHI 110053 have changed my name to SURENDER KUMAR SHARMA for all future purposes

Name Change

I, MOHD AMIR S/O MOHD IDRISH residing at C-112/20 GALI NO 17 NORTH GHONDA DELHI 110053 have changed my name to MOHD AAMIR for all future purposes

Name Change

I, IDREESH S/O BUNDU KHAN residing at C-112/20 GALI NO 17, SUBASH MOHALLA, NORTH GHONDA, DELHI 110053 have changed my name to MOHD IDRISH for all future purposes

Name Change

I, MOHMMED ALI S/O AHMED ALI residing at D-3, NEW SEELAMPUR DELHI 110053 have changed my name to MOHMMAD ALI for all future purposes

Name Change

I RAKESH KUMAR S/O KISHORI LAL GUPTA residing AT HOUSE NO. 111 , VIVEKANAND PURI , SARAI ROHILLA , DELHI - 110007 have changed my name to RAKESH KUMAR GUPTA permanently

Name Change

It is for general information that I, SATISH KUMAR S/o SUBE SINGH R/o 877, Kheri Naru, Kheri Naroo, Karnal, Haryana-132036, declare that name of my wife has been wrongly written as SUSHILA DEVI in my minor son's namely DIPANSHU aged 17 years in his CBSE 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my wife is SUSHEELA DEVI.

Name Change

I, VADDE SWETHA wife of NO-15811827K Rank-HAV Name-VADDE NARESH KUMAR R/O VPO-VISWANADHAPALLI, TEH-SINGARENI, DIST-KHAMMAM, TELANGANA-507122 have changed my name from VADDE SWETHA to KOINI SWETHA for all future purposes vide affidavit dated 29/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I hitherto known as Renu alias Ranu Bala W/O Sudesh Sharma,R/O X/191 TAGORE GALI RAGHUBAR PURA NO-1, Gandhi Nagar S.O, East Delhi, Delhi,110031 have changed my name and shall hereafter be known as RANU BALA.

Name Change

I, VINITA MARWAHA D/O KRISHNAKANT SHARMA residing at B-32, 2ND FLOOR, AMAR COLONY, LAJPAT NAGAR-4, DELHI-110024 have changed my name to VINITA KRISHNAKANT SHARMA for all future purpose.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, RAJKALI PAL mother of NO-15789544A Rank-HAV Name-AMIT KUMAR PAL R/O VILL-BHUALPUR DOMIPUR, TEH-SADAR, DIST-PRATAPGARH, UTTAR PRADESH have changed my date of birth from 01 Jul 1963 to 14 Apr 1957 vide affidavit No-GP 817780 dated 24/07/2024 from Tehsildar Sadar, Lucknow (UP) India.

Name Change

I, SODAGAR S/O SH. ALOODA R/O B-154, Sanjay Colony, Bhati Mines, New Delhi-110074 declareThat my name is mentioned as a Nominee SODAGAR SINGH in my wife's Bank Account No.607310110002457, Bank of India, Branch E-186, Sanjay Colony, Bhatti Mines, New Delhi-110074, but also my name is mentioned as SODAGAR in my all other documents.That my name as SODAGAR SINGH & SODAGAR both names are one and same person.

PUBLIC NOTICE

My client Smt. Kamla Bai W/o Late Sewak Ram R/o B-88, Sanjay Colony. Bhati Mines. New Delhi-74 has disowned/debarred her son Raj Kumar and his wife Suman, Vinod and his wife Aruna from her moveable/immovable properties/assets, my client shall not be responsible for any acts done by them in future.

Arun Kumar Tiwari Advocate
Ch.No.310 Lawyers Chamber Block, Saket Courts, New Delhi-17

Name Change

I, JC-674872P Rank-SUB Name-SANJAY KUMAR S/o CHANDRA PAL SINGH R/o VILL-AURANGPUR MOHSAN, PO-BHIROLI, DIST-BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-245409 have changed my minor daughter's name from KUMARI JEEVIKA SIROHI to JEEVIKA SIROHI for all future purposes vide affidavit dated 29/07/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, JC-313933M, SUB, GARIBNAVAJ MULLA S/o MUBARAK MULLA Residing at VIDYA NAGAR HEBBAL, HOUSE NO-1679, HUKKERI, BELGAUM, KARNATKA-591221 have changed my mother's name from SHAM SHADBI MM to SHAMSHADBI MUBARAK MULLA for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1955 instead of her correct date of birth as 01/01/1955 vide Affidavit dated 29/07/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

To Whom so ever it may concern

Mr. Ranjit Kumar Jha s/o Kusheshwar Jha and Mrs. Anita Jha w/o Ranjit Kumar Jha were absolute owners of 2nd Floor (Front Side-L-Shape) without roof rights area measuring 58.5 sqyds Built Upon Plot No. 7 and 8 part of Khasra No. 348 situated at Village Nawada Majra Hastsal Colony Known as Mohan Garden, Block-L Extension, Uttam Nagar, New Delhi-110059 and whereas Mr. Ranjit Kumar Jha and Mrs. Anita Jha Selling above Mentioned property to Mr. Manoj Tiwari if anybody have any Objection kindly contact on-9540419009 within 7 days.

(Advocate Deepak Malik)
Shop no. 2, 1st First floor Kataria complex, Near Axis Bank, New RailwayRoad Gurugram-122001

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I BASANTI ARYA D/O HARISH LAL ARYA ,R/O Parmanent address - Village Bhakunkhola, Post office Baijnath, Garur, District Bageshwar, Uttarakhand - 263641, Present adress- S606/607 Park end apartment, School block Shakarpur, Laxmi nagar DELHI-110092, DECLARE THAT NAME OF MY FATHER HAS BEEN WRONGLY WRITTEN as HEERA LAL in my 10th class educational document, The actual name of my father is HARISH LAL ARYA respectively which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

Name Change

I, NO-18003982X Rank-HAV Name-SHALENDRA SINGH S/o HARENDRA SINGH R/O VILL-KUSHMARA, PO-ETORA, TEH-KALPI, DIST-JALAUN, UTTAR PRADESH-285001 have changed my Minor son's name from SHRIYANSH to SHREYANSH for all future purposes vide affidavit dated 29/07/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, SANJEEV KUMAR S/O SHRI R.K. SINGH R/O 1433/7, Kotla Mubarakpur, Lodhi Road, South Delhi, Delhi- 110003, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as SANJEEV KUMAR SINGH and SWEETY SINGH in my minor daughter AKSHITA KUMARI aged 14 years in her Educational Documents. The actual name of mine and my wife are SANJEEV KUMAR and SWEETI respectively, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

में मुदस्सर अली सुपुत्र स्व. हैदर अली माता नाजमा खातून उम्र 32 वर्ष निवासी बिल्डिंग न. 633 फ्लैट न. 3. GF देवली विलेज,नई दिल्ली-110080 (आधार कार्ड नं. 5399 7125 5351) यह है कि दिनांक 05.01.2022 को मैंने अपना इस्लाम धर्म को त्यागकर अपने पुरे होशोहवास में बिना किसी दबाव,भय के सनातन धर्म को स्वीकार किया है, और वैदिक पूजन के साथ घर वापसी की है। मुझे अनिरुद्ध सिंह सिसोदिया C/o श्री तेजुलाल टेलर एवं आशा टेलर (गौत्र सिसोदिया) के रूप में जाना जाएगा। (श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन निर्वाण नदी दरवाजा, उज्जैन, जिला उज्जैन मध्य प्रदेश-456 006) के प्रमाण पत्र की कॉपी सलंगन है। यह है कि मुझे भविष्य में अनिरुद्ध सिंह (गौत्र सिसोदिया) के नाम से जाना जाय। यह कि शपथी दवारा इस शपथ पत्र में कोई तथ्य छिपाया नहीं गया है। अगर कोई तथ्य गलत पाया जाता है तो उसकी जिम्मेदारी शपथी की होगी।

Name Change

I, LALITA CHOUBEY mother of NO-15702425W Rank-HAV Name-RITESH KUMAR CHOUBEY residing at H.NO-592K/861, PRABHAT NAGAR, KHARIKA, TELIBAGH, LUCKNOW, UTTAR PRADESH-226002 have changed my name from LALITA CHOUBEY to LALITA DEVI for all future purposes vide affidavit dated 29/07/2024 before Notary Public Delhi.

कोर्ट नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5. कायदा 1 व 5) न्यायालयद मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल (उत्तरी क्षेत्र) मेरठ। नम्बर मुकदमा/एम.ए.सी. 208 सन 2022

सुनील कुमार पुत्र श्री विकम सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट नानू फतेहपुर जिला मेरठ। ....**वादी**

बनाम.

1. रिलायन्स जनरल इ0 क0 लि0.
2. बीजू मोहन पुत्र श्री पी0ओ0 जोसेफ नि0 909, बी ब्लाक सेक्टर-1 रोहिणी नई दिल्ली-1100085 (पंजीकृत स्वामी मारूति कार एस एक्स-4 सं0डी.एल.-8सी-एन.बी.-3388)

................**विपक्षी**

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बाबत क्षतिपूर्ति के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 07 माह 10 सन 2024 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमें के हालात के करार वाकई वाकिफ किया गया हो और कुल उमूरोत अहम मुतल्लिका मुकदमा का जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जो जबाव ऐसे सवालात दे सके, हाजिर और जबाव देही दावा की करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला दस्तावेज पेश करें जिन पर आप बताईद अपनी जवाब देही के इस्तदमाल करना चाहते हो। आपको इतिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होगें तो मुकदमा बगैर हाजिरी आप मसमूअ और फैसला होगा बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 22 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

इतिला

जज (आज्ञानुसार मुन्सरिम)
मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, मेरठ

आप्रेशन स्माइल के तहत भीख मांगते आठ बच्चों का किया रेस्क्यू

एजेंसी

फरीदाबाद। आप्रेशन स्माइल अभियान के तहत अपराध शाखा कैट की टीम ने भीख मांगते आठ बच्चों का रेस्क्यू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने

रविवार को बताया कि आप्रेशन स्माइल के तहत कार्य करते हुए अपराध शाखा कैट ने थाना खेड़ीपुल और पुलिस चौकी सेक्टर-28 एरिया से 8 नाबालिक बच्चों को भीख मांगते हुए रेस्क्यू किया है। सभी बच्चों की उम्र 6 से 15 वर्ष के बीच है। सभी बच्चों से उनका नाम, पता पूछकर उनके परिजनों को बुलाया गया। भीख मांगने वाले नाबालिक बच्चो व उनके अभिभावकों की काउंसलिंग कराई गई। चेयरपर्सन बाल कल्याण समिति फरीदाबाद ने उपरोक्त बच्चों के परिजनों को हिदायत देकर बच्चों के माता-पिता को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित करते हुए बच्चों को सकुशल उनके परिजनों हवाले किया गया।

केंद्रीय बजट विकसित भारत संकल्प की तरफ बड़ा कदम : कैप्टन अभिमन्यु

जींद । हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैप्टन अभिमन्यु ने युवाओं से अपील की कि जो लोग विदेश जा कर पैसा कमाना चाहते हैं वह डोंकी रास्ते से बाहर जाने की बजाय कानूनी रास्ते से विदेश जाने का काम करें। इससे उनके पैसे भी बचेंगे और खतरे भी कम होंगे। उन्होंने ने व्यापारियों के साथ घटनाओ पर चिंता जताई और कहा कि सीएम नायब सैनी सख्ती से ऐसे हालातों से निपटने के आदेश दिए हुए हैं हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैप्टन अभिमन्यु जींद में बजट पर संवाद कार्यक्रम में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पूर्व तथा बाद में वे जनसंपर्क अभियान के तहत कार्यक्रमों में लोगों से भी रूबरू हुए। बजट में आंध्र प्रदेश और बिहार को महत्व दिए जाने पर उन्होंने कहा कि जो क्षेत्र पिछड़े हुए हैं। उन्हें आगे लाकर ही देश को विकसित बनाने का काम किया जा सकता है। इसके पीछे राजनीतिक कारणों पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को हर मामले में वोट का आना और वोट का जाना नजर आता है। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि कांग्रेस ने बिहार और आंध्र प्रदेश की हमेशा अनदेखी करने का काम किया और अब जब केंद्रीय वित्त मंत्री ने इन दो राज्यों को कुछ ज्यादा देने का काम किया है तो उसे राजनीति नजर आती है। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस बजट में गरीब, महिला, युवा और किसान पर अधिक ध्यान दिया है।

धर्मांधता और जातिवाद की राजनीति करती है भाजपा : बीरेंद्र सिंह

जींद। मध्य उत्तरी हरियाणा विकास संगठन के कार्यकर्ता सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने मुख्यअतिथि के तौर पर शिरकत करते हुए कहा कि भाजपा धर्मांधता और जातिवाद को बढ़ावा देकर इसी की राजनीति करती है। वह 10 साल भाजपा में रहे। इस दौरान उन्होंने महसूस किया कि भाजपा केवल धर्म और जाति की राजनीति करती है। यही उसका एजेंडा है। कांग्रेस पार्टी में भूपेंद्र हुड्डा के हीरो होने के सवाल पर बीरेंद्र सिंह ने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा देवानंद नहीं हैं। कांग्रेस पार्टी में ठीक उसी तरह से 11 हीरो हैं। जिस तरह विश्व कप जीतने वाली भारत की टीम के 11 खिलाड़ी थे। किसी एक नेता से बात बनती नहीं है। उनका प्रयास यह रहेगा कि वह कांग्रेस के सभी नेताओं को एक साथ चलने के रास्ते पर लाएं। इसका मतलब यह नहीं है कि सभी नेता एक मंच पर हों। इससे ज्यादा जरूरी यह है कि कांग्रेस के सभी नेता हरियाणा में सत्ता परिवर्तन कर कांग्रेस की सरकार बनाएं, जो जनता के सपनों को पूरा करे और उम्मीद पर खरी उतरे। आज हरियाणा के 70 प्रतिशत मतदाता भाजपा को हराना चाहते हैं। यह कांग्रेस पार्टी पर है कि वह इन 70 प्रतिशत मतदाताओं को किस तरह अपने पीछे मजबूती से लामबंद करती है।

स्वास्थ्य विभाग में एनएचएम के तहत लगे कर्मियों की हड़ताल जारी रही

जींद। स्वास्थ्य विभाग में एनएचएम के तहत लगे कर्मियों की हडताल तीसरे दिन में प्रवेश कर गई। भी जारी रही। कर्मियों ने सीएमओ कार्यालय के सामने काम छोड़ कर धरना दिया और सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। धरने की अध्यक्षता आरबीएसके डा. अमित अलेवा द्वारा की गई और संचालन जिलाध्यक्ष गौरव सहगल ने किया। धरना स्थल पर धरने को विभिन कर्मचारी संगठनों ने समर्थन दिया। पवन चहल, सुमित, अनीता, कृष्णा, रीना, सुनीता, कुलदीप आर्य, कमलेश ने कहा कि एनएचएम कर्मचारी पिछले काफी सालों से स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक मांगें पूरी नही होती तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। एनएचएम कर्मियों की हडताल के चलते पिछले तीन दिन से लेबर रूम, नर्सरी, केएमसी यूनिट, रैफरल ट्रांसपोर्ट, मेंटल हैल्थ, स्कूल हैल्थ (आरबीएसके) व आरकेएसके, एनसीडी, एनआरसी, टीबी विभाग, आयुष विभाग, एनएचएम कार्यालय, पीपी सेंटर, सभी सीएचओ व रिपोटिंग के कार्य शामिल रहे। उन्होंने मांग की कि एनएचएम कर्मचारियों को पक्का किया जाए।

भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर करेगा बजट : धनखड़

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने बहादुरगढ़ के लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय बजट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होने कहा कि मोदी -3 सरकार का बजट भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर करेगा। उन्होंने कहा कि हर भारतीय की सोच है कि भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनकर उभरे। मौजूदा बजट में कृषि उत्पादकता,रोजगार एवं कौशल विकास, समावेशी मानव संसाधन विकास एवं सामाजिक न्याय, विनिर्माण सेवाएं, शहरी विकास, उर्जा सुरक्षा, आधारभूत संरचना, नवाचार, अनुसंधान एवं विकास और अगली पीढ़ी के सुधार पर फोकस किया गया है।

राष्ट्रीय सचिव धनखड़ ने जनकल्याणकारी बजट पेश किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का धन्यवाद करते हुए कहा कि किसानों-ग्रामीणों, गरीब वर्ग, युवाओं, महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों के जीवन स्तर में निरंतर सुधार करेगा। उन्होंने कहा कि यह बजट ग्रामीण विकास और कृषि क्षेत्र की प्रगति में नए आयामों को स्थापित करेगा।

यह समृद्ध और शक्तिशाली भारत के निर्माण का बजट है, विशेषकर किसान, गरीब, महिलाएं, युवा और मध्यम वर्ग के कल्याण पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया है। किसान की दृष्टि से अगर देखें तो इसमें सभी पक्षों पर ध्यान दिया गया है, उत्पादन बढाना, क्योंकि लाभ तभी होगा, जब उत्पादन बढ़ेगा,उसके लिए फल-सब्जी और अनाज की 109 नई वैरायटी जारी की जाएगी, जो जलवायु अनुकूल होगी और ग्लोबल वार्मिंग के मौजूदा खतरे में चाहे ज्यादा तापमान हो या कम पानी हो, अच्छा उत्पादन देगी। धनखड़ ने कहा कि न केवल उत्पादन बढ़ाने की बात है, अपितु इस बजट में लागत घटाने के प्रयत्न भी किया गया है। किसान के समर्थ अनुसार क्रेडिट कार्ड हो या सस्ता ऋण हो, उनके कारण किसानों की लागत घटेगी।

अंबाला का एयरपोर्ट एकमात्र ऐसा है जो शहर के बीच में है जिसके बनने से रोजगार के साधन भी बढ़ेंगे : विज

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अंबाला में निर्माणाधीन सिविल एन्कलेव (अंबाला में तैयार किए जा रहे एयरपोर्ट) आगामी 10 अगस्त, 2024 तक चालू कर दिया जाएगा और 15 अगस्त, 2024 को आयोध्या के लिए पहली उडान भरी जाएगी। विज अंबाला में निर्माणाधीन सिविल एन्कलेव के कार्य का निरीक्षण कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने वहां पर काम करवा रहे अथॉरिटी को कुछ जरुरी हिदायतें दी और शेष कार्य की जानकारी भी ली। उल्लेखनीय है कि अंबाला में अनिल विज के भरकस प्रयास से सिविल एन्कलेव (एयरपोर्ट) केंद्र सरकार से मंजूर करवाया था और मुख्यमंत्री हरियाणा से शिलान्यास करवाया था तब से लेकर बड़ी तेज़ी से एयरपोर्ट बनाने का काम चल रहा है, जिसका समय-समय पर अनिल विज द्वारा मुआयना भी किया जाता है ताकि समय से काम पूरा हो सके। इसी कडी में आज भी अनिल विज ने निर्माणाधीन सिविल एन्कलेव (एयरपोर्ट) का

निरीक्षण किया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए अनिल विज ने कहा कि यहाँ पर (सिविल एन्कलेव) रात-दिन युद्ध स्तर पर काम चल रहा है उम्मीद है कि 10 अगस्त तक काम पूरा हो जायेगा और 15 अगस्त को पहली उड़ान अयोध्या की भरी जाएगी। विज ने कहा कि सारी परमिशन जिस-जिस विभाग से लेनी थी वो सब पूरी हो चुकी है।

विज ने कहा कि पहली फ्लाइट यहाँ से शायद अयोध्या के लिए भरी जाएगी और दूसरी जम्मू के लिए उड़ेगी। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा परेशानी पहली उड़ान की होती है बाद में तो एडऑन ही करनी है वो हो जाएगी। विज ने कहा कि जिस शहर में एयरपोर्ट होता है उस शहर कि तरक्की सबसे ज्यादा होती है। विज ने कहा कि अंबाला का एयरपोर्ट एकमात्र ऐसा है जो शहर के बीच में है जिसके बनने से रोजगार के साधन भी बढ़ेंगे।

राज्य में तीसरी बार बनेगी भाजपा सरकार, कांग्रेस में बेटों को स्थापित करने की लड़ाई : मोहनलाल बडोली

एजेंसी

पलवल । भारतीय जनता पार्टी के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार पलवल पहुंचे।

इस दौरान महाराणा प्रताप भवन में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए मोहनलाल बडोली ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ की हड्डी होता है। उन्होंने कहा कि साल 2014 में कार्यकर्ताओं के बदौलत केंद्र और प्रदेश में पूर्ण बहुमत से भाजपा सरकार बनी और 2024 में भी हरियाणा में पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बने, उसके लिए अभी से पार्टी के कार्यकर्ता जी तोड़ मेहनत शुरू कर दें।

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पार्टी के कार्यकर्ताओं का पूरा मान सम्मान करते है। प्रदेश सरकार द्वारा लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेकों जनकल्याणकारी योजनाओं चलाई गई हैं। जिनका अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति लाभ उठा रहा है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता अपने बेटों को स्थापित

करने में लगे हुए हैं, चाहे वह सोनिया गांधी हों या फिर कोई और नेता। केवल भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जो अपने कार्यकर्ताओं के लिए सोचती है और उन्हें स्थापित करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा, अब विधानसभा चुनाव के लिए समय बहुत कम बचा है। लोगों के बीच मे ज्यादा से ज्यादा पहुंचकर भाजपा की नीति और योजनाओं के बारे में अवगत कराने का काम करें। प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी द्वारा कराए गए विकास कार्यो से काफी खुश है और राज्य में तीसरी बात सरकार बनाने के लिए संकल्पित है।

समारोह में प्रदेश अध्यक्ष के साथ प्रभारी अरविंद यादव, पलवल विधायक दीपक मंगला, होडल विधायक जगदीश नायर, हथीन विधायक प्रवीण डागर और भाजपा जिला अध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर निशानेबाज मनु भाकर को दी बधाई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पेरिस ओलंपिक-2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल करने पर विख्यात निशानेबाज मनु भाकर को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने मनु भाकर के उल्लेखनीय प्रदर्शन और ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि मनु भाकर की इस उपलब्धि से प्रदेश और देश बहुत गौरवान्वित हुआ है। उन्होंने मनु भाकर के समर्पण, कड़ी मेहनत और दृढ़ता की प्रशंसा की, जिसके कारण वह वैश्विक मंच पर यह प्रतिष्ठित उपलब्धि हासिल करने में सफल रही। नायब सिंह सैनी ने कहा कि मनु भाकर की सफलता उनकी असाधारण प्रतिभा और अथक प्रयास का प्रमाण है। उन्होंने न केवल हरियाणा को गौरवान्वित किया है, बल्कि देश भर के महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण भी पेश किया है। हमें विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे और राज्य और देश को और अधिक सम्मान दिलाएंगे। मुख्यमंत्री ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले हरियाणा के सभी एथलीटों को भी बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि सभी खिलाडी अपना बेहतरीन प्रदर्शन करना जारी रखेंगे और भारत के लिए और अधिक पदक जीतेंगे।

तीसरी बार प्रदेश में बनेगी बहुमत से भाजपा सरकार: कंवर पाल

एजेंसी

यमुनानगर। विधानसभा चुनावों से पहले जगाधरी विधानसभा में और मजबूत हो रही है। जगाधरी विधानसभा में लगातार भाजपा में शामिल होने वालों का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में कृषि मंत्री कंवरपाल की कार्यशैली और भाजपा द्वारा करवाए गए विकास कार्यो से प्रभावित होकर गांव आहलूवाला में बड़ी संख्या में अनेकों लोगो ने परिवार सहित भाजपा का दामन थाम लिया। आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री कंवर पाल ने सभी को फूलमाला और पटका पहनाकर भाजपा परिवार उनका स्वागत किया। मंत्री कंवर पाल ने कहा भाजपा में शामिल हुए सभी लोगो को पूरा मान सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि भाजपा की जनहित की नीतियों से प्रभावित होकर विभिन्न दलों को छोड़ कर आज भाजपा में शामिल हुए है। उन्होंने कहा की भाजपा सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश के हर वर्ग का कल्याण हो और हर पात्र व्यक्ति को सरकार की प्रत्येक योजना का लाभ मिलें। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से हर वर्ग में लाभान्वित हो रहा है और वे सरकार की नीतियों को लेकर जनता के बीच पहुंचे है, इस अभियान के दौरान जहां

जहां पर भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जाते हैं, वहां पर लोगों में खुशी का माहौल नजर आता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही ऐसी पार्टी है जिसमें छोटे कार्यकर्ता से लेकर बड़े पदाधिकारी तक बराबर मान-सम्मान मिलता है। भाजपा में मिलने वाले मान-सम्मान व नीतियों एवं योजनाओं से प्रभावित होकर प्रतिदिन भाजपा का कुनबा लगातार बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि देश हर क्षेत्र में शिखर छू रहा है और यह तभी संभव हो पाया है जब देश की कमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों में है। आज विश्व के दूसरे देश भारत की ओर मदद की दृष्टि से देखते हैं। केन्द्र सरकार की नीतियों एवं योजनाओं की विश्व के दूसरे देशों में सराहना हो रही है। इससे हर भारतीय का दुनिया में मान-सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की नीतियों एवं योजनाओं से प्रभावित होकर प्रदेश की जनता आने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा को दोबारा प्रचंड बहुमत प्रदान कर तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने का काम करेगी।

मेट्रो स्टेशन की दीवार से टकराया ट्रॉला

एजेंसी

फरीदाबाद। नगर में रात ओल्ड मेट्रो स्टेशन की दीवार से एक ट्रॉला बेकाबू होकर टकरा गया। हादसे में ड्राइवर और कंडक्टर दोनों बाल-बाल बच गए। बताया गया कि ट्रॉला दिल्ली की तरफ से बल्लभगढ़ सीकरी के पास जा रहा था।

इसी दौरान अचानक ओल्ड मेट्रो स्टेशन के पास अनियंत्रण होकर हाईवे की ग्रिल को तोड़ते हुए मेट्रो स्टेशन से करीब 50 मीटर आगे दीवार को तोडक़र घुस गया। हादसे के बाद राहगीरों ने जल्दी से ड्राइवर और कंडक्टर को बाहर निकाल लिया।

ड्राइवर सुरेश ने बताया कि ट्रॉला पर लोहे की पत्तियों वाले तीन रोल लोड करके दिल्ली की तरफ से बल्लभगढ़ सीकरी के पास जा रहे थे। एयर प्रेशर पाइप फट जाने की वजह से ट्रॉला बेकाबू हो गया। लोहे की दो पत्तियों वाले रोल हाईवे पर गिर गए और एक ट्रॉला के ऊपर ही रह गया। यह सब अचानक ही हुआ है, किसी को ज्यादा चोट नहीं आई सब ठीक है। सूचना मिलते ही डायल 112 की गाड़ी भी मौके पर पहुंची।

हरियाणा पुलिस को मिले 988 जवान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन में रिक्रूट बैच संख्या 90 की दीक्षांत परेड की सलामी ली। इस मौके पर 988 रिक्रूटों ने कर्तव्यनिष्ठा की शपथ लेकर जनसेवा को समर्पित हो गए।

समारोह में पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि पुलिस समाज में कानून और व्यवस्था का चेहरा है। ऐसे में वे नागरिकों के साथ सहानुभूति और संवेदनशीता के साथ व्यवहार करें। उन्होंने कहा कि पुलिस बल में शामिल होना केवल एक पेशा मात्र नहीं है, यह ईमानदारी, साहस और करुणा के साथ सेवा करने का आह्वान है। उन्होंने जवानों से कहा कि आप जनसेवा की नेक यात्रा पर निकल रहे हैं, आप नागरिकों के विश्वास और आशाओं को अपने कंधों पर लेकर चल रहे हैं। आपको हर दिन ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा जो आपके संकल्प और चरित्र की परीक्षा लेंगी। आपके अच्छे कार्य और साहसिक निर्णयों से ही हरियाणा पुलिस में जनता का विश्वास दृढ़ होगा। उन्होंने कहा कि सरकार और पुलिस मुख्यालय पुलिस को अपग्रेड करने और पुलिस के और उनके परिवार के कल्याण को लेकर हम प्रयासरत हैं इसी क्रम में

कल्याण के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। पुलिस प्रशिक्षण के लिए योग्य प्रशिक्षक उपलब्ध हो इसके लिए हरियाणा पुलिस के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों में नियुक्त प्रशिक्षक कर्मियों को मूल वेतन का 20 प्रतिशत की दर से प्रशिक्षण भत्ता सरकार द्वारा मंजूर किया गया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने पुलिसकर्मियों के कल्याण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए वर्दी भत्ता, राशन भत्ता में वृद्धि, शहीदों के परिजनों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को ढाई से तीन गुणा किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों सेवानिवृत तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के बच्चों को रोजगार दिलाने के लिए उनमें कौशल विकास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश के जिला मुख्यालय पर डीएवी संस्था के सहयोग से 22 पुलिस पब्लिक स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। प्रत्येक पुलिस लाइन में ई-लाईब्ररी खोली जा रही है। पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य बेहतर रखने के लिए प्रत्येक पुलिस लाइन में जिम खोली गई हैं और 35 वर्ष से अधिक आयु के पुलिसकर्मियों के निःशुल्क स्वास्थ्य की जांच की पहल शुरू की गई है।

गरीबों, युवाओं, महिलाओं व किसानों और मध्यम वर्ग को समर्पित है आम बजट: डा. कमल गुप्ता

एजेंसी

सिरसा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया आम बजट- 2024 गरीबों, युवाओं, महिलाओं व किसानों और मध्यम वर्ग को समर्पित बजट है। यह उनके जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन करेगा। इस बजट में हरियाणा के लिए भी इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास को लेकर प्रावधान किया गया है। यह बात स्वास्थ्य एवं नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता कही। वे स्थानीय लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में आयोजित पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बैठक में जिलाध्यक्ष भाजपा शीशपाल कंबोज, भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य जगदीश चोपडा, पूर्व जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह, निताशा सिहाग, प्रदेश सचिव सुरेंद्र आर्य, डा. भीम, युवा भाजपा नेता सतीश जग्गा, कपिल सोनी, विकास कालूआना प्रमोद कंबोज, लक्खा राम कंबोज, तरसेम सामा, मीरा देवी, बलवंत शैली मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री डा. कमल गुप्ता ने कहा कि मध्यम आय वर्ग को आयकर में छूट देकर सराहनीय फैसला लिया है। अब 7.75 लाख रुपए तक इनकम पूरी

तरह कर मुक्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि बजट में यह छूट दिए जाने से मध्यम वर्ग को साढ़े सत्रह हजार रुपए का सीधा सीधा लाभ मिलेगा। वेतन भोगी कर्मचारियों छोटे दुकानदारों, अपना व्यवसाय चला रही गृहणियों को इससे बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय बजट में महिलाओं और लड़कियों के लिए लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान, सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 1 करोड़ घरों को 300 यूनिट तक हर महीने बिजली फ्री, 500 टॉप कंपनियों में 5 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप का वादा किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने 48 लाख करोड़ का बजट पेश किया है, जोकि वर्ष 2013-14 में पेश किए गए बजट से तीन गुना अधिक है। लखपति दीदी योजना के तहत 3 करोड़ महिलाओं को आत्मनिर्भर व सशक्तिकरण पर बल दिया गया है, इसके लिए 3 लाख करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। स?कीम के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को सरकार की ओर से कई तरह की स्किल ट्रेनिंग देकर उन?हें स?वरोजगार के योग?य बनाया जाता है, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति को बेहतर किया जा सके।

सोनीपत में विकास की अपार संभावनाएं हैं: पूर्व मंत्री कविता जैन

एजेंसी

सोनीपत। पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन ने कहा है कि शहर की जनता फिर से आशीर्वाद देगी तो सोनीपत के विकास को फिर से पंख लगेंगे, क्योंकि गुड़गांव के बाद सोनीपत में विकास की अपार संभावनाएं हैं। अब तो मेट्रो एवं रैपिड रेल आने का रास्ता भी साफ हो चुका है। वार्ड नंबर 13, 12, 11 तथा 20 के कार्यकर्ताओं की बैठकों में कविता जैन ने कहा कि चुनाव में छोटी सी कमी पांच वर्ष तक भुगतनी पड़ती है, इसलिए कार्यकर्ता अभी से बूथ के माइक्रो मैनेजमेंट की तैयारी कर लें। सोनीपत अलग जिला बनने के बाद भाजपा सरकार के कार्यकाल में जो विकास हुआ पहले कभी नहीं हुआ। राजीव जैन ने कहा कि कार्यकर्ता मतदाता सूची का अवलोकन करेंऔर नई वोट बनवाने पर जोर दें, इसके लिए बीएलओ द्वारा 3 व 4 अगस्त तथा 10 व 11 अगस्त को मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान चलाया जायेगा।

Name Change

It is for general information that I, DALIP SINGH S/o DAL CHAND R/o House No. 2111A, Sector-3, Ballabgarh, Faridabad, Haryana-121004 declare that name of mine has been wrongly written as DALIP SINGH BUDGUJAR in my Pension Payment Order No. 08/14/B/13310/2009. The actual name of mine is DALIP SINGH, which may be amended accordingly.

Name Change

I hitherto known as MANOJ S/o MAHAVIR, R/o 731, Seenk (52), Seenk, Panipat, Haryana-132103, have changed my name and shall hereafter be known as MANOJ MALIK.

भाजपा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का दायित्व ग्रहण समारोह

एजेंसी

सिरसा। भाजपा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का दायित्व ग्रहण समारोह व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य का अभिनंदन समारोह एवं प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन का आयोजन एफ ब्लॉक स्थित जिला भाजपा कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डा. कमल गुप्ता थे। मंच संचालन जिला महामंत्री सतीश जग्गा ने किया। अतिथियों का स्वागत जिला महामंत्री प्रमोद कम्बोज ने किया। मुख्यातिथि ने नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य निताशा सिहाग व जिलाध्यक्ष शीशपाल कम्बोज तथा उनकी टीम को दायित्व ग्रहण करवाया। पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने नई कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। इस दौरान डा. कमल गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा में दायित्व परिवर्तन होता रहता है। निताशा सिहाग की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि एक जिलाध्यक्ष के तौर पर जितना कार्य एक महिला होते हुए किया, उतना एक पुरूष जिलाध्यक्ष भी नहीं कर पाता। उन्होंने निताशा सिहाग को प्रदेश कार्यकारिणी में बतौर सदस्य बनाए जाने पर अभिनंदन करते हुए आशीर्वाद दिया। वहीं नवनियुक्त जिलाध्यक्ष शीशपाल कम्बोज ने कहा कि उन्होंने पार्टी में रहते हुए विभिन्न दायित्वों पर कार्य किया है। अब पार्टी ने उन्हें जिलाध्यक्ष का दायित्व दिया है। हम सबने मिलकर पार्टी की मजबूती के लिए काम करना है।

निताशा सिहाग ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि सिरसा जिला की पांचों सीटों पर भाजपा को मजबूत कर कमल खिलाने का काम करें। उन्होंने कहा कि बेशक पार्टी ने उन्हें प्रदेश में दायित्व दिया है, पर वे जिला के कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेंगीं।

केंद्रीय बजट 2024-25 में हर राज्य का रखा गया है ध्यान : सीतारमण

एजेंसी

नई दिली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट 2024-25 में हर राज्य का ध्यान रखा गया है जबकि कुछ राज्यों की अनदेखी करने की गलत सूचना फैलाई जा रही है। उन्होंने बेंगलुरु में मीडिया से बात करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने केंद्रीय बजट आवंटन संबंधी गलत सूचनाओं पर निशाना साधते हुए कहा कि किसी भी राज्य की अनदेखी नहीं की गई है। वित्त मंत्री ने बताया कि हमने केंद्रीय बजट 2024-25 में बहुत स्पष्ट रूप से युवाओं, एमएसएमई, कृषि अनुसंधान और विकास तथा कई अन्य श्रेणियों पर जोर दिया है। केंद्रीय बजट 2024-25 की घोषणाओं पर प्रकाश डालते हुए वित?त मंत्री ने बजट में कर्नाटक के लिए राजस्व हिस्सेदारी और आवंटन को स्पष्ट किया। उन?होंने बताया कि कर्नाटक में सरकार सहित कई लोगों के बीच यह गलत सूचना है कि केंद्र सरकार अपना बकाया नहीं देती है। सीतारमण ने कहा कि मौजूदा राज्य सरकार गलत प्रचार कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004-2014 के दौरान यूपीए सरकार के दौरान कर्नाटक को दिया गया कर का हिस्सा 81.71 करोड़ रुपये था, जबकि एनडीए सरकार के तहत ये राशि 2,95,818 करोड़ रुपये है। वहीं, यूपीए सरकार के पिछले 10 साल के शासन में अनुदान सहायता की राशि 60,779 करोड़ रुपये थी। पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन काल में यह 2,36,955 करोड़ रुपये है।

भारत को 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की जरूरतः नीति दस्तावेज

नई दिल्ली। भारत को 2047 तक 18,000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति आय के साथ 30,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में प्रयास करने की जरूरत है। वर्ष 2047 में विकसित भारत के लिए दृष्टिकोण पत्र में यह बात कही गई है। नीति आयोग ने '2047 में विकसित भारत के लिए सोचः एक दृष्टिकोण पत्र' शीर्षक वाले एक पत्र में कहा कि भारत को मध्यम आय के जाल से बचने और इससे बाहर निकलने की दिशा में सावधानी के साथ काम करने की जरूरत है। इसके मुताबिक, ''एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए हमें 2047 तक 30,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का प्रयास करना होगा, जिसमें प्रति व्यक्ति आय 18,000 अमेरिकी डॉलर सालाना हो।'' दृष्टिकोण पत्र के मुताबिक, ''सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को आज के 3,360 अरब अमेरिकी डॉलर से नौ गुना और प्रति व्यक्ति आय को आज के 2,392 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष से आठ गुना बढ़ाना होगा।'' इसमें यह भी कहा गया है कि मध्यम आय से उच्च आय स्तर तक प्रगति करने के लिए 20-30 साल तक 7-10 प्रतिशत की सीमा में लगातार वृद्धि की जरूरत होगी और बहुत कम देश ऐसा करने में सफल रहे हैं।

अगस्त में कुछ ही दिन खुलेंगे बैंक, हर राज्य में इतने दिन रहने वाले है छुट्टी

नई दिल्ली। भारत में सभी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंक रविवार, दूसरे और चौथे शनिवार, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय छुट्टियों सहित 13 दिनों के लिए बंद रहेंगे। विभिन्न राज्यों में बैंक अवकाश अलग-अलग होते हैं, जिसके कारण ग्राहकों को अपनी निकटतम बैंक शाखा से अवकाश की पूरी सूची की पुष्टि कर लेनी चाहिए। राज्य की छुट्टियों की सूची के आधार पर, बैंक केर पूजा, टेंडोंग लो रम फात, देशभक्त दिवस, स्वतंत्रता दिवस/पारसी नव वर्ष (शहंशाही), रक्षा बंधन/झूलाना पूर्णिमा/बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर के जन्मदिन के अवसर पर बंद रहेंगे। श्री नारायण गुरु जयंती, जन्माष्टमी (श्रावण वद-8)/कृष्ण जयंती।

अगस्त 2024 में बैंक की छुट्टी

3 अगस्त- केर पूजा के कारण अगरतला में बैंक बंद रहेंगे।

8 अगस्त- टेंडोंग लो रम फात के लिए सिक्किम में बैंक बंद हैं।

13 अगस्त- देशभक्त दिवस के अवसर पर मणिपुर में बैंक बंद रहेंगे।

15 अगस्त- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत में सभी बैंक बंद रहेंगे।

19 अगस्त- त्रिपुरा, गुजरात, उड़ीसा, उत्तराखंड, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे।

20 अगस्त- श्री नारायण गुरु जयंती के अवसर पर केरल में बैंक बंद रहेंगे।

26 अगस्त- जन्माष्टमी के अवसर पर गुजरात, उड़ीसा, चंडीगढ़, तमिलनाडु, उत्तराखंड, सिक्किम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, जम्मू, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मेघालय, हिमाचल प्रदेश और श्रीनगर में बैंक बंद हैं।

भगौड़े विजय माल्या की मुश्किलें बढ़ी, SEBI ने ले लिया बड़ा एक्शन, लग गया प्रतिबंध

नई दिल्ली। भारत से भगेड़े कारोबारी विजय माल्या की मुश्किलें एक बार फिर से बढ़ गई है। इस बार भारत के बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विजय माल्या के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। सेबी ने एक आदेश जारी कर भगोड़े कारोबारी विजय माल्या पर तीन साल तक प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने पर रोक लगा दी है। यह कार्रवाई इस निष्कर्ष के बाद की गई है कि माल्या ने अपनी पहचान छिपाने के लिए जटिल लेनदेन के माध्यम से भारतीय प्रसेबी की मुख्य महाप्रबंधक अनीता अनूप के अनुसार, यूनाइटेड ब्रुअरीज के पूर्व प्रमुख और यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) के बहुलांश शेयरधारक माल्या ने अपनी कंपनियों के शेयरों का अप्रत्यक्ष रूप से व्यापार करने की योजना बनाई थी। ये लेनदेन विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) मार्ग का उपयोग करते हुए यूबीएस एजी लंदन के बैंक खातों के माध्यम से किए गए।

विदेशी निवेशकों ने जुलाई में निवेश किए 52,910 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 26 जुलाई तक भारतीय इक्विटी और डेट में 52,910 करोड़ रुपये का निवेश किया है। पिछले कुछ महीनों से एफपीआई भारतीय शेयर बाजार में लगातार खरीदारी कर रहे हैं। हाल ही में आए केंद्रीय बजट 2024-25 में इक्विटी बाजार में स्थिरता बढ़ाने पर फोकस किया गया है। नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई की ओर से इस महीने की शुरुआत से अब तक (26 जुलाई तक) इक्विटी में 33,688 करोड़ रुपये और डेट में 19,222 करोड़ रुपये निवेश किए जा चुके हैं। इस वर्ष की शुरुआत से अब तक एफपीआई द्वारा इक्विटी में 36,888 करोड़ रुपये और डेट में 87,846 करोड़ रुपये निवेश किए जा चुके हैं। एनालिस्ट का कहना है

कि भारतीय शेयर में रिटेल निवेशक लगातार खरीदारी कर रहे हैं। वहीं, विदेशी निवेशक भी अब वापस लौट आए हैं, जिससे शेयर बाजार में सेंटीमेंट सकारात्मक बना हुआ है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सरकार की ओर से बजट में अप्रत्यक्ष करों के नियमों को आसान बनाया गया है। बजट में शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन टैक्स (एसटीसीजी) को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स (एलटीसीजी) को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया है।

पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स की ओर से कहा गया कि कैपिटल गेन टैक्स बढ़ाने से छोटी अवधि में बाजार पर प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन लंबी अवधि में इसका इनफ्लो पर भी कोई असर नहीं होगा।

बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे अर्थव्यवस्था को बड़ा बूस्ट मिलेगा।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 8.2 प्रतिशत थी।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सावन के दूसरे सोमवार के दिन भी सोना और चांदी के भाव में गिरावट आई है। आज की गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट 69,140 रुपये से लेकर 68,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 63,390 रुपये से लेकर 63,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना 70 हजार रुपये के ऊपर और 22 कैरेट सोना 64 हजार रुपये के ऊपर बना हुआ है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी आज गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 84,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 69,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 63,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 68,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 70,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 64,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 69,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 63,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 68,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 69,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 63,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। व

प्रदेश की अधिकांश सरसों तेल मिलों में उत्पादन ठप

एजेंसी

जयपुर। मस्टर्ड ऑयल प्रॉड्यूशर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (मोपा) ने कहा है कि राजस्थान में सरसों पर मंडी टैक्स एवं किसान कल्याण सैस होने के कारण प्रदेश की अधिकांश तेल मिलें बंद हो गई हैं तथा राज्य सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। लिहाजा सरकार को उक्त दोनों प्रकार के टैक्स को तुरंत प्रभाव से हटा देना चाहिए। मोपा अध्यक्ष बाबूलाल डाटा तथा मंत्री कृष्ण कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हाल ही ज्ञापन देकर बताया कि राजस्थान में मंडी टैक्स होने के कारण राजस्थान में उत्पादित सरसों पड़ौसी राज्य उत्तर प्रदेश एवं हरियाणा जा रही है। क्योंकि उक्त राज्यों में बाहर से सरसों लाने पर उद्योगों पर कोई मंडी टैक्स नहीं है। ध्यान रहे राजस्थान में सरसों पर एक फीसदी मंडी टैक्स एवं पचास पैसे किसान कल्याण सैस है। इसके साथ ही राजस्थान में अन्य राज्यों से सरसों लाने पर एक फीसदी

मंडी शुल्क एवं पचास पैसे किसान कल्याण सैस भी देना होता है। डाटा ने कहा कि इस वजह से राजस्थान में उत्पादित सरसों राज्य से बाहर जा रही है। इससे सबसे बड़ा नुकसान राज्य सरकार को पांच फीसदी जीएसटी का हो रहा है। मंडी शुल्क एवं किसान कल्याण सैस के कारण राजस्थान की सरसों तेल मिलें लगातार बंद होती जा रही हैं तथा श्रमिक भी बेरोजगार हो रहे हैं।

भारत-सऊदी अरबः टास्क फोर्स की पहली बैठक में सरकारी-निजी व रिफाइनिंग में निवेश पर मंथन; शीर्ष अधिकारी रहे मौजूद

एजेंसी

जयपुर। भारत और सऊदी अरब ने निवेश के विभिन्न अवसरों पर उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की पहली बैठक की। रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल संयंत्रों, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा तथा बिजली सहित सार्वजनिक और निजी क्षेत्र समेत विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय निवेश के विभिन्न अवसरों पर उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की पहली बैठक की। भारत-सऊदी अरब की उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में लाभकारी तरीके से दोतरफा निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपायों की समीक्षा की गई। इस बैठक की सह-अध्यक्षता प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और सऊदी ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद ने वर्चुअल मोड में की। प्रधानमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार दोनों पक्षों ने टास्क फोर्स की तकनीकी टीमों के बीच हुई बातचीत की समीक्षा हुई। इस बैठक में रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल संयंत्रों, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली, दूरसंचार, नवाचार सहित सार्वजनिक

और निजी क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय निवेश के विभिन्न अवसरों पर रचनात्मक चर्चा हुई।

दरअसल, उच्च स्तरीय टास्क फोर्स एक विशेष निकाय है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और क्राउन प्रिंस तथा प्रधानमंत्री हिज रॉयल हाइनेस प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद द्वारा सितंबर 2023 में भारत की राजकीय यात्रा के दौरान लिए गए निर्णय के बाद द्विपक्षीय निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए बनाया गया है। इसमें दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, जिनमें नीति आयोग के सीईओ, भारत के आर्थिक मामलों, वाणिज्य, विदेश मंत्रालय, डीपीआईआईटी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली के सचिव शामिल हैं।

सीआईएस देशों में भारत का कपड़ा निर्यात 113 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत की ओर से स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) रीजन (रूस, आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान) को किए जाने वाला कपड़ा निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 113.33 प्रतिशत बढ़कर 64 मिलियन डॉलर हो गया है, जो कि एक वर्ष पहले समान अवधि में 30 मिलियन डॉलर था। यह जानकारी वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों में मिली। मंत्रालय के डेटा के मुताबिक, भारत का कपड़ा निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 4.15 प्रतिशत बढ़कर 8.78 अरब डॉलर हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में 8.43 अरब डॉलर था। भारत के कपड़ा और परिधान

उद्योग का जीडीपी में योगदान 2.3 प्रतिशत है। वहीं, इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन में 13 प्रतिशत और निर्यात में 12 प्रतिशत का योगदान है।

भारत कपड़ा और परिधान में दुनिया का छठा सबसे बड़ा निर्यातक देश है। सीआईएस देशों के साथ दक्षिण एशियाई देशों में भी भारत के कपड़े की मांग बढ़ी है और यह 35.65 प्रतिशत बढ़कर 898 मिलियन डॉलर हो गई है। जानकारों का कहना है कि भारत के कपड़ा निर्यात में बढ़त की वजह अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक माहौल बनना है। साथ ही इसकी एक प्रमुख वजह चीन और बांग्लादेश के ऊपर भारत को खरीदारों द्वारा तरजीह देना भी है। दक्षिण अमेरिकी देशों में भी भारत में बने कपड़े का निर्यात चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 15 प्रतिशत बढ़कर 346 मिलियन डॉलर हो गया है। हालांकि, इस दौरान उत्तर पूर्व एशिया (एनईए) और अफ्रीका में भारतीय कपड़े का निर्यात क्रमशः 28 प्रतिशत घटकर 298 मिलियन डॉलर और 15.74 प्रतिशत घटकर 423 मिलियन डॉलर हो गया है। इसकी वजह बाजार से जुड़ी चुनौतियों को माना जा रहा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने

सोमवार को पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये,डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.14 डॉलर यानी 0.17 फीसदी की गिरावट के साथ 81.27 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.01 डॉलर यानी 0.01 फीसदी फिसलकर 77.17 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

वित्त मंत्री सदन में पेश करेंगी जम्मू और कश्मीर विनियोग विधेयक, प्रदेश के खर्चों पर ली जाएगी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में जम्मू और कश्मीर विनियोग विधेयक, 2024 पेश करेंगी। निर्मला सीतारमण वित्तीय वर्ष 2024-25 की सेवाओं के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की संचित निधि से कुछ राशियों के भुगतान और विनियोग को अधिकृत करने के लिए एक विधेयक पेश करने की अनुमति के लिए प्रस्ताव रखेंगीं। इसे सोमवार की लोकसभा की कार्यवाही की सूची में रखा गया है। जम्मू और कश्मीर विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2024 का उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2024-25 की सेवाओं के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की समेकित निधि से कुछ राशियों के भुगतान और विनियोग को अधिकृत करना है। सदन के जारी किए गए एजेंडे के अनुसार, 23 जुलाई को पेश केंद्रीय बजट 2024-25 पर चर्चा सोमवार को संसद के दोनों

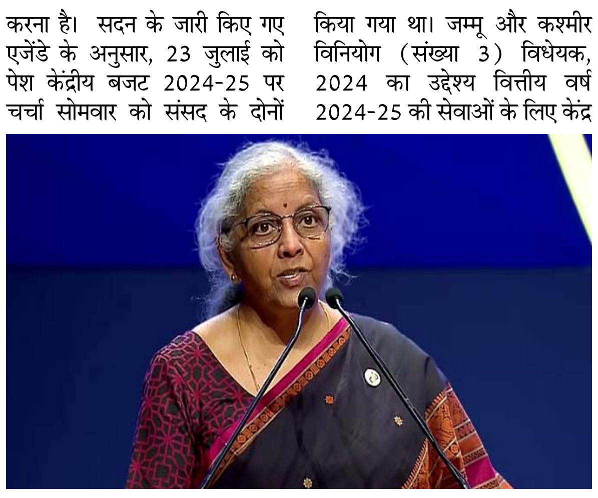

सदनों में जारी रहेगी। जम्मू-कश्मीर के बजट 2024-25 पर भी चर्चा जारी रहेगी, इसे भी मंगलवार को पेश किया गया था। जम्मू और कश्मीर विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2024 का उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2024-25 की सेवाओं के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की समेकित निधि से कुछ राशियों के भुगतान और विनियोग को अधिकृत करना है। सदन के जारी किए गए एजेंडे के अनुसार, 23 जुलाई को पेश केंद्रीय बजट 2024-25 पर चर्चा सोमवार को संसद के दोनों सदनों में जारी रहेगी। जम्मू-कश्मीर के बजट 2024-25 पर भी चर्चा जारी रहेगी, उसे भी मंगलवार को पेश किया गया था। इस बीच, केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री, रक्षा निखिल खडसे ओलंपिक खेलों की तैयारी पर सदन में जवाब देंगी। वह ÷खेल विभाग से संबंधित अनुदान मांगों (2021-2022) पर समिति की 325वीं रिपोर्ट में निहित सिफारिशों/टिप्पणियों पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई पर शिक्षा, महिला, बच्चों, युवाओं और खेल संबंधी स्थायी समिति की 332वीं रिपोर्ट में निहित सिफारिशों के कार्यान्वयन की स्थिति की जानकारी देंगी।

कोलगेट-पामोलिव को 248.74 करोड़ का टैक्स नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। आय कर विभाग ने कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड को ट्रांसफर प्राइसिंग से जुड़े मामले में 248.74 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है। एफएमसीजी कंपनी कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड (सीपीआईएल) के प्रमुख ने कहा कि अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष आदेश को चुनौती देंगे। यह कंपनी दांतों की देखभाल के क्षेत्र में काम करती है। वित्त वर्ष 2023-24 में सीपीआईएल की शुद्ध बिक्री 5,644 करोड़ रुपये थी। कंपनी की ओर से एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, नोटिस 26 जुलाई को मिला। ट्रांसफर प्राइसिंग से संबंधित मुद्दों के लिए आयकर की मांग 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए है। सीपीआईएल ने कहा कि मांग राशि में 79.63 करोड़ रुपये की ब्याज राशि शामिल है। सीपीआईएल ने कहा कि इस आदेश के कारण कंपनी के वित्तीय संचालन या अन्य गतिविधियों पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह मांग मुख्य

रूप से स्थानांतरण मूल्य-संबंधी मुद्दों के कारण की गई है।

रिफंड पाने के लिए बढ़ा-चढ़ाकर, फर्जी दावे करना दंडनीय अपराध : आयकर विभाग

आयकर विभाग ने कहा कि आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले खर्चों के लिए फर्जी दावे न करें और न ही आय को कम बताएं या कटौतियों को बढ़ा-चढ़ाकर न बताएं क्योंकि ऐसा करना दंडनीय अपराध है। ऐसा करने से रिफंड जारी करने में भी देरी होती है। आकलन वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। आयकर विभाग और उसके प्रशासनिक निकाय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अनुसार 26 जुलाई तक पांच करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए जा चुके हैं। हाल ही में एक सार्वजनिक संदेश में आयकर विभाग ने करदाताओं से समय पर रिफंड पाने के लिए अपना रिटर्न सही तरीके और सही समय से दाखिल करने को कहा। विभाग ने कहा कि रिफंड के दावे सत्यापन जांच के अधीन हैं, जिससे देरी हो सकती है। आईटीआर की सही फाइलिंग से रिफंड की प्रक्रिया शीघ्र हो जाती है। किए गए दावों में कोई भी विसंगति होने पर संशोधित रिटर्न (करदाता की ओर से दाखिल किया जाने वाला) के लिए अनुरोध किया जाएगा। विभाग ने लोगों से गलत स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) राशि का दावा नहीं करने, अपनी आय को कम करके नहीं दिखाने या कटौती को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताने या फर्जी खर्चों के लिए दावे पेश नहीं करने के लिए आगाह किया। विभाग ने कहा कि करदाताओं के दावे सही और सटीक होने चाहिए। झूठा या फर्जी दावा दायर करना दंडनीय अपराध है।

नियमों का उल्लंघन करने वाले तीन भुगतान प्रणाली संचालकों पर आरबीआई की कार्रवाई, लगाया लाखों का जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भुगतान प्रणाली संचालकों (पीएसओ) वीजा वर्ल्डवाइड, ओला फाइनेंशियल सर्विसेज और मनप्पुरम फाइनेंस पर जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना, नियामक अनुपालन में खामियों को लेकर लगाया गया है।

किस पर लगा कितना जुर्माना?

आरबीआई द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि केवाईसी के वर्ष 2016 के दिशानिर्देशों के कुछ प्रावधानों का अनुपालन न करने के लिए मनप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड पर 41.50 लाख का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा ओला फाइनेंस सर्विसेज पर 33.40 लाख का जुर्माना लगाया गया है। आदेश में आगे लिखा गया है कि प्रीपेड भुगतान उपकरण और बिना कार्ड के लेनदेन से जुड़े कुछ प्रावधानों के उल्लंघन के लिए दो भुगतान प्रणाली संचालकों (पीएसओ), ओला फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और वीजा वर्ल्डवाइड पर भी जुर्माने के आदेश

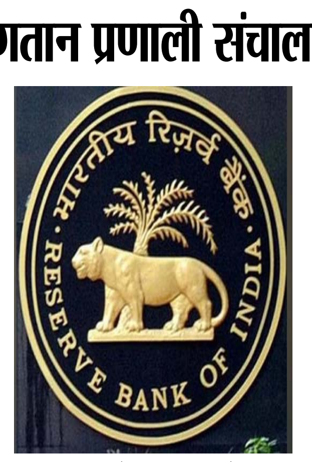

जारी किए गए हैं। बताया गया है कि इन दोनों पीएसओ ने प्रीपेड पेमेंट उपकरणों के इस्तेमाल के लिए जारी दिशा निर्देशों का उल्लंघन किया है। इसके अलावा बिना कार्ड के लेनदेन से जुड़े नियमों का भी उल्लंघन किया गया है। इसके एवज में ओला फाइनेंशियल प्राइवेट लिमिटेड पर 54.15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा वीजा वर्ल्डवाइड लिमिटेड पर 240.75 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

आरबीआई ने जारी किया था नोटिस

आगे बताया गया है कि मनप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड और ओला फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने केवाईसी को लेकर आरबीआई के दिशा निर्देशों का उल्लंघन किया है। आरबीआई द्वारा इससे पहले दोनों पीएसओ को नोटिस जारी किया गया था। इसमें पूछा गया था कि आखिर क्यों दोनों पीएसओ पर जुर्माना न लगाया जाए? दोनों पीएसओ के लिखित जवाब के बाद आरबीआई ने यह फैसला लिया कि दोनों पर जुर्माना लगाया जाएगा।

वीजा वर्ल्डवाइड प्राइवेट लिमिटेड पर इसलिए लगा जुर्माना

आगे बताया कि वीजा वर्ल्डवाइड प्राइवेट लिमिटेड लेन देन से जुड़े एक प्रमाणीकरण समाधान को बिना आरबीआई की अनुमति के लागू कर दिया था। इस वजह से इकाई को आरबीआई द्वारा एक नोटिस जारी किया गया और पूछा गया कि आखिर क्यों जुर्माना न लगाएं? इसके बाद वीजा वर्ल्डवाइड प्राइवेट लिमिटेड के जवाब से आरबीआई को संतुष्टि नहीं मिली। इस वजह से इकाई पर जुर्माना लगाया गया।

विस्तारा एयरलाइन्स अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में देगी खास सुविधा, अब यात्रियों को फ्री में मिलेगा वाईफाई

नई दिल्ली। विस्तारा एयरलाइन्स ने अपने यात्रियों को शानदार सुविधा देने के उद्देश्य से खास पेशकश की है। विस्तारा एयरलाइंस में यात्रा करने वाले यात्रियों को अब प्लेन में वाईफाई की सुविधा मिलेगी। ये सुविधा यात्रियों को फ्री में दी जाएगी। वाईफाई उपयोग करने के लिए यात्रियों को किसी तरह का भुगतान नहीं करना होगा। कंपनी ने कहा कि यह सेवा उसके बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर और एयरबस A321neo विमानों द्वारा संचालित उड़ानों में सभी केबिन वर्गों में उपलब्ध है। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच एक संयुक्त उद्यम विस्तारा यह सुविधा प्रदान करने वाली पहली भारतीय एयरलाइन है। निःशुल्क वाई-फाई एक्सेस ग्राहकों को कनेक्टेड रहने में सक्षम बनाता है और यह उन लोगों के लिए आदर्श है जो भारतीय क्रेडिट या डेबिट कार्ड का उपयोग करके विस्तारित वाई-फाई प्लान खरीदना चाहते हैं। यह सेवा ग्राहकों को ईमेल के माध्यम से वन-टाइम पासवर्ड प्राप्त करने की अनुमति देती है, जिससे सक्रिय सत्र के दौरान विस्तारित इन-फ़्लाइट वाई-फाई सेवाओं की खरीद की सुविधा मिलती है।

सावधान! अगर आप भी सुबह उठते ही सबसे पहले पीते हैं दूध की चाय, तो अनजाने में दे रहे हैं कई समस्याओं को न्यौता

चाय भी कोई ऐसा जो जिसे चाय पीना पसंद नहीं। हमारे यहां चाय पीने वालों की कमी नहीं है। यहां लोग किसी भी समय चाय पीने को तैयार रहते हैं। कुछ लोगों को तो चाय की ऐसी लत होती है कि वह सुबह उठते ही चाय पीते हैं। हालांकि स्वादिष्ट लगने वाली यह चाय सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। जानते हैं इसके कुछ नुकसान।

हमारे यहां चाय पीने के शौकीन लोगों की कमी नहीं है। यहां लोगों के दिन की शुरुआत चाय से होती है और दिन खत्म भी चाय की प्याली के साथ ही होता है। कुछ लोगों को तो चाय की ऐसी आदत होती है कि सोकर उठते ही बेड टी पीते हैं। दूध, चीनी, चायपत्ती और अदरक या इलायची से बनी मिल्क टी स्वाद में भले ही बेहतरीन होती है, लेकिन यह सेहत को काफी नुकसान पहुंचाती है। दूध से बनी ये चाय बहुत ही एडिक्टिव होती है, जिससे बार-बार इसे पीने का मन करता है। हालांकि, शरीर के अंदर जाने पर दूध की चाय सेहत को ढेरों नुकसान पहुंचा सकती है। आइए जानते हैं दूध की चाय के नुकसान-

ब्लोटिंग

चाय में कैफीन मौजूद होता है, जिससे ब्लोटिंग की समस्या उत्पन्न हो सकती है। दूध और कैफीन के मिश्रण से गैस प्रोडक्शन होने लगता है, जिससे ब्लोटिंग महसूस होता है।

कब्ज

चाय में थिओफाइलिन पाया जाता है जो शरीर में डिहाइड्रेशन करने के साथ कब्ज की शिकायत पैदा करता है। इसलिए अधिकतर छोटे बच्चों को दूध में मिलने वाले प्रोटीन से सेंसिटिविटी महसूस होती है, जिससे कब्ज की शिकायत होती है।

पोषक तत्वों की कमी

दूध और चायपत्ती मिल कर कई पोषक तत्वों को एब्जॉर्ब होने से रोकते हैं, जिससे शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। इससे खास आयरन और जिंक की कमी होती है।

चाय के असर को करे कम

चाय में एक फ्लेवोनॉयड पाया जाता है, जिसे कैटेचिन कहते हैं, ये हार्ट के लिए फायदेमंद माना जाता है, लेकिन एक स्टडी के अनुसार दूध में पाए जाने वाला एक प्रोटीन का ग्रुप चायपत्ती के साथ मिलने पर कैटेचिन की डेंसिटी को कम करता है।

इनसोम्निया

दूध की चाय में मौजूद कैफीन स्लीप साइकिल को बाधित करता है, जिससे रात में नींद नहीं आती है और इनसोम्निया से जूझना पड़ सकता है।

वजन बढ़ना

दूध की चाय में मौजूद फुल फैट मिल्क और चीनी के कारण वजन तेजी से बढ़ता है।

अन्य समस्याएं

अन्य समास्याओं में दूध की चाय का सेवन करने से सिरदर्द, एसिडिटी, उल्टी, मितली,भूख न लगना, एंग्जायटी जैसे लक्षण भी महसूस हो सकते हैं।

पीएसयू बैंकों के फील गुड से परे देखना

बैंक सीधे उधार देने के बजाय सह-उधार या अप्रत्यक्ष उधार का सहारा लेने के लिए प्रेरित होते हैं। उत्पादों और सेवाओं में नवाचार के नाम पर, एसबीआई ने ऋ्रण का असाइनमेंट पोर्टफोलियो की बिक्री-खरीद आदि जैसे विभिन्न उपकरण पेश किए हैं ताकि बैंक ओवरहेड लागतों को बचाने के लिए प्रत्यक्ष उधार से बच सकें। यह सब लागत को कम करने में मदद करता है लेकिन अंततः ग्राहक ही भुगतान करता है। सेवा शुल्क में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है, साथ ही उन सेवाओं पर भी शुल्क लगाया गया है जो पारंपरिक रूप से मुफ्त थीं।

रोजगार सृजन और मध्यम व छोटे उद्योगों (एमएसएमई) को रोजगारों का प्रमुख प्रदाता बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण में कहा गया कि %पीएसयू बैंक बाहरी मूल्यांकन पर निर्भर रहने के बजाय एमएसएमई को ऋ्रण देने के लिए अपनी क्षमता का निर्माण करेंगे।% यह स्पष्ट है कि बैंकों पर एमएसएमई को ऋण देने में वृद्धि करने का दबाव होगा; उन्हें नए ऋ्रण मूल्यांकन मॉडल बनाने के लिए कहा गया है, जैसा कि वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में उल्लेख किया है। इसके अलावा सरकार चाहती है कि बैंक बढ़ी हुई सीमा के साथ मुद्रा ऋण दें। हालांकि इस योजना ने खुद कई सवाल खड़े किए हैं और इसके परिणामों को संदिग्ध माना जाता है।यह हमें उस लंबी कहानी की ओर ले जाता है कि सरकार को बैंकिंग प्रणाली, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की किस प्रकार आवश्यकता है और वह उनका किस प्रकार उपयोग करती है, तथा उसने इन बैंकों के साथ क्या किया है।बैंकों को मुनाफा कमाना चाहिए लेकिन मुनाफा ही बैंकिंग का एकमात्र उद्देश्य नहीं हो सकता। हमें सामाजिक लाभ को मापना भी सीखना होगा।

अभी भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग %फील गुड% के दौर से गुजर रही है। 2024 में पीएसयू बैंकों ने 2019 में 0.82 लाख करोड़ रुपये के घाटे के मुकाबले 1.47 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। प्रतिशत के लिहाज से सकल एनपीए 2019 में 12.03 प्रतिशत से घटकर 2024 तक 3.49 फीसदी हो गया है, जबकि शुद्ध एनपीए 4.95 प्रतिशत से घटकर 0.75 फीसद हो गया है। पिछले वर्ष की तुलना में 2020 में कारोबार में वृद्धि 5.46 प्रतिशत थी, जबकि 2024 में यह 2023 के मुकाबले 12.06 प्रश है। एकमात्र चिंता बाजार हिस्सेदारी है जो 2019 में 71.1 प्रतिशत थी और 2024 में घटकर 64.40 फीसदी हो गई है।

इसका मतलब है कि निजी क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 28.90 फीसदी से बढ़कर 35.60 प्रतिशत हो गई है और इसके भीतर नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 2019 में 23.78 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 31.02 फीसद हो गई है। इस अवधि के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की

बाजार हिस्सेदारी 6.70 प्रतिशत कम हो गई है जो बैंक ऑफ बड़ौदा की बाजार हिस्सेदारी से अधिक है- 6.49 प्रतिशत। इस प्रकार स्पष्ट है कि किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक का निजीकरण किए बिना बैंक ऑफ बड़ौदा के आकार के बराबर बैंकिंग व्यवसाय का निजीकरण हो गया है।

हम जो देख रहे हैं वह नियामक यानी भारतीय रिजर्व बैंक और मालिक यानी भारत सरकार द्वारा एक साथ नीतिगत नुस्खों की अभिव्यक्ति है। इस अवधि के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में विलय के कारण एक बड़ा व्यवधान आया। 2019 में देना बैंक और विजया बैंक का बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय कर दिया गया जबकि 2020 में एक बड़ा विलय हुआ जिसमें छह बैंक समाप्त विलीन हो गए। इस विलय के परिणामस्वरूप सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की शाखाओं की संख्या 2019 के 89,870 से घटकर 2024 में 87,009 हो गई।यानी 2,861 शाखाएं कम हुई जबकि निजी क्षेत्र के बैंकों के मामले में यह संख्या 2019 में 27,380 से बढ़कर 38,216 हो गई। यानी 10,838 शाखाएं बढ़ीं। इस प्रकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की शाखाओं की हिस्सेदारी 2019 में 76.65 प्रतिशत से घटकर 2024 में 69.48 फीसदी हो गई है, जबकि निजी क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी 23.35 फीसद से बढ़कर 30.52 प्रतिशत हो गई है और इसके भीतर नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी 16.95 फीसदी से बढ़कर 23.87 प्रतिशत हो गई है। यह एक कारण है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने निजी क्षेत्र के बैंकों के मुकाबले बाजार हिस्सेदारी खो दी है।

2020 में भारतीय स्टेट बैंक को नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के यस बैंक को संकटग्रस्त बैंक में 11,760 करोड़ रुपए यानी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी डालकर उसे बचाने के लिए कहा गया था। 2017-18 में, इसने 6,547 रुपए करोड़ का घाटा और 2018-19 में 862.23 करोड़ रुपए का मामूली लाभ दर्ज किया था। 2020 में यस बैंक में 11,760 करोड़ रुपए का निवेश करने के बावजूद, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 14,487 करोड़ रुपए का प्रभावशाली लाभ दर्ज करने में सक्षम था। सरकार ने, जो निजीकरण की वकालत कर रही थी और बाजार अर्थशास्त्र की भाषा बोल रही थी, स्वयं स्टेट बैंक को बीमार यस बैंक को बचाने के लिए मजबूर किया लेकिन स्टेट बैंक को 51 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए थोड़ा और निवेश करने की अनुमति नहीं दी। सरकार के विचार में यह कदम अनुत्पादक तथा आत्मघाती साबित होता क्योंकि सरकार तथाकथित सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।बैंक सीधे उधार देने के बजाय सह-उधार या अप्रत्यक्ष उधार का सहारा लेने के लिए प्रेरित होते हैं। उत्पादों और सेवाओं में नवाचार के नाम पर, एसबीआई ने ऋण का असाइनमेंट पोर्टफोलियो की बिक्री-खरीद आदि जैसे विभिन्न उपकरण पेश किए हैं ताकि बैंक ओवरहेड लागतों को बचाने के लिए प्रत्यक्ष उधार से बच सकें। यह सब लागत को कम करने में मदद करता है लेकिन अंततः ग्राहक ही भुगतान करता है। सेवा शुल्क में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है, साथ ही उन सेवाओं पर भी शुल्क लगाया गया है जो पारंपरिक रूप से मुफ्त थीं।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि इस अवधि में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से केवल बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 2019 में 1.15 प्रश से 2024 में 1.32 फीसदी तक अपनी बाजार हिस्सेदारी देखी। यह बैंक घाटे से मुनाफे में आने वाले सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से पहला था और प्रदर्शन के लगभग सभी मापदंडों में शीर्ष स्थान पर है। इस प्रकार इस बैंक ने साबित कर दिया है कि आकार मायने नहीं रखता। यह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में विलय करके बड़े बैंक बनाने की आत्मघाती नीति का प्रमाण है, मानों आकार ही समस्याओं का समाधान कर सकता है।

सरकार पीएसयू बैंकों की तुलना निजी क्षेत्र के बैंकों से करती है; लेकिन वह उम्मीद करती है कि पीएसयू बैंक अपनी सभी योजनाओं और नीतियों के कार्यान्वयन में सबसे आगे रहें और उन्हें दूरदराज के इलाकों तक पहुंचाएं। यह पीएसयू बैंकों को आर्थिक दृष्टि से घाटे में चलने के लिए मजबूर करता है लेकिन लाभ यह है कि पीएसयू बैंक सामाजिक दृष्टि से लाभ कमा रहे हैं। लेखा लाभ बनाम सामाजिक लाभ एक पुराना विरोधाभास है।

तत्कालीन आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन के कहने पर एसेट क्वालिटी इंस्पेक्शन के परिणामस्वरूप सार्वजनिक बैंकों के व्यवसाय मॉडल में बड़ा बदलाव आया है। घाटे में चल रही इकाई से लाभ कमाने वाली इकाई में बदलने के लिए जमा या अग्रिम पर ब्याज दर में बदलाव करने की बहुत कम गुंजाइश थी। उन बैंकों के पास एकमात्र विकल्प प्रशासनिक लागत को कम करना था। इसके साथ सरकारी बैंकों ने बड़े पैमाने पर आउटसोर्सिंग और संविदा रोजगार का सहारा लिया। इन सबने कर्मचारियों की लागत को कम करने में मदद की है, लेकिन इसने सिस्टम को उजागर कर दिया है जिसके परिणामस्वरूप परिचालन धोखाधड़ी का बड़ा जोखिम है।

यह सब लागत को कम करने में मदद करता है, लेकिन अंततः ग्राहक ही भुगतान करता है। सेवा शुल्क में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है, साथ ही उन सेवाओं पर भी शुल्क लगाया गया है जो पारंपरिक रूप से मुफ्त थीं। इस प्रकार अब कम निवल मूल्य वाले ग्राहक जिन्हें जन धन के कार्यान्वयन के साथ बैंकिंग के दायरे में लाया गया था, उन्हें सेवाओं के लिए लागत का भुगतान करना पड़ रहा है और परिणामस्वरूप अब वे इसे छोड़ रहे हैं। अब समय आ गया है कि सरकार भारत में बैंकिंग की भूमिका और जिम्मेदारी पर अपना रुख स्पष्ट करे, जो अभी भी गरीबी, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता से जूझ रही एक विकासशील अर्थव्यवस्था है। बैंकों को लाभ दर्ज करना चाहिए लेकिन लाभ बैंकिंग का एकमात्र उद्देश्य नहीं हो सकता। हमें सामाजिक लाभ को मापना भी सीखना होगा।

संपादकीय

केंद्र को झटका

खनिज करों पर फैसला राज्यों के हक में

आखिरकार केंद्र और राज्यों के बीच अधिकारों की कानूनी लड़ाई तार्किक परिणति तक पहुंच ही गई है। देश की शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया है कि किसी भी राज्य के खनिजों पर देय रॉयल्टी एक कर नहीं है। साथ ही स्पष्ट किया कि राज्यों के पास खानों, खनिजों और खनिज-युक्त भूमि पर कर लगाने की विधायी क्षमता निर्धारित है। दरअसल, इस सारे विवाद के मूल में खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 रहा है।

इस अधिनियम का हवाला देते हुए केंद्र सरकार की दलील थी कि केवल संसद ही खनिजों पर कर लगा सकती है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने इस बाबत फैसला सुनाया कि कानून राज्यों को खानों और खनिज विकास पर कर लगाने से प्रतिबंधित नहीं करता है। निश्चित रूप से इस फैसले से प्राकृतिक संपदा से संपन्न गरीब राज्यों मसलन झारखंड और ओडिशा को विशेष रूप से लाभ होने की उम्मीद जगी है। ये राज्य केंद्र द्वारा खानों और खनिजों पर लगाये गए हजारों करोड़ों रुपये के करों की वसूली की मांग करते रहे हैं। निस्संदेह, यदि केंद्र सरकार राज्यों की माली हालत के मद्देनजर उनकी जरूरतों तथा आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील होती तो निश्चित रूप से इस विवाद को बातचीत के जरिये सुलझाया भी जा सकता था। जब लंबे समय तक इस मामले का निस्तारण नहीं हो सका तो अन्ततः देश की शीर्ष अदालत को गतिरोध तोड़ने के लिये हस्तक्षेप करना ही पड़ा। इसमें दो राय नहीं है कि केंद्र और राज्यों के बीच कई मुद्दों पर टकराव कोई नई बात नहीं है। लेकिन देखने में आया है कि हाल के वर्षों में यह विवाद आम बात हो चला है।

निश्चित रूप से किसी भी राष्ट्र की संघीय व्यवस्था के लिये ये टकराव व विवाद कोई शुभ संकेत तो कदापि नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं कि कुछ मुद्दे सहमति, सामंजस्य और संवेदनशीलता से भी सुलझाए जा सकते हैं। जिससे राज्यों के आर्थिक संकट को भी दूर किया जा सकता है।दरअसल, इस बात पर गंभीर विमर्श की जरूरत है कि हाल के वर्षों में केंद्र-राज्यों के बीच कलह के मामले लगातार क्यों बढ़ते जा रहे हैं। निस्संदेह, इस टकराव के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। इस विवाद को हाल में संसद में प्रस्तुत आम बजट के परिप्रेक्ष्य में भी देखा जा सकता है। यही वजह है कि वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में राजग गठबंधन में शामिल बिहार तथा आंध्र प्रदेश के लिये घोषित विशेष पैकेजों ने विपक्ष को गैर भाजपा शासित राज्यों से कथित भेदभाव के आक्षेपों के साथ सवाल उठाने का मौका दिया है। विपक्ष ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक रूप से पक्षपात वाला बजट बनाने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं कई विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बजट में भेदभाव का आरोप लगाते हुए आगामी 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक में शामिल न होने की बात कही है।

जो कि केंद्र व राज्यों के बीच टकराव की अप्रिय स्थिति को ही दर्शाता है। यदि अतीत के पन्ने पलटें तो वर्ष 1980 के दशक के उत्तरार्ध में, सरकारिया आयोग ने सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के आधार पर सामंजस्यपूर्ण संघ-राज्य संबंधों की जरूरत पर बल दिया था। वहीं दूसरी ओर सरकारिया आयोग ने चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया था कि देश में शक्तियों के अधिक केंद्रीयकरण ने लोगों की समस्याओं का समाधान करने की बजाय उसमें और वृद्धि कर दी है। केंद्र सरकार के लिये बेहतर होगा कि आयोग की रिपोर्ट पर पड़ी धूल को साफ करके उसका बेहद बारीक व संवेदनशील ढंग से अध्ययन करे। इस तरह के आक्षेपों के बीच एक बात तो साफ है कि एक शक्तिशाली केंद्र भारत जैसे विकासशील देश को विकसित भारत में कदापि नहीं बदल सकता है। वहीं केंद्र व राज्यों में सामंजस्य व सहयोग के रिश्ते भारत जैसे संघीय ढांचे वाले देश को निश्चित तौर पर मजबूती ही देंगे। कोर्ट के हालिया फैसले को केंद्र को एक सबक के रूप लेना चाहिए। अन्यथा केंद्र व राज्यों में टकराव का यह अंतहीन सिलसिला बदस्तूर जारी रहेगा।

किसान आंदोलन की समाधान राहें बातचीत से ही खुलेगी

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में वित्त मंत्री ने सरकार की जिन 9 प्राथमिक्ताओं का जिक्र किया उसमें विकसित भारत लिये रोजगार, महंगाई नियंत्रण, कृषि, महिला-युवा विकास के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लिये पहली बार सकारात्मक सोच सामने आयी है। बावजूद इसके विपक्षी दल किसी न किसी बहाने उसका विरोध करते हुए संसद में हंगामा बरपा रहे हैं। सभी क्षेत्रों के लिये न्यायसंगत एवं विकास योजनाओं के बावजूद विरोध होना अतिश्योक्तिपूर्ण है। विपक्षी दल इस आरोप के सहारे बजट का विरोध कर रहे हैं कि उसमें अन्य राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इस विरोध का आधार बिहार और आंध्र प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए विशेष घोषणाएं के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगों को लेकर किसी तरह की घोषणा न करने के मुद्दे हैं। विपक्षी दल किसान आन्दोलन को उग्र करने के प्रयास करेंगे। ऐसा इसलिये भी लग रहा है कि बुधवार को ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नई दिल्ली में मुलाकात करने के बाद किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। संसद सत्र जारी है, ऐसे में किसान आंदोलन को लेकर प्रतिपक्ष सरकार पर हमलावर होगा, एक बार फिर किसान आन्दोलन के उग्र से उग्रतर होने की संभावनाएं हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने किसान-आन्दोलन से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का औचित्यपूर्ण आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि एक 'तटस्थ मध्यस्थ' की आवश्यकता है जो सरकार और किसानों के बीच विश्वास कायम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। प्रश्न है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल न्यायालय के इस महत्वपूर्ण सुझाव को आकार देने की बजाय किसान-आन्दोलन को उग्र करने की मंशा रखते हुए अराजक माहौल ही क्यों बनाना चाहते है? क्यों अव्यवस्था फैलाने चाहते हैं? निश्चित ही शंभू बॉर्डर खोले जाने पर कानून-व्यवस्था को लेकर संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह बात सही है कि शंभू बॉर्डर खोले जाने से आंदोलनरत किसानों के दिल्ली कूच की राह खुल सकती है। आंदोलनरत किसान संगठन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब भी सीमाएं खुलेंगी, किसान ट्रैक्टर ट्रोलियों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें उसे एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू सीमा पर बैरिकेड्स हटाने के लिए कहा गया था जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। न्द्र सरकार एवं विपक्षी दलों को मिलकर इस विकट समस्या का समाधान निकालने के लिये कोई सार्थक प्रयास करने चाहिए। किसानों के भरोसे को जीतने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन नेशनल हाई-वे पर जेसीबी और बख्तरबंद ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत तो इस समस्या का समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की समिति के जरिए बातचीत का जो प्रस्ताव दिया है उस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है। लेकिन दोनों पक्षों को ही आंदोलन खत्म करने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान का रास्ता निकालने की पहल करनी होगी। किसान आंदोलन के उग्र रूप को भी यह देश देख चुका है, भारी नुकसान भी हुआ है। किसानों की समस्याएं अपनी जगह हैं और इनकी आड़ में होने वाली राजनीति अपनी जगह। वैसे भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी जैसे मुद्दों पर समिति के गठन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार पहले ही दे चुकी है। यह बड़ा सच है कि बात करने से ही बात बनती है। बातचीत की हर संभावना का स्वागत किया जाना चाहिए। किसी भी आंदोलन का लंबे वक्त तक जारी रहना सचमुच चिंताजनक है। ऐसे आन्दोलन को उग्र करने की विपक्षी दलों की मानसिकता भी संदेहों एवं अविश्वासों से घिरी है। अच्छा हो कि विपक्षी दल एवं नेता प्रचार पाने के लिए विरोध की बेतुकी रस्म निभाने के बजाय बजट में कृषि क्षेत्र के लिये किये गये बड़े ऐलानों पर गौर करें। सरकार ने एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। इनमें कृषि उत्पादकता को बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए मौसम में बदलाव को बरदाश्त कर सकने वाली फसलों की प्रजातियों को विकसित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए एग्रीकल्चर रिसर्च के बजट को भी बढ़ाया गया है। विपक्षी पार्टियां लगातार किसानों एवं कृषि को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास कर रही हैं। कोई न कोई बहाना चाहिए विरोध का, अब किसान-आन्दोलन के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की जुगत में देश का कितना नुकसान होगा, कहा नहीं जा सकता। जबकि भाजपा सरकार द्वारा भारतीय अर्थ-व्यवस्था की वृद्धि और विकास में कृषि की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इस बजट में कृषि क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया गया है। कृषि में उत्पादकता, किसानों के हितों एवं कृषि की सुदृढ़ता को बढ़ाना बजट द्वारा निर्धारित शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उल्लेखनीय है कि बजट में जो नौ प्राथमिकताएं शामिल है, उनमें कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के लिए करीब 1.52 लाख करोड़ रुपये के आवंटन से खेती-किसानी की दशा-दिशा सुधरने की आस बढ़ी है। विभिन्न फसलों की प्रस्तावित 109 किस्मों से भी उत्पादकता में बढ़ोतरी की उम्मीद है। ये किस्में जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ रही प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं के विरुद्ध कवच का काम करेंगी। दलहन-तिलहन को प्राथमिकता, डिजिटल क्राप सर्वे के अतिरिक्त किसान उत्पादक संघों यानी एफपीओ एवं भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला पर ध्यान देने जैसे उपाय उपज को पहुंचने वाले नुकसान को घटाने एवं कीमतों में स्थायित्व सुनिश्चित करेंगे। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ की बड़ी राशि आवंटित की गई है। भले ही सरकार ने सीधे तौर पर बजट में किसानों की आय बढ़ाने और एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित न किए जाने से किसानों को निराशा हुई हो लेकिन बजट में तिलहन में आत्मनिर्भरता, सब्जी उत्पादन केन्द्र विकसित करने और खेती के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की बात कही गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बजट से आने वाले समय में एग्रीकल्चर सेक्टर की विकास की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी जो सीधे तौर पर किसानों की आय भी बढ़ायेगा एवं उन्नत कृषि को प्रोत्साहन भी देगा।

असल में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगें राजनीतिक मुद्दे बन गये हैं, जिनके चलते हो रहा आन्दोलन न केवल किसानों के बल्कि आम जनता के लिये भी परेशानी का सबब है। जबकि सरकार ने धान का उत्पादन करने वाले किसानों के लिए एमएसपी को बढ़ा कर 2300 कर दिया है जो स्वागत योग्य कदम है। उम्मीद थी की सरकार एमएसपी पर खरीद को सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाएगी। लेकिन बजट में इस तरह का कोई प्रावधान न होने से काफी निराशा हुई है। दुनिया भर के विकसित देश अनिवार्य रूप से किसानों की उपज को एमएसपी पर खरीदते हैं। लेकिन भारत में किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता। विपक्षी दल किसानों के हित में आन्दोलन की बजाय बातचीत के रास्ते पर आगे बढ़े। स्तरीय विरोध हो, किसानों को गुमराह करने एवं उनका मनोबल कमजोर करने के लिये विपक्षी दल उजालों पर कालिख न पोते, इससे उन्हीं के हाथ काले होने की संभावनाएं है।

अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि।

इतिहास से भी पुराना बनारस

यह कहना शायद मिथ्या होगी कि विश्व में ऐसा कोई हिन्दू है, जो कि उत्तरप्रदेश में गंगा नदी के पावन तट पर बसे काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के बारे में नही जानता। वाराणसी के साथ ही साथ इसे बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है, जो कि विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि। यह दोनों नदियां काशी में गंगा में समाहित हो जाती है, जिस कारण से इसका नाम वाराणसी पड़ा। पुराणों के अनुसार काशी का निर्माण स्वयं भगवान शिव और देवी पार्वती के द्वारा किया गया था और इसीलिये इसे तीर्थों का तीर्थ समझा जाता है।

कहां ठहरें

होटल ताज गंगेज़, होटल सिद्धार्थ, होटल गौतम ग्रैंड, होटल इंडिया, प्रीति गेस्ट हाउस, अम्बिका लॉज, होटल मोती महल

कब जाएं

वैसे तो वाराणसी का मौसम हर समय सुहाना रहता है, लेकिन अगर आप वाराणसी जाना चाहते हैं, तो सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च को होगा, जब आप बारिश या गर्मी की समस्या के बिना आराम से पूरा नगर घूम सकते हैं।

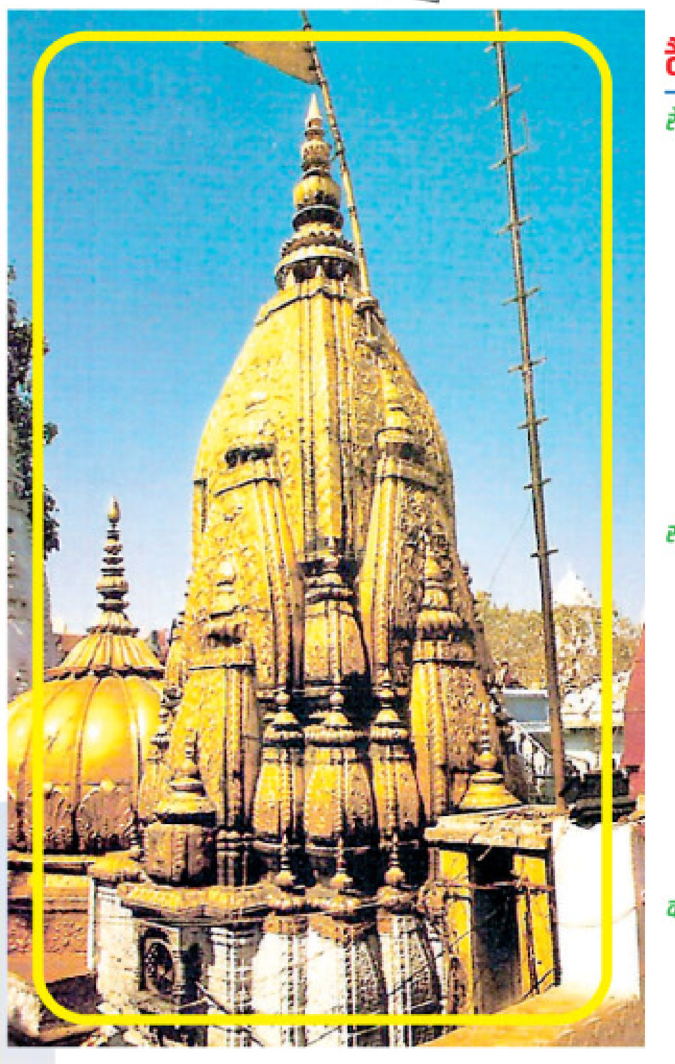

कैसे पहुंचें

रेल द्वारा: वाराणसी भारतीय रेलवे का एक मुख्य स्टेशन है। भारत के कई प्रमुख नगरों से वाराणसी के लिये सीधी ट्रेनें उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से मात्र 16 किमी की दूरी पर स्थित मुगलसराय एक अन्य निकटतम प्रमुख स्टेशन है, जो कि भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड है।

सड़क द्वारा: वाराणसी एनएच 2, एनएच 7 और एनएच 29 के द्वारा भारत के सभी प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेश के सभी निकटतम प्रमुख नगरों से बस सेवा भी उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त आप निजी वाहन का प्रयोग भी कर सकते हैं।

वायुयान द्वारा: बाबतपुर एयरपोर्ट वाराणसी का प्रमुख एयरपोर्ट है, जो कि वाराणसी से 18 किमी की दूरी पर स्थित है।

बिड़ला मंदिर: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एक भाग के रूप में स्थित नए विश्वनाथ मंदिर को ही बिड़ला मंदिर कहते हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा योजनाबद्ध किये गये इस मंदिर का निर्माण भारत के अत्यंत प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने बिड़ला परिवार द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के द्वार हर धर्म के लोगों के लिये खुले हैं।

कालभैरव मंदिर: कालभैरव मंदिर मुख्य पोस्ट ऑफिस विश्वेश्वरगंज के पास स्थित एक प्राचीन मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि कालभैरव काशी के रखवाले हैं और उनकी आज्ञा के बिना कोई भी बनारस में ठहर नहीं सकता है। इसीलिये उन्हें वाराणसी का कोतवाल भी कहते हैं।

सारनाथ: वाराणसी से करीब 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित सारनाथ भगवान बुद्ध को समर्पित है। सारनाथ बौद्ध धर्म का धार्मिक केन्द्र और चार तीर्थों में से एक है। बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने सारनाथ में ही अपने पांच शिष्यों को अपने पहले उपदेश दिये थे। सारनाथ में प्रवेश करते ही सबसे पहला महत्वपूर्ण स्थान चौखंडी स्तूप स्थित है, जिसका निर्माण सम्राट अशोक द्वारा करवाया गया था। धमेक स्तूप भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्तूप है और इसी के पास स्थित मूलगंध कुटि विहार भी स्थित है, जो कि एक बौद्ध मंदिर है। इसके अतिरिक्त सारनाथ में अन्य कई बौद्ध मंदिर भी है, जैसे कि चीनी मंदिर, तिब्बती मंदिर, जापानी मंदिर आदि। सारनाथ संग्रहालय भी सारनाथ के प्राचीन इतिहास का एक झरोखा देखने के लिये एक अच्छा स्थान है।

रामनगर: वाराणसी से मात्र 14 किमी की दूरी पर रामनगर स्थित है, जो कि रामनगर किले के लिये प्रसिद्ध है। गंगा नदी के किनारे इस किले का निर्माण सन् 1750 में वाराणसी के राजा के द्वारा करवाया गया था, लेकिन यह आज अपने संग्रहालय के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें विंटेज कार, शाही पालकी, तलवारें, बंदूकें आदि सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भी वाराणसी में कई अन्य महत्वपूर्ण स्थान है, जैसे कि अन्नपूर्णा मंदिर, भारत कला भवन, काशी विद्यापीठ, दुर्गा मंदिर, जैन मंदिर आदि।

क्यों देंखें

चौरासी घाट: पवित्र गंगा नदी के तट को कुल चौरासी घाटों में विभाजित किया गया है, जिनमें स्नान करके शुद्ध होने के बाद ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के दर्शन को जाते हैं। वैसे तो लगभग सभी घाटों का कोई न कोई ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन कुछ घाट ऐसे भी है, जो कि धार्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैसे, काशी विश्वनाथ मंदिर के सबसे निकट स्थित दशाश्वमेध घाट के लिये माना जाता है कि यहां पर भगवान ब्रह्मा ने दस अश्वों की बलि दी थी। मणिकर्णिका घाट के लिये यह माना जाता है कि शिव के नृत्य करते समय यहीं पर उनके कान की मणि गिरी थी। हरिश्चन्द्र घाट के लिये यह किवदंती है कि इस घाट पर स्थित श्मशान पर ही राजा हरिश्चन्द्र काम किया करते थे। काशी का सबसे पहला घाट अस्सि घाट है और सबसे आखिरी आदि केशव घाट जिसे वेदेश्वर घाट भी कहते हैं। गंगा दशहरा के दिन यहां एक शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है, जो कि अस्सि घाट से वेदेश्वर घाट तक जाती है।

काशी विश्वनाथ: बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ का मंदिर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्थित भगवान शिव के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की प्राचीनता का अंदाजा लगाना तो आज भी संभव नहीं है क्योंकि इस मंदिर का वर्णन पुराणों में भी किया गया है। वैसे तो इस मंदिर को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया और कई बार इसका पुनर्निर्माण भी करवाया गया, लेकिन वर्तमान मंदिर का निर्माण इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सन् 1780 में करवाया गया था, जिसके बाद सन् 1835 में पंजाब के राजा महाराज रणजीत सिंह जी द्वारा इस मंदिर के गुंबदों पर करीब एक हजार किलोग्राम सोना लगवाया गया।

संकटमोचन मंदिर: काशी में असि नदी के किनारे रामभक्त हनुमान के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक संकटमोचन मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा करवाया गया था। हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है सभी संकटों को हरने वाला। इस मंदिर को वानर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहां पर कई मंदिर है, जिन्हें प्रसाद दिए बिना आपका मंदिर से बाहर जा पाना मुश्किल है।

भारत माता मंदिर: वाराणसी का भारत मंदिर भारत माता को समर्पित किया गया एक मंदिर है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कैंपस में स्थित इस मंदिर का निर्माण बाबू शिव प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा करवाया गया था, जिसका उद्घाटन सन् 1936 में महात्मा गांधी के हाथों से हुआ था। इस मंदिर में संगमरमर का बना भारत का एक नक्काशीदार मानचित्र है।

तुलसी मानस मंदिर: तुलसी मानस मंदिर का निर्माण वाराणसी के नागरिकों द्वारा किया गया था। यह मंदिर मूलरूप से भगवान राम और उनके जीवनचरित्र को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर करवाया गया है, जहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की थी। इस मंदिर में एक रामचरितमानस का वर्णन करती हुई एक विद्युत प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।

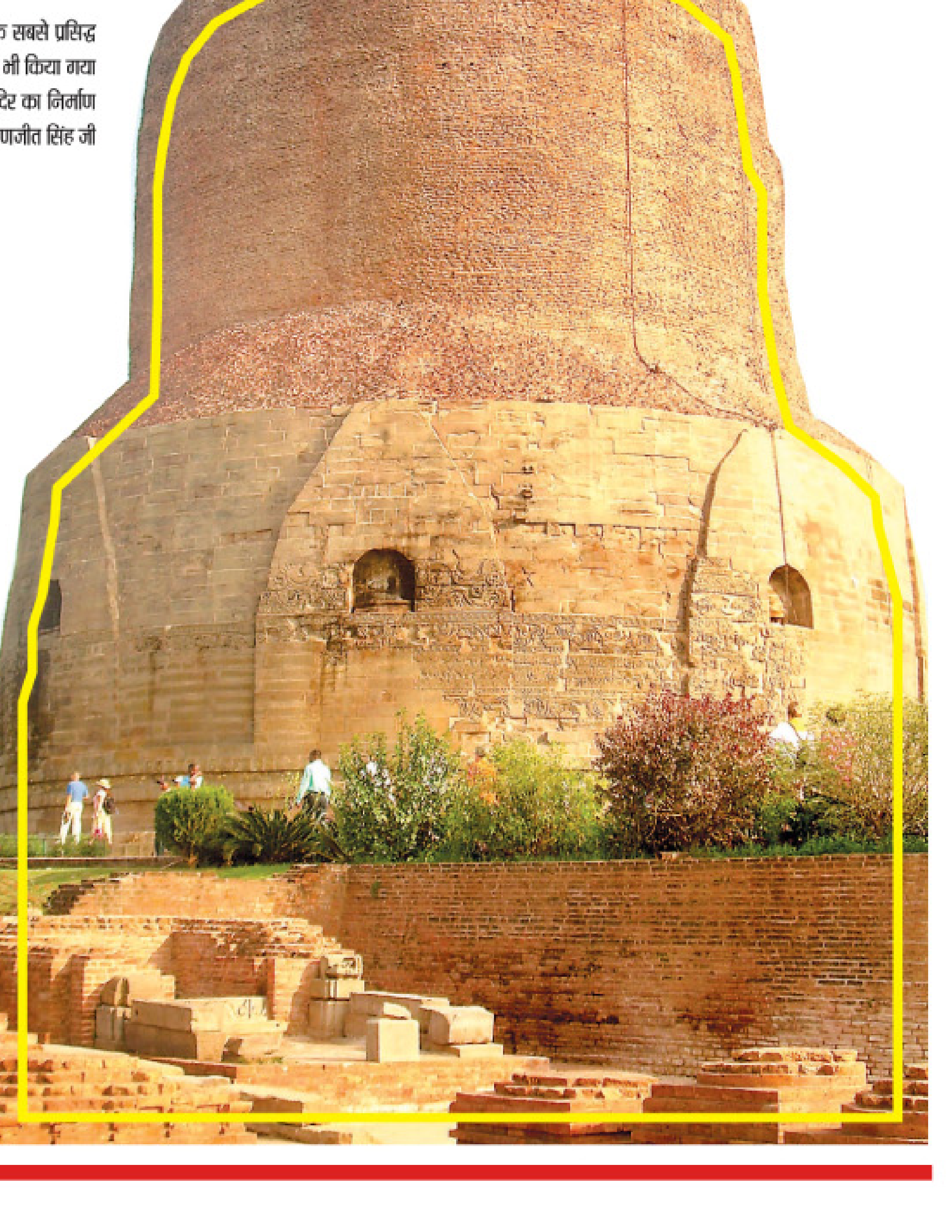

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी से संभव

भारत में सिर और गर्दन का कैंसर एक आम समस्या बनती जा रही है। इन समस्याओं में ओरल यानी कि मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इस कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। हालांकि, शुरुआती निदान के साथ इस कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्य से वेस्टर्न दुनिया की तुलना में भारत में इस कैंसर का सरवाइवल रेट बहुत कम है।

ग्लोबोकैन 2018 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश की 24 प्रतिशत आबादी सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित है, और हर साल इस कैंसर के 2.75 लाख नए मामले रजिस्टर किए जाते हैं। आईसीएमआर की नेशनल कैंसर रेजिस्ट्री प्रोग्राम के डाटा के अनुसार, देश के तीन कैंसर मामलों में से एक बीआईएमएआरयू राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) से संबंधित होता है। 2016 में, भारत में 14.5 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे, जबकी 2017 में यह संख्या बढ़कर 15.17 लाख हो गई। इनमें से 5.75 लाख मामले बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थे। चार बीआईएमएआरयू राज्यों में से एक यूपी में कैंसर के 2.5 लाख मामले देखे गए जो देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। यूपी की बात करें तो इसका मुख्य कारण यह है कि, वहां के लोग पान मसाला और तंबाकू का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं।

पहले का इलाज केवल कैंसर और बीमारी को ठीक करने के लिए किया जाता था, जिसके कारण मरीज को अन्य समस्याओं, जैसे टेढ़ा चेहरा, निशान, टेढ़-मेढ़े दांत, चेहरे के आकार में बदलाव, कंधों में झुकाव आदि से जूझना पड़ता था। टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ आज मिनमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए सिर और कैंसर के चौथे चरण का इलाज भी संभव हो गया है, जिसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। ऐसे कैंसरों के इलाज को बेहतर करने के लिए आज देश में ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) भी उपलब्ध है। इस सर्जरी के परिणाम बेहतर होने के साथ ही मरीज का चेहरा भी खराब नहीं होता है और न ही कोई निशान रह जाते हैं। टीओआरएस के साथ मरीजों के सरवाइवल रेट में भी सुधार आया है।

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी- इलाज के लिए एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी एक नई तकनीक है, जो कैंसर की खतरनाक से खतरनाक सेल्स को भी हटा देता है। रोबोटिक हाथ, बिना कोई चीरा लगाए गर्दन की सभी कैंसर कोशिकाओं को हटा देता है। पहले जुबान के ज्यादा अंदर, यानी कि टॉन्सिल्स तक पहुंचना मुश्किल होता था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ वहां तक पहुंचना भी संभव हो गया है। ये प्रक्रिया न सिर्फ कैंसर के मरीजों के लिए बल्कि सर्जनों के लिए भी एक वरदान साबित हुई है। सर्जरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को रोबोटिक सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है, जिसकी मदद से छोटी से छोटी जगह तक भी आसानी से पहुंच कर इलाज किया जा सकता है। चीरा लगाने की जरूरत न होने के कारण न्यूरोवस्कुलर टिशूज को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, जिससे मरीजों को निगलने में आसानी होती है और अस्पताल से डिस्चार्ज भी जल्दी कर दिया जाता है। सर्जरी के बाद मरीज की देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाता है, जिससे उनमें ब्लीडिंग, इंफेक्शन या कोई और समस्या न हो सके।

टीओआरएस- एक एडवांस तकनीक

रोबोटिक सर्जरी होने के कारण कैंसर के इलाज में बदलाव हुए हैं। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया की मदद से अब ओपन सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। पहले इस प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन देर से निदान के कारण इलाज के परिणाम कुछ खास नहीं होते थे। दुर्भाग्य से, टीओआरएस से पहले सर्जरी पूरी तरह से इनवेसिव (सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाना पड़ता था) हुआ करती थी। चीरे और काट-पीट के कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी मरीजों के चेहरों के आकार खराब हो जाते थे। लेकिन यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया 100 फीसदी सुरक्षित है।

भारत में टीओआरएस का भविष्य कैसा होगा?

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी का इस्तेमाल जुबान, मुंह, गला और सिर व गर्दन के कई अन्य स्थानों के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है। सर्जिकल उपकरणों में प्रगति के साथ, रोबोटिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी प्रकार के ट्यूमर तक पहुंचना संभव हो गया है।

टीओआरएस की मदद से सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज करना बेहद आसान हो गया है, जिसमें न तो आवाज जाने का खतरा होता है और न ही निगलने में परेशानी होती है। इसके अलावा, इस एडवांस सर्जरी की मदद से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके चेहरे पर कोई निशान भी नहीं रहते हैं। देश के कई डॉक्टर इस विकल्प को पसंद कर रहे हैं।

- डॉक्टर समीर कौल

टेस्टी अंगूर के आश्चर्यजनक फायदे

मीठे अंगूर के दाने न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि ये सेहत का खजाना भी है। आपको हेल्दी रखने के साथ ही अंगूर आपकी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इंस्टेंट एनर्जी के लिए भी आप अंगूर का सेवन कर सकते हैं।

- ब्रेस्टफीट कराने वाली महिलाओं को रोजाना करीब 100 ग्राम अंगूर खाना चाहिए। इससे दूध बढ़ता है है।
- कब्ज की वजह से सिरदर्द, चक्कर जैसी समस्याएं हो रही हैं, तो इससे राहत के लिए रोजाना नियमित रूप से 25 ग्राम अंगूर का रस पीएं।
- एसिडिटी होने पर 25-25 ग्राम अंगूर और सौंफ को रातभर 250 मि.ली। पानी में भिगोकर रखें। सुबह उसे मसलकर छान लें। फिर उसमें 10 ग्राम शक्कर मिलाकर पीएं। कुछ दिनों तक नियमित रूप से ऐसा करने से एसिडिटी से राहत मिलेगी।

- यदि आपको कमजोरी महसूस हो रही है, तो 25 ग्राम अंगूर खाएं और उसके बाद आधा लीटर दूध पीएं। इससे कमजोरी दूर होगी।
- पेशाब में गर्मी की समस्या होने पर 50 ग्राम काले अंगूर को रातभर ठंडे पानी में भिगोकर रखें। सुबह मसलकर छान लें। फिर इसमें थोड़ा-सा जीरा चूर्ण मिलाकर पीएं। इससे पेशाब की गर्मी दूर होगी।
- पथरी दूर करने में अंगूर फायदेमंद होता है। अंगूर के बीज को पीसकर चूर्ण बना लें। इसे फांककर ऊपर से एक ग्लास दूध पीएं। ऐसा करने से पथरी गलकर बाहर आ जाएगी।
- अंगूर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि हार्ट डिसीज, नर्व डिसीज, अलझमर, वायरल और फंगल इंफेक्शन से लड़ने की ताकत देते हैं।
- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, सोडियम, फाइबर, विटामिन ए, सी, ई, के, कैल्शियम, कॉपर, मैग्नीशियम, मैंग्नीज, जिंक और आयरन के गुणों से भरपूर अंगूर में कैलोरी मात्रा बहुत कम होती है।
- शरीर के किसी भी हिस्से से खून निकलने पर एक ग्लास अंगूर के जूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने से खून की कमी दूर हो जाती है और खून बहना बंद हो जाता है।
- अंगूर में ग्लूकोज व विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होता है, इसलिए अंगूर खाने से भूख बढ़ती है और पाचन शक्ति ठीक रखती है। अंगूर आंखों, बालों व त्वचा को भी शाइनी बनाता है।
- अंगूर फोड़े-फुसियों व पिंपल्स को सुखाने में मदद करता है। अंगूर के रस से गरारे करने से मुंह छालों से राहत मिलती है।

गुड़ और आटे का हलवा

सामग्री

- ¼ कप घी
- 1 कप आटा
- ½ कप गुड़
- इलाइची पाउडर
- 10-15 रेसे केसर
- बादाम
- काजू पिस्ता बारीक कटे हुए

विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसमें घी गरम करें अब पैन में आटा डालें और आटे को घी में खूब भूनें। जबतक आटा थोड़ा सुनहरा न हो जाए तब तक उसे भूनें। इससे आटा पैन में चिपकेगा नहीं। इसके बाद 2 कप पानी में कुछ देर के लिए गुड़ को भिगो दें। जब गुड़ पानी में पिघल जाए तो उस पानी को आटे में डालें। इसके बाद मिश्रण में इलाइची पाउडर, केसर डालें और उसे अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे तब तक पकाएं जब तक यह मिश्रण थिक न हो जाए। अब हलवे को ड्राय फ्रूट्स से गार्निश करें और गरम-गरम खाने के लिए परोसें। आप इस हलवे को 3 से 4 दिन तक फ्रिज में रख कर प्रीहीट करके भी खा सकते हैं।

पनीर रैप

सामग्री

- नीर- 150 ग्राम
- ऑयल-1 बड़ा चम्मच
- प्याज- 1 छोटा
- हरी शिमला मिर्च- 1 मीडियम साइज
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- बीन स्प्राउट्स- 1/2 कप
- सलाद पत्ते- 4 बड़े
- नमक- स्वादानुसार
- Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग- 2 बड़े चम्मच
- वीबा मिंट मेयोनेज- 4 बड़े चम्मच

विधि

इस टेस्टी स्नैक रेसिपी को बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को दो स्ट्रिप्स, प्याज को लंबा-लंबा, शिमला मिर्च को पतली स्ट्रिप्स में काट लें। फिर कड़ाही में तेल गर्म करें। एक बार जब तेल पर्याप्त गर्म हो जाए, तो इसमें प्याज के स्लाइस डालें और आधे मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें हरी शिमला मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, पनीर स्ट्रिप्स, नमक डालकर मीडियम आंच पर 2 मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें बीन स्प्राउट्स मिलाएं और एक और मिनट के लिए फिर से सौते करें। पैन को गैस पर से उतार लें और एक तरफ रख दें। रैप तैयार करने के लिए, पनीर मिश्रण को 2 बराबर भागों में बांटे। वर्कटॉप पर रैप रखें और उसके ऊपर सलाद पत्ता रखें। फिर उस पर समान रूप से वीबा मिंट मेयोनेज का 1 टीस्पून लगाएं और फिर रैप के बीच में पर्याप्त मात्रा में पनीर मिश्रण रखें। फिर इसमें आधा चम्मच Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग मिलाएं। आपका टेस्टी पनीर रैप तैयार है इसे गर्मा-गर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 5025

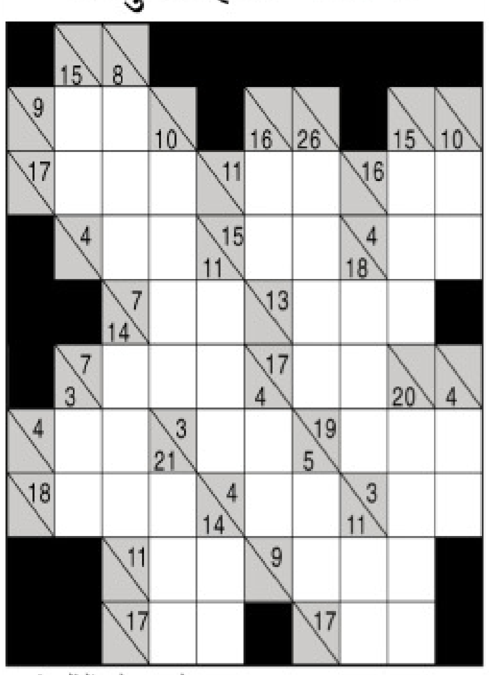

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

11 / 7: 1 2 3 5

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 5024 का हल

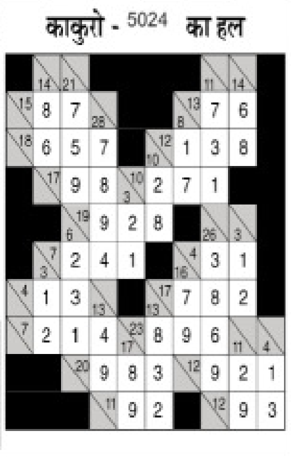

लॉफिंग ज़ोन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5025

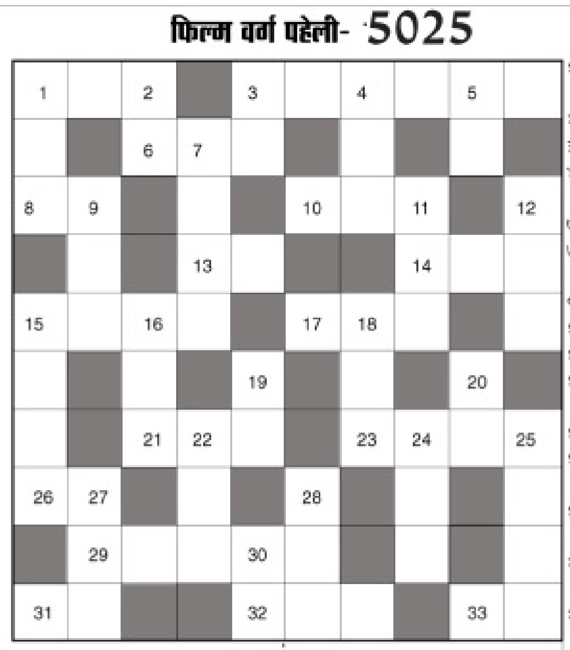

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रुत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'ओर बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरुख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नांडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5024

सूडोकु 5025

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु -5024 हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शब्द पहेली -5025

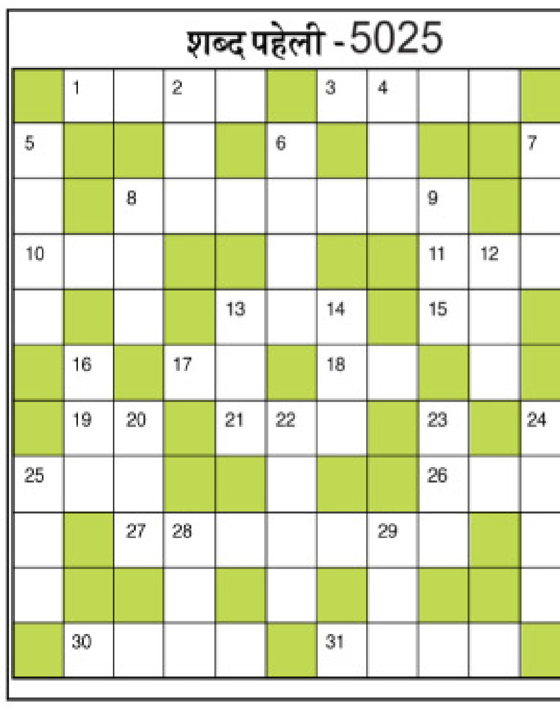

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली 5024 का हल

दिल्ली कोचिंग हादसा :अभिषेक गुप्ता और देशराज सिंह 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित यूपीएससी कोचिंग सेंटर में पानी भरने से छात्रों की हुई मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने राव आईएएस कोचिंग के मालिक और कोऑर्डिनेटर को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस कोचिंग सेंटर हादसे के दोनों आरोपियों को गिरफ्तारी के बाद राजेंद्र नगर थाने से कोर्ट ले गई, जहां से दोनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने इन दोनों आरोपियों समेत बिल्डिंग मैनेजमेंट, ड्रेनेज सिस्टम की देखभाल करने वाले निगमकर्मियों और अन्य के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। दरअसल, दिल्ली में हुई बारिश से ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके स्थित एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर गया था। पानी में डूबने से यूपीएससी की तैयारी करने वाले तीन छात्रों की मौत हो गई थी। राजेंद्र नगर थाने में इस मामले में केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कही। इस घटना को लेकर भाजपा और कांग्रेस नेताओं की ओर से तीखी प्रतिक्रिया दी गई है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तीन छात्रों की मौत के लिए आम आदमी पार्टी (आप) को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, ÷जो दिल्ली के राजेंद्र नगर में हुआ, वह इंसानों द्वारा निर्मित आपदा थी। यह हादसा नहीं हत्या थी। जिन तीन बच्चों की जान गई है, वे देश के भविष्य थे। आज सामने आ चुका है, इस हादसे में आम आदमी पार्टी (आप) की ना केवल आपराधिक लापरवाही थी, इसमें भ्रष्टाचार भी था।

हिमाचल के तीन जिलों में 700 टन से ज्यादा यूरेनियम के भंडार

शिमला। केंद्र सरकार हिमाचल में यूरेनियम अयस्क भंडारों की खोज कर रही है। इसके लिए परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) ने हमीरपुर, ऊना और शिमला जिला में तीन यूरेनियम निक्षेप स्थापित किए हैं। इनसे अभी तक 784 टन यूरेनियम ऑक्साइड का अनुमान लगाया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सांसद डॉ सिकंदर कुमार द्वारा राज्यसभा में पूछे गए सवाल के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। डा. सिंह ने बताया कि ऊना जिला के राजपुरा में 364 टन, शिमला जिला के कशा कलाड़ी में 200 टन और मंडी जिला के तलेली में 220 टन यूरेनियम ऑक्साइड मिलने का अनुमान है। उन्होंने यह भी कहा कि (एएमडी) ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश में प्रारंभिक निरीक्षण किया है, जिससे हमीरपुर जिले के मसनवल में भी यूरेनियम अयस्क के भंडार मिलने की संभावना है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि हिमाचल में अभी तक यूरेनियम उपचार संयंत्र की स्थापना की योजना नहीं बनाई गई है। श्री कुमार ने हिमाचल प्रदेश से जुड़े विभिन्न विषयों को राज्यसभा में उठाते हुए प्रधानमंत्री से हमीरपुर और ऊना जिलों में यूरेनियम समृद्ध स्थलों, यूरेनियम भंडार की अनुमानित मात्रा और केन्द्र सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश में यूरेनियम उपचार संयंत्र स्थापित करने संबंधी जानकारी मांगी थी।

'मां के नाम एक पेड़' के तहत इंदौर में एक दिन में दो लाख पौधे लगाये गयेः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि 'मां के नाम एक पेड लगाने का उनका आह्वान एक अभियान बन गया है, जिसके तहत बड़ी संख्या में पेड़ लगाए जा रहे हैं और पूरे देश में यह कार्यक्रम अभियान के रूप में चल रहा है। श्री मोदी ने आकाशवाणी से प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में कहा कि इस अभियान के तहत रिकॉर्ड बनाए जा रहे हैं और इंदौर में एक दिन में दो लाख पौधे लगाने का असाधारण काम हुआ है। इसी तरह से देश के विभिन्न हिस्सों में 'मां के नाम एक पेड लगाने का काम अभियान के तौर पर चलाया जा रहा है। मुझे खुशी है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में बड़ी संख्या में लोग इस अभियान से जुड़ रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले स्वच्छता के लिए प्रसिद्ध इंदौर में, एक शानदार कार्यक्रम हुआ। यहाँ 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम के दौरान एक ही दिन में दो लाख से ज्यादा पौधे लगाए गए।श्री मोदी ने कहा, अपनी माँ के नाम पर पेड़ लगाने के इस अभियान से आप भी जरूर जुड़ें और सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर भी पोस्ट करें। इस अभियान से जुड़कर आपको, अपनी माँ और धरती माँ, दोनों के लिए, कुछ विशेष कर पाने का एहसास होगा।

मध्य प्रदेश विहिप में बड़ा बदलाव, जितेंद्र पंवार को भोपाल के संगठन मंत्री की मिली जिम्मेदारी

इंदौर। राजस्थान के जोधपुर में हुई विश्व हिंदू परिषद की केंद्रीय बैठक में मध्य प्रदेश में बड़ा बदलाव किया गया है। मध्य क्षेत्र के भोपाल का संगठन मंत्री जितेंद्र पंवार को बनाया गया है। विहिप की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया है कि केंद्रीय बैठक का समापन जोधपुर में हुआ। बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ ही कुछ दायित्वों में भी परिवर्तन हुए हैं। प्रमुख परिवर्तन में विहिप भोपाल के क्षेत्र संगठन मंत्री के रूप में जितेंद्र पंवार का हुआ है। जितेंद्र पंवार संघ के वरिष्ठ प्रचारक हैं वे राजगढ़ के मूल निवासी, अशोकनगर में जिला प्रचारक रहे, बाद में झारखंड में विभाग प्रचारक, सह प्रांत प्रचारक रहे। वर्तमान में मध्य क्षेत्र में क्षेत्र शारीरिक प्रमुख रहे। अब, विश्व हिंदू परिषद में भोपाल क्षेत्र का कार्य देखेंगे। उनके कार्य क्षेत्र के अंतर्गत मालवा, मध्य भारत, महाकौशल और छत्तीसगढ़ प्रांत आते हैं। उन्होंने इससे पहले शासकीय दृष्टि से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री के रूप में कार्य किया है।

मनसुख मांडविया से मिले रमन सिंह, छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में खेलों के विकास के लिए 35 करोड़ की मंजूरी

एजेंसी

राजनांदगांव । छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव विधानसभा सीट से भाजपा विधायक एवं विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की। राजनांदगांव में खेलों के विकास के लिए 35 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता रमन सिंह ने मनसुख मांडविया से मुलाकात की। खेल मंत्रालय ने राजनांदगांव में खेलों के विकास के लिए 35 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। दिग्विजय स्टेडियम में मल्टीपर्पज इंडोर हॉल व सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में एस्ट्रो टर्फ रिप्लेसमेंट जैसे कार्यों की मंजूरी दी गई है। बता दें कि संस्कारधानी राजनांदगांव को खेल नगरी और हॉकी की नर्सरी के नाम से भी जाना जाता है। पूर्व में राजनांदगांव से हॉकी

के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर सराहना भी बटोरी है। राजनांदगांव खिलाड़ियों के लिए एक नर्सरी के तौर पर स्थापित रहा है। वर्ष 2017-18 में प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से राजनांदगांव में दिग्विजय स्टेडियम का निर्माण किया गया था, यहां पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की हॉकी और अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित होती रही हैं। समय के साथ स्टेडियम में खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या को देखकर कुछ आवश्यकताएं भी महसूस होने लगी हैं। इसे देखते हुए डॉक्टर रमन सिंह ने मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की। मनसुख मांडविया और डॉ. रमन सिंह के बीच राजनांदगांव स्थित दिग्विजय स्टेडियम में लगभग 19 करोड़ 79 लाख रुपए की लागत के मल्टीपरपज हॉल की आवश्यकता और लगभग 6 करोड़ 34 लाख की लागत के सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक निर्माण पर चर्चा हुई।

इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना के तहत एस्ट्रो टर्फ रिप्लेसमेंट, सिविल कार्य और विद्युतीकरण जैसे विषयों पर भी बात हुई। रमन सिंह ने राजनांदगांव में खिलाड़ियों के लिये बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया का आभार व्यक्त किया।

नाक से खून बहने के बाद एच.डी. कुमारस्वामी अस्पताल में भर्ती, मिली छुट्टी

एजेंसी

बेंगलुरु। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी को नाक से खून बहने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वह जे.पी. नगर स्थित अपने आवास पर लौट आए हैं। अस्पताल से छुट्टी मिलने और अपने आवास पर लौटने के बाद मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैंने तीन बार हृदय वाल्व प्रतिस्थापन सर्जरी करवाई है और थक्के को रोकने के लिए मैं रक्त पतला करने वाली दवा लेता हूं। जब मैं तनाव में होता हूं और पर्याप्त आराम नहीं कर पाता हूं, तो मुझे नाक से खून आना आम बात है। डॉक्टरों ने मुझे आराम करने की सलाह दी है।

उन्होंने कहा कि किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से शांत रहने का अनुरोध भी किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, जब तक मुझे आपकी शुभकामनाएं, भगवान की कृपा और माता-पिता का आशीर्वाद है, तब तक कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा, लोगों ने मुझे भरोसे के साथ दिल्ली भेजा है। मैं उस भरोसे को नहीं तोड़ूंगा। किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। मुझे थोड़ा आराम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 92 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा (उनके पिता) कल संसद में कावेरी मुद्दे को उठाएंगे। डीएमके और अन्य सदस्य व्यवधान डालने की कोशिश करेंगे। मुझे उनके साथ वहां रहना है। एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा, मैं रात भर अपनी स्थिति पर नजर रखूंगा और दिल्ली जाने का फैसला करूंगा।मेरा स्वास्थ्य ज्यादा खराब नहीं है, इसलिए मैं एक सप्ताह बाद होने वाली 'पदयात्रा' में भाग ले सकता हूं। अगर मैं भाग नहीं ले पाता हूं, तो निखिल कुमारस्वामी विधायकों के साथ पदयात्रा में शामिल होंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा, राहुल गांधी और रार्बट वाड्रा को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने दी राजनीतिक क्लीन चिट

एजेंसी

जयपुर। ऐसा लगता है कि हरियाणा में रार्बट वाड्रा के जमीनों मामलों को राजनीतिक मुद्दा बनाने के बाद दो बार सत्ता में आई भाजपा सरकार ने अब पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, राहुल गांधी और रार्बट वाड्रा को राजनीतिक क्लीन चिट दे दी है। जी हां, जयपुर में केंद्र सरकार के बजट को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने आए केंद्रीय ऊर्जा और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर के बयान से तो यही लगता है।

इस मुद्दे पर पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहाकि इस मामले के रिकॉर्ड पर आए तथ्यों को देखें तो उससे प्राइमरी तौर पर लगता था कि किसी व्यक्ति विशेष को बहुत बड़ा फायदा पहुंचाया गया है। इसीलिए यह राजनीतिक मुद्दा बना। यह बात ठीक है कि हमने इसकी जांच के लिए इन्क्वायरी कमीशन बिठाया था। इन्क्वायरी कमीशन की रिपोर्ट भी आ गई है। लेकिन, उसमें ऐसी कोई बात नहीं है जिससे इन लोगों को जेल में डालने जैसी कोई बात हो। चूंकि यह मामला अभी कोर्ट में है। इसलिए इस मामले में वे ज्यादा कुछ नहीं कह सकते। उन्होंने कहा कि यह जांच राजनीतिक दुर्भावना से भी नहीं कराई गई थी।

उल्लेखनीय है कि साल 2013-14 में हरियाणा के आईएएस अशोक खेमका की एक रिपोर्ट के आधार पर भाजपा ने यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी के दामाद रार्बट वाड्रा को हरियाणा में कौड़ियों के दाम जमीन देकर मोटा फायदा पहुंचाए जाने को पूरे देश में राजनीतिक मुद्दा बनाया था। मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 मई, 2014 को हिसार की चुनावी जनसभा में कहा था कि इन मां-बेटों और दामाद से एक - एक इंच जमीन का हिसाब लिया जाएगा। इसके भाजपा नेता राजनीतिक मंचों से इन लोगों को जेल में डाले जाने की बातें भी करते रहे हैं। राजस्थान को विशेष राज्य का दर्जा मिलेगा या नहीं, इस

सवाल के जवाब में खट्टर ने कहा कि आंध्रप्रदेश को जो केंद्रीय बजट दिया गया है, वह इसलिए दिया गया है चूंकि तेलंगाना के अलग होने के बाद केंद्र सरकार का यह वायदा था कि आंध्र प्रदेश को नई राजधानी बनाने में केंद्र सरकार सहयोग करेगी। रही बात बिहार की तो, बिहार अन्य राज्यों से काफी पिछड़ा हुआ है। वहां की प्रति व्यक्ति आय पूरे देश में सबसे कम है। अंत्योदय का यह सिद्धांत है कि जो सबसे ज्यादा पिछड़ गया है, उसे विकास की मुख्य धारा में लाया जाए। इसलिए बिहार को भी केंद्रीय बजट से अच्छा हिस्सा मिला है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा, कांग्रेस समाज को जातियों के आधार पर बांटती है लेकिन पीएम मोदी कहते हैं कि हमारे लिए गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति यानि ग्यान ही जाति हैं। बजट में केवल दो प्रदेशों का ही जिक्र होने का मतलब यह नहीं है कि बाकी राज्यों की उपेक्षा की गई है। हमने जिस प्रदेश की जैसे आवश्यकता है उसके अनुसार प्रत्येक क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया है। केंद्र सरकार राजस्थान पर बुनियादी ढांचे, उद्योग, रोज़गार, ऊर्जा, पर्यटन और विरासत को लेकर ज्यादा फोकस है।

हरियाणा में तीसरी बार बनेगी भाजपा की सरकार

वहीं हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्?टर ने कहा कि पिछले दस साल से हरियाणा में भाजपा की सरकार है और अब तीसरी बार भी भाजपा ही जीतेगी। हमारा वोट बैंक कम नहीं हुआ है, भले ही आकड़ों में सीटें कम आई हों। लेकिन, वोट प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 5 सीटें जीती है। क्योंकि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने संविधान और आरक्षण को लेकर जनता को गुमराह किया, इसकी वजह से भाजपा को 5 सीटों का नुकसान हुआ, लेकिन जनता अब समझ चुकी है। हालांकि इसे 6-4 का रेश्यो मानना चाहिए। क्योंकि एक सांसद दोबारा सांसद चुने गए हैं। इसलिए उनकी खाली हुई राज्यसभा सीट पर इस बार भाजपा का सांसद चुना जाना तय है।

31 दिसंबर तक राम मंदिर का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य

अयोध्या । राम मंदिर समिति की बैठक हुई। इस दौरान राम मंदिर समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि उनका एक मात्र लक्ष्य है कि 31 दिसंबर तक राम मंदिर का निर्माण पूरा हो जाए। सर्किट हाउस में राम मंदिर के निर्माण पर नृपेंद्र मिश्रा ने कहा, राम मंदिर के प्रथम तल पर जो भी व्यवस्था है, उसको सुरक्षित किया जाए। प्रथम तल पर इस तरह की रेलिंग लगाई जाए, ताकि किसी बालक के गिरने की संभावना न हो। वहां पर वर्टिकल बाड़ या जाली लगाई जाए। शेषावतार मंदिर को लेकर नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि शेषावतार मंदिर का निर्माण नए सिरे से किया जा रहा है। उसकी ड्राइंग बनाई जा चुकी है। इसको इस प्रकार से बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि उसकी ऊंचाई मंदिर में भगवान के पेडेस्टल की ऊंचाई के बराबर रहे। ये वास्तु की दृष्टि से भी उसे उचित माना जा रहा है।

सपा ने माता प्रसाद पांडेय को बनाया नेता प्रतिपक्ष

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) ने माता प्रसाद पांडेय को यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाने का ऐलान किया है। 81 वर्षीय माता प्रसाद पांडेय ब्राह्मण समाज से ताल्लुक रखते हैं। सात बार विधायक रहे पांडेय दो बार उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष और राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे हैं। वर्तमान में सिद्धार्थनगर जिले के इटावा विधानसभा सीट से विधायक हैं। उन्हें अखिलेश यादव का काफी करीबी नेता माना जाता है।

माता प्रसाद पांडेय पहली बार 1980 में विधानसभा का चुनाव जीते थे। इसके बाद 1985, 1989, 2002, 2007, 2012 और 2022 में विधानसभा के लिए चुने जा चुके हैं। वह मुलायम सिंह यादव की सरकार में स्वास्थ्य और श्रम व रोजगार विभाग के मंत्री रह चुके हैं।

बतौर नेता प्रतिपक्ष वो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की जगह लेंगे, जिन्होंने कन्नौज से लोकसभा सांसद चुने जाने के बाद करहल सीट से विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी

मिलने के बाद माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि विधानसभा में हम सरकार को घेरने का काम करेंगे। हमने सरकार से आग्रह किया था कि सत्र को कुछ दिनों के लिए आगे बढ़ाएं। हमारी कोशिश है कि सत्र को आगे बढ़ाया जाए, जिससे जनहित के मुद्दे को उठाया जा सके। उन्होंने कहा, योगी सरकार ने इस प्रदेश को विनाश के कगार पर पंहुचा दिया। भ्रष्टाचार समेत तमाम मुद्दों पर हम सरकार को घेरेंगे। इसके अलावा पार्टी ने यूपी विधानसभा के सदस्य महबूब अली को अधिष्ठाता मंडल, कमाल अख्तर को मुख्य सचेतक और राकेश कुमार उर्फ आरके वर्मा को उप सचेतक की कमान सौंपी है। पार्टी की ओर से यह निर्णय अखिलेश यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया।

समाजवादी पार्टी के विधायकों की बैठक में कई नामों को लेकर चर्चा हुई थी। इसके बाद तमाम विधायकों ने आखिरी फैसला अखिलेश यादव पर छोड़ दिया था। इसके बाद माता प्रसाद पांडेय को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

डूंगरपुर में मिला चांदीपुरा वायरस रोगी, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट...

एजेंसी

डूंगरपुर। जिले के बदीया उप स्वास्थ्य केन्द्र के ब्लॉक बीछीवाडा का 3 वर्षीय बालक चांदीपुरा वायरस पॉजिटिव पाया गया है। नेशनल इन्सटीट्यूट ऑफ वायरोलोजी (एन.आई.वी) पुणे से प्राप्त सूचना के अनुसार यह रोगी 12 जुलाई से राजकीय मेडिकल कॉलेज, डूंगरपुर में भर्ती था और लक्षणों के आधार पर इसका सैम्पल एन.आई.वी., पुणे चांदीपुरा को डायग्नोसिस हेतु भेजा गया था। रोगी बालक वर्तमान में स्वस्थ बताया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि गुजरात में चांदीपुरा वायरस रोग का प्रकोप वर्तमान में जारी है जिसमें संदिग्ध एवं पॉजिटिव चांदीपुरा रोग से अनेक बच्चों की मृत्यु भी हुई है। गुजरात के स्वास्थ्य अधिकारियों से 11 जुलाई को सूचना प्राप्त हुई थी कि एक बच्चा गुजरात के हिम्मतनगर में भर्ती है जबकि एक की पूर्व में मृत्यु हुई है। प्रदेश के गुजरात सीमावर्ती जिलों उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाडा, सिरोही,

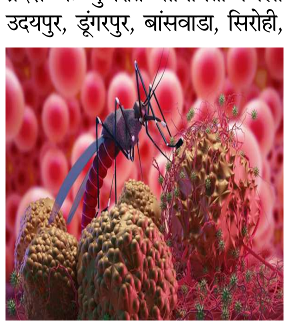

जालोर में चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश जारी कर सर्वेलेन्स कार्यवाही प्रारम्भ की गयी है। एक्टिव सर्वेलेन्स द्वारा घर-घर सर्वे एवं पेसिव सर्वेलेन्स के अन्तर्गत चिकित्सा संस्थानों में रोग की पहचान, संदिग्ध की जांच, भर्ती/रेफर एवं उपचार, प्रचार-प्रसार, आर.आर.टी. टीम भ्रमण, निजी एवं राजकीय चिकित्सा संस्थानों हेतु दिशा-निर्देश आदि कार्यवाही नियमित जारी है। प्रदेश के गुजरात सीमावर्ती जिलों से रोजगार सहित अनेक कारणों से आमजन का आवागमन रहता है।

चांदीपुरा वायरस रोग महाराष्ट्र के नागपुर जिले के चांदीपुरा गांव में सर्वप्रथम 1965 में पाया गया था। यह रोग 9 से 14 वर्ष के बच्चों में सैन्डफ्लाई नामक मक्खी द्वारा फैलता है। प्रमुख लक्षणों में तेजी से बुखार, उल्टी/दस्त एवं दौरे आना है। चांदीपुरा की जांच सीरम एवं सीएसएफ द्वारा डायग्नोसिस किया जाता है। उपचार लक्षण आधारित होता है और पूरी बाजू के बदन ढकने वाले कपडे पहन कर, मच्छरदानी के उपयोग एवं कीटनाशक के उपयोग से बचाव किया जाता है।

अमीनाबाद बिल्डिंग में आग लगने से हड़कंप, फायर ब्रिगेड ने काबू पाया

लखनऊ। लखनऊ के हेवेट रोड स्थित अमीनाबाद बिल्डिंग में रविवार दोपहर आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की सूचना मिलते ही फायर स्टेशन हजरतगंज के कंट्रोल रूम ने दो फायर टेंडर मौके पर भेजे। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने देखा कि आग भूतल पर बने एक दुकान में लगी थी, जिसका शटर बंद था। पूरी बिल्डिंग में धुआं भरा हुआ था। बिल्डिंग की छत पर फंसे चार लड़के मदद के लिए चिल्ला रहे थे। अधिकारियों ने फायर ब्रिगेड की एक यूनिट को दुकान में लगी आग को बुझाने के लिए लगाया और दो फायर मैन को ब्रीदिंग ऑपरेट्स सेट पहनाकर छत पर फंसे लड़कों को रेस्क्यू करने के लिए भेजा। फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बिल्डिंग की एक तरफ से आग को बुझाया और दूसरी तरफ से बोल्ट कटर के जरिए ताला काटकर दुकान में प्रवेश किया।

हमें पेडों की संख्या बढ़ानी होगी, अन्यथा हमारा अस्तित्व खतरे में हैं - शिक्षा मंत्री

एजेंसी

सीकर । शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि पेड धरती के श्रृंगार है। हमें अधिकाधिक पेड लगाकर उनकी संख्या बढ़ानी होगी, अन्यथा हमारा अस्तित्व खतरे में है। उन्होंने कहा कि हमें पेड लगाकर मानवता को बचाना हैं। शिक्षा मंत्री सीकर जिले के दूजोद गांव में महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में भामाशाहों द्वारा निर्मित मुख्य प्रवेश द्वार, कक्षा-कक्ष के शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।

शिक्षा मंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व के सबसे ज्यादा तापमान वाले 15 शहरों में राजस्थान के 7 शहर शामिल है। ऐसे में हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि राजस्थान में पौधारोपण के

अभियान को बढ़ावा दिया जाए, जिससे की धरती का तापमान कम हो सके। शिक्षा मंत्री दिलावर ने कहा कि पूरे प्रदेश में हरियालों राजस्थान पौधारोपण अभियान के तहत हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने हैं। शिक्षा मंत्री दिलावर ने इस दौरान बालिका माध्यमिक विद्यालय में सुलभ शौचालय बनवाने, विद्यालय में 10 कक्षा–कक्ष बनवाने की घोषणा की तथा बताया कि जब भी प्रदेश में विद्यालयों में नए विषय शुरू किए जाएंगे तो राउमावि दूजोद में जीव विज्ञान विषय शुरू करना तथा दिव्यांगों को लिए विशेष शिक्षक नियुक्त करने का प्रयास किया जाएगा।

धोद विधायक गोर्वधन वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि गांव के भामाशाहों ने विद्यालय में कक्षा-कक्षों का निर्माण कर छात्रों को सौगात दी है। उन्होंने कहा कि समाज, देश, गांव हित के लिए दान करने वाले विरले व्यक्ति ही होते है। इस दौरान जन प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं, ग्रामीण जन बडी संख्या में उपस्थित रहें।

सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ जेडीएस व भाजपा का संयुक्त मार्च का ऐलान, बीएस येदियुरप्पा ने मांगा सीएम का इस्तीफा

एजेंसी

बेंगलुरु। सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा और जेडीएस ने संयुक्त मार्च का ऐलान किया है। वे राज्य में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग भी कर रहे हैं। कांग्रेस शासित दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक में मुडा घोटाले को लेकर सियासत जारी है। भ्रष्टाचार को लेकर विपक्षी पार्टियां भाजपा और जेडीएस सरकार पर हमलावर हैं। इसी सिलसिले में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने सिद्धारमैया से इस्तीफे की मांग की है। बता दें कि 28 जुलाई को भाजपा और जेडीएस की संयुक्त मीटिंग थी। मीटिंग के बाद दिग्गज भाजपा नेता बी एस येदियुरप्पा ने कहा, ÷कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार के खिलाफ बेंगलुरु से मैसूर तक हम पैदल यात्रा करने वाले हैं। हम जनता से आह्वान करते हैं कि वो इसमें हमारा साथ दे। ये

भ्रष्ट सरकार है और इसको उखाड़ फेंकना जरूरी है। उन्होंने बताया कि, जेडीएस और भाजपा ने संयुक्त रूप से ये फैसला किया है। मैं राज्य की जनता से अपील करना चाहता हूं कि वो अधिक से संख्या में इस मार्च में शामिल हों। जब तक यह सरकार इस्तीफा नहीं देती है, तब तक तक प्रदर्शन जारी रहेगा। भाजपा नेता ने दावा किया कि प्रदर्शन में हजारो लोग जमा होंगे। इसको लेकर कोई शक नहीं है। जब तक राज्य के मुख्यमंत्री इस्तीफा नहीं दे देते हैं, तब तक हम संघर्ष जारी रखेंगे सीएम सिद्धारमैया को घेरते हुए उन्होंने कहा, अगर मुख्यमंत्री में जरा सा भी स्वाभिमान बाकी है तो वे अपने पद से हट जाएं।

युवाओं के लिए रोजगार बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार लगातार कर रही है मंथन- अनुराग ठाकुर

एजेंसी

चंडीगढ़। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने प्रधानमंत्री को देश के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक कार्यकाल पूरा करने पर बधाई दी। उक्त बातें भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सांसद अनुराग ठाकुर ने कहीं। उन्होंने प्रगतिशील बजट के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भी बधाई दी, जो न केवल समाज के सभी वर्गों की जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि आकांक्षी भारत की जरूरतों को भी पूरा करता है। उन्होंने कहा कि दस वर्षों में बजट का आकार लगभग तीन गुना बढ़ गया है। पूंजीगत व्यय में भी 5 लाख करोड़ से 7 लाख करोड़, 10 लाख करोड़ और अब 11.11 लाख करोड़ की बड़ी छलांग है। जब सरकार का पूंजीगत व्यय इतना अधिक होगा, तो इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा। इससे निजी क्षेत्र में निवेश भी बढ़ेगा, रोजगार सृजन होगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और हमारा आधारभूत ढांचा मजबूत होगा। हमारा राजकोषीय घाटा अब 4.9त्न से घटकर 4.5त्न पर आने का लक्ष्य है। हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 2014 के 320 बिलियन डॉलर से बढ़कर 666 मिलियन डॉलर हो गया है।

उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के लिए बजट में किए गए प्रावधानों का ब्यौरा दिया। गरीब, किसान, महिला और युवा, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए वर्ग हैं। बजट में इन पर विशेष जोर दिया गया है। युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए नई

शिक्षा नीति और कौशल विकास मंत्रालय का संचालन किया गया, जिसमें शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए लगभग 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। सहकारी संघवाद का सम्मान करते हुए राज्यों को अगले पचास वर्षों के लिए बिना ब्याज के 1.5 लाख करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय को 2.66 लाख करोड़ का भारी भरकम बजट दिया गया है। महिलाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से एक करोड़ लखपति दीदियों का निर्माण किया गया है, जिसमें तीन करोड़ लखपति दीदियों को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है।किसानों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुरूप भाजपा सरकार किसानों को उत्पादन लागत का 50त्न देने के लिए प्रतिबद्ध है और एमएसपी में लगातार वृद्धि के साथ ऐसा कर रही है। मोदी सरकार ने दस वर्षों में 18.40 लाख करोड़ रुपये की एमएसपी पर फसलें खरीदी हैं, जबकि यूपीए शासन के दौरान यह आंकड़ा 5.5 लाख करोड़ रुपये था।

यूपीए द्वारा लगाए गए एंजल टैक्स को समाप्त करने तथा अन्य उपायों के माध्यम से सरकार स्टार्टअप्स को बढ़ावा दे रही है, जिनकी संख्या 350 से बढ़कर 1,20,000 हो गई है।एक सवाल के जवाब में उन्होंने विपक्ष शासित राज्यों द्वारा नीति आयोग के बहिष्कार पर नाराजगी जताई। विपक्ष शासित राज्यों ने नीति आयोग के मंच का इस्तेमाल सिर्फ राजनीति करने के लिए किया। उन्होंने कहा कि भाजपा विपक्ष में थी, वे हमेशा योजना आयोग की बैठकों में जाते थे और अपने मुद्दे रखते थे। राज्यों से फीडबैक तंत्र का न होना गलत है। क्या आज राज्यों के चुने हुए प्रतिनिधि सिर्फ राजनीति करने के लिए खुद को इस व्यवस्था से दूर रखना चाहते हैं? हमने पिछले कुछ सालों में संसद में भी यही देखा है, विपक्ष सिर्फ हंगामा करना चाहता था।

फैशन की रिमझिम

मौसम है गर्मी और आर्द्रता का तो कपड़े भी होने चाहिए उसके अनुकूल। इस मौसम में भारी और सजावटी सिल्क व ब्रोकेड के परिधानों से दूरी बनाएं और अपनाएं मलमल, सॉफ्ट कॉटन और जूट के परिधान पहनें।

नेचुरल फाइबर

गर्मी में नेचुरल फाइबर से बने कॉटन और जूट के परिधानों से बेहतर कुछ भी नहीं। ये त्वचा को सांस लेने में मदद करते हैं। साथ ही गर्मी के कारण त्वचा पर चकत्ते पड़ने और एलर्जी होने की समस्या से भी मुक्ति दिलाते हैं। गर्मी के मौसम में सिंथेटिक परिधानों से बचना चाहिए। चिकन के कपड़े भी गर्मी के लिहाज से अच्छे हैं। वहीं चिकनकारी के काम से सजे परिधान भव्य भी लगते हैं। गोसामर क्वालिटी चिकन आपको कई तरीके से कूल रखता है।

फ्लोरल प्रिंट

शार्ट स्कर्ट और शा ?र्ट्स पहनने का यही है मौसम। उनके साथ मैच करें स्ट्रैपी ब्लाउज। इस तरह बन जाएगा आपका कूल फैशन स्टेटमेंट। फ्लोरल प्रिंट में डेलीकेट और फ्लोइंग ड्रेस भी गर्मी के इस मौसम में अच्छी लगेंगी। प्लेफुल वाटरकलर प्रिंट्स भी गर्मी में लगते हैं बेहतरीन।

स्लीवलेस स्टाइल

एथनिक व पांपरिक कढ़ाई से सजी स्लीवलेस चोली भी है गर्मी के फैशन का हिस्सा। उसके संग चुनें एथनिक लुक वाली साड़ी और आप बन जाएंगी हर पार्टी की जान।

कलर्स

यह माना जाता है कि गर्मी में हल्के और पेस्टल कलर अच्छे लगते हैं, पर ब्राइट कलर्स का चुनाव भी है एक अच्छा आइडिया। ब्राइट रेड, फ्यूशिया, लीफ ग्रीन, कनारी यलो, ऑरेन्ज और पिंक कलर से बनेगी बात।

डेनिम

डेनिम के साथ मैच करें फ्रूटी शेड्स में फिटिंग के टॉप। इसके अलावा खूबसूरत पारंपरिक रंगों में एथनिक कुर्ती भी डेनिम के साथ स्मार्ट लुक देगी। आप खूबसूरत लेस वाले टॉप भी चुन सकती हैं।

हल्के फैब्रिक

बेहद हल्के फैब्रिक पुरुषों के लिए भी हैं कूल और एलीगेंट चॉइस। हल्के फैब्रिक और चटख रंग की श ?र्ट्स के साथ लिनेन की पैंट्स आकर्षक लगेगी।

ऑफिस

फॉरमल वेयर को भी आप कूल बना सकते हैं। लिनेन, कॉटन, जूट जैसे नेचुरल फाइबर्स चुनें। दिन के लिए स्ट्राइप्स, डॉट्स और पेस्टल शेड्स हैं परफेक्ट।

ईवनिंग वेयर

बारबेक्यु या बीच पार्टी के लिए स्टाइल और खूबसूरत रंगों से करें अपने ड्रेसिंग सेंस को कंप्लीट। कूल टीशर्ट के साथ विंटेज जींस, लिनेन शॉर्ट्स के साथ फ्लोरल प्रिंट्स, मुसलिन की झीनी शर्ट्स के साथ जूट की पैंट्स आपको मौसम के अनुकूल कूल लुक देगी।

एक्सेसरीज

बीड्स, ब्रेसलेट्स और चार्म सिर्फ लड़कियों के लिए नहीं, बल्कि लड़कों के लिए भी हैं स्मार्ट एक्सेसरी। मौसम के मिजाज के अनुकूल परिधान के संग बेरी कलर का ब्रेसलेट परफेक्ट लगेगा। वहीं लड़कों को दिखना है स्टाइलिश तो वे अपना सकते हैं लेदर के साथ बीड्स ब्रेसलेट और गले में सिल्वर चेन। एक्सेसरीज ऐसी चुनें जो बहुत भारी न हों। याद रखें हल्की और स्टाइलिश एक्सेसरीज ही लगेगी अच्छी।

स्कार्फ

फ्लोरल प्रिंट्स, फ्रूटी कलर्स, हल्के व फ्लोइंग का है फैशन। गर्मी के मौसम में स्कार्फ चुनते वक्त उपरोक्त बातों का रखें ध्यान। इसे आप सी-बीच, पार्टी या ऑफिस कहीं भी पहन सकती हैं। सभी जगहों पर स्कार्फ अच्छा लगेगा।

खुद बनाएं मनपसंद हेयर स्टाइल

आपको पार्टी में जाना है और हेयर स्टाइलिस्ट के पास जाने का वक्त नहीं है! ऐसी स्थिति से महिलाएं अकसर दो-चार होती है। समय की कमी के चलते अकसर हमें अपने हेयर स्टाइल को इग्नोर करना पड़ जाता है। फिक्र न करें। जावेद हबीब आपको बता रहे है कुछ आसान और क्विक हेयर स्टाइलिंग के टिप्स जिससे आप बालों की स्टाइलिंग खुद कर सकती हैं।

1. अगर आपको वेवी लुक पसंद है तो बस हेयर ब्रश, टेक्सचराइजिंग क्रीम और हेयर ड्रायर के सहारे आप अपने बालों को वेवी लुक देकर उनमें वॉल्यूम पैदा कर सकती हैं।

2. अगर आपको स्ट्रेट हेयर लुक चाहिए तो शॉवर के बाद अपने बालों को तौलिये से सुखा लें। फिर टेक्सचराइजिंग जेल को उंगलियों में लगाकर बालों की लटों में फैलाएं और कंघी करें। इससे आपके बाल सुलझे और स्ट्रेट दिखेंगे।

3. बालों को बाउंसी लुक देने के लिए सिर झुकाकर उन्हें पलट कर ब्लो ड्राई करें। करीब दस मिनट तक पलटे हुए बालों में कंघी करने से बालों में अच्छा बाउंस आ जाता है जो आपको फ्लैट और बोरिंग लुक से निजात देता है।

4. अपने बालों में खुशबू पैदा करने के लिए कंघी या हेयर ब्रश पर अपना मनपसंद परफ्यूम स्प्रे करें। इससे बाल सुलझाने पर बालों में महक आनी शुरू हो जाएगी जो लोगों को आपकी तरफ आकर्षित जरूर करेगी।

5. बालों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए अच्छे शैंपू और कंडीशनर का प्रयोग भी जरूरी होता है। ज्यादातर शैंपू व कंडीशनर इतने गाढ़े होते हैं कि सिर की त्वचा पर जम जाते है और अच्छी तरह से साफ भी नहीं होते। ऐसे गाढ़े शैंपू या कंडीशनर्स को प्रयोग करने से पहले पानी डालकर पतला कर लें।

6. घर में सलून जैसी हेयर स्टाइलिंग करने के लिए सबसे पहले बालों को छोटे-छोटे सेक्शंस में बांट लें। हॉट रोलर्स, ब्लो ड्रायर और स्टाइलिंग जेल के साथ इनमें से एक-एक सेक्शन को कर्ल करें, बेहतरीन हेयर स्टाइल तैयार हो जाएगा।

स्पा का है यह सीजन

स्पा के लिए सबसे बेहतर मौसम है मानसून। वातावरण में घुली नमी, शीतलता और हवा में स्वच्छता के मध्य स्पा से शरीर को मिलती हैं ऐसी ताजगी, जो किसी और मौसम में मुमकिन नहीं.. अगर बात मानसिक शांति और तनाव मुक्ति की हो रही हो और स्पा का जिक्र न हो तो बात अधूरी ही मानी जाएगी। स्पा से आशय है सेनस पर एक्वम से। जिसका अर्थ है जल के इस्तेमाल से स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की प्रक्रिया। यह माना जाता है कि इसकी उत्पत्ति 14वीं शताब्दी में बेल्जियम में हुई थी। धीरे-धीरे इसका चलन पूरे यूरोप में फैल गया। इसके तौर-तरीकों में भी बदलाव हुआ। कुछ स्थानों पर स्पा में मिनरल्स और समुद्री पानी का इस्तेमाल किया जाता है तो कहीं पर अन्य समुद्री सामग्री के माध्यम से शरीर को तनावमुक्त और स्फूर्ति प्रदान करने की प्रक्रिया को स्पा कहते हैं। हालांकि आज इसके मायने काफी हद तक बदल चुके हैं। यह लोगों को मौका देता है तनाव दूर करने का, ब्यूटी ट्रीटमेंट का, हाथ और पैरों को संवारने का, वह भी कुदरत के माध्यम से।

क्या हैं फायदे

- स्पा थेरैपी शरीर में ऑक्सीजन के साथ ही रक्त के प्रवाह को तेज करके तनाव और थकान दूर करने में मदद करती है।
- स्पा थेरैपीज मस्कुलर , स्केलेटल , सर्कुलेटरी , रेस्पिरेटरी , एंडोक्राइन (अंतःस्रावी), लिम्फेटिक (लसीका संबंधी) और नर्वस सिस्टम को बेहतर बनाने के साथ ही भावनात्मक और मानसिक तौर पर भी शांति प्रदान करती हैं। इससे थकान, उदासी दूर होने के साथ ही मांसपेशियों में भी मजबूती आती है।
- स्पा बॉडी मसाज ब्लड प्रेशर कम करने के साथ ही प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। यह मसाज तनाव बढ़ाने वाले हार्मोन्स का स्तर कम करता है और दिमाग को शांति पहुंचाने वाले हारमोन्स जैसे सेरेटोनिन के स्राव का स्तर बढ़ाता है।

बॉडी रैप और मड बाथ भी स्पा के दूसरे प्रसिद्ध ट्रीटमेंट हैं। यह त्वचा के टेक्सचर को बेहतर बनाने के साथ ही त्वचा में नई रंगत पैदा करते हैं। बॉडी रैप शरीर को डीटॉक्सीफाई, टेंपरेरी इंच लॉस, त्वचा में कसाव और कोमलता लाने के साथ ही लिम्फेटिक सिस्टम और मेटॉबालिज्म स्तर को सुधारता है। वहीं मड थेरैपी त्वचा में कसाव लाने, उसकी सफाई करने, चमकदार बनाने के साथ ही उसे एक्सफॉलिएट भी करती है। आजकल स्पा थेरैपीज के साथ बोटॉक्स और फिलर्स का कॉम्बीनेशन जिन्हें मेडी स्पा कहते हैं लोगों को रिझा रहे हैं।

समय हो सही

मानसून स्पा के लिए सबसे बेहतर मौसम इसलिए है, क्योंकि इस दौरान मौसम तो नम होता ही है। साथ ही हवा में धूल-मिट्टी भी कम होती है। इस मौसम में शरीर के सूक्ष्म छिद्र आसानी से खुल जाते हैं और ट्रीटमेंट और बेहतर हो पाता है। लगभग तीन माह में एक बार अपने दोस्तों या पति के साथ स्पा का मजा जरूर लें। हां, पैडीक्योर और मैनीक्योर हर महीने कराती रहें। स्पा में सामान्य तौर पर मिलने वाली सर्विस के अलावा आप जैली रब, एरोमैटिक एक्सफॉलिएटिंग स्क्रब, हाइड्रेटिंग मास्क, हॉट टॉवेल रैप, पैराफिन डिप के अलावा कई चीजों का आनंद ले सकती हैं।

क्या न करें

- ट्रीटमेंट के कम से कम एक घंटे के बाद ही किसी चीज का सेवन करें। इसी प्रकार यदि आपने कुछ खाया है तो करीब एक-डेढ़ घंटे बाद ही स्पा का रुख करें।
- यदि पैरों में कट या कोई चोट है तो फिश पैडीक्योर न कराएं। यह खतरनाक इन्फेक्शन पैदा कर सकता है।
- कभी भी खुले लूफाह का इस्तेमाल न करें।
- यदि आप क्लॉस्ट्रोफोबिया (किसी स्थान पर बंद हो जाने को लेकर भय) के शिकार हैं तो रैप और स्टीम थेरैपीज से बचें।
- सोराइसिस और डर्मेटाइटिस जैसी किसी भी तरह की त्वचा संबंधी समस्या होने पर बिना डॉक्टर की सलाह के स्पा ट्रीटमेंट से दूर रहें।

ध्यान रखें

- किसी भी स्पा ट्रीटमेंट का लाभ उठाने से पहले उस संस्थान के परिचय पत्र के साथ ही उसकी संपूर्ण जानकारी अवश्य लें।
- बुकिंग कराने से पहले अपनी जरूरत के बारे में थेरैपिस्ट से विस्तृत चर्चा अवश्य करें।
- यदि आपकी त्वचा सेंसिटिव है तो आयोडीन और मड ट्रीटमेंट से एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए सावधानी बरतें। यदि ट्रीटमेंट के दौरान खुजली महसूस हो तो फौरन ही ट्रीटमेंट बंद कर दें।
- कॉस्मेटिक या डर्मेटोलॉजी ट्रीटमेंट लेने से पहले डॉक्टर के अनुभव के बारे में जानकारी अवश्य जुटा लें। इसके लिए उन लोगों से बातचीत कर सकती हैं जो वहां ट्रीटमेंट ले चुके हों।

कलर ऑफ द ईयर मारस्ला

फैशन की दुनिया में रंगों का भी अलग महत्व है। इस बार ट्रेंड बनकर उभरा है मारस्ला कलर। फैशन जगत की नामचीन हस्तियों ने इसे दिया है कलर ऑफ द ईयर का खिताब। दरअसल ड्रेस, फैशन एक्सेसरीज से लेकर होम फर्निशिंग तक सभी में इसका जादू छाया है। रेड और ब्राउन के मिक्स से बना मारस्ला कलर देता है एलीगेंट लुक। इसके साथ ही ये देता है आत्मविश्वास और स्थिरता का संतुष्टि भरा अहसास। परिधानों के मामले में सिल्क और शिफॉन जैसे रिच फैब्रिक इस कलर का ग्रेस बढ़ाते हैं। इस कलर की ड्रेस का चुनाव करने जा रही हैं तो परफेक्ट मिक्स एंड मैच का ख्याल रखें। मारस्ला कलर की ड्रेस के साथ स्कार्फ किसी अन्य कलर का चुन सकती हैं। जहां तक एक्सेसरीज की बात है हैंडबैग, फुटवेयर, बेल्ट इत्यादि में टॉप पर है मारस्ला। इस कलर की एक्सेसरीज को भी आप बना सकती हैं अपना स्टाइल स्टेटमेंट। वहीं मेकअप प्रोडक्ट्स में भी इस रंग का जवाब नहीं। खास बात यह है कि आपकी रंगत कैसी भी हो, सभी पर जंचती है मारस्ला कलर की नेलपॉलिश व लिपस्टिक। नेलपॉलिश में गोल्डन से नेल आर्ट बेहद आकर्षक लगेगी। होम फर्निशिंग की बात करें तो मारस्ला कलर में लेदर के सोफे से लेकर वॉल पेंट तक कुछ भी चुन सकती हैं, किसी भी रूप में मारस्ला का स्पर्श आपके घर को देगा क्लासी लुक। अब देर किस बात की कलर ऑफ द ईयर को अपनाकर निखारें अपना घर और व्यक्तित्व दोनों।

बिजय, अरूप ने जीता बैडमिंटन चैंपियनशिप का खिताब

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के अनुभवी बैडमिंटन जोड़ी बिजय कुमार बर्मन और अरूप बुढ़ागोहाई ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए सीलोन मास्टर्स इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 का खिताब जीत लिया। उन्होंने पुरुषों के 55 वर्ष आयु वर्ग के युगल वर्ग में स्थानीय श्रीलंकाई खिलाड़ियों ललित निहाल अमरसेना और दर्शन सेनारत्ना को 19-21, 21-15 और 21-17 सेटों से हराया।यह टूर्नामेंट कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित किया गया था। बिजय और अरूप की जोड़ी ने पहला सेट हारने के बाद आखिरी दो सेटों में शानदार प्रदर्शन किया और पावर पैक्ड स्मैश दिखाते हुए प्रतिष्ठित खिताब जीता। ये दोनों असम सीनियर बैडमिंटन क्लब के सदस्य हैं।

मुक्केबाज निखत जरीन ने प्री क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

पेरिस। भारतीय महिला मुक्केबाज निखत जरीन ने पेरिस ओलंपिक खेलों में जर्मनी की मैक्सी करीना क्लोएट्जर पर 5-0 की जीत दर्ज करते हुए महिलाओं के 50 किग्रा स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। राउंड ऑफ 32 में मुकाबले की शुरुआत में जर्मनी की मुक्केबाज निखत पर हमलावर रही। हालांकि इस दौरान भारतीय मुक्केबाज ने भी कुछ जोरदार पंच लगाए लेकिन पहले राउंड के बाद जजों का फैसला 3-2 से क्लोएट्जर के पक्ष में रहा। निखत ने दूसरे राउंड के शुरुआती सेकेंड से ही हमलावर रुख अख्तियार किया।

नियमों को न मानने के लिए दोनों मुक्केबाजों के एक-एक अंक काटे गए, लेकिन निखत ने मैच को अपने पक्ष में कर लिया और दूसरे राउंड में सर्वसम्मत जीत हासिल कर की। दो बार की विश्व चैंपियन तीसरे राउंड में भी हावी रही शुरुआती दो मिनट के बाद वापसी करते हुए निखत ने जीत दर्ज की। निखत का मुकाबला अब एक अगस्त को प्री क्वार्टर फाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त वू यू से होगा। उल्लेखनीय है कि वू यू 52 किग्रा में मौजूदा विश्व चैंपियन हैं और एशियाई खेल 2023 में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय पुरुष मुक्केबाज अमित पंघाल का मुकाबला (51 किग्रा) में 30 जुलाई को जाम्बिया के पैट्रिक चिनेम्बा से होगा वहीं महिला मुक्केबाज जैस्मीन लेम्बोरिया 57 किग्रा वर्ग में टोक्यो 2020 की रजत पदक विजेता फिलीपींस की नेस्टी पेटेसियो से मुकाबला करेगी।

मनिका बत्रा और श्रीजा महिला टेबल टेनिस के दूसरे दौर में, शरत बाहर

पेरिस। भारत की टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला ने पेरिस ओलंपिक में महिला टेबल टेनिस स्पर्धा में शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को मात देकर अगले दौर में जगह बना ली है। वहीं पुरुष वर्ग में शरत कमल का राउंड ऑफ 64 में हार के बाद अभियान समाप्त हो गया है। भारतीय टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने महिला एकल वर्ग के मुकाबले में ब्रिटेन की अन्ना हर्सी को 4-1 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। आज यहां मनिका ने मुकाबले में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 11-8, 12-10, 11-9, 9-11, 11-5 से मुकाबला जीत लिया। इसकी के साथ वही महिला एकल वर्ग में राउंड ऑफ 32 में पहुंच गई है। वह राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाली दूसरी भारतीय महिला बन गई हैं। राउंड ऑफ 32 में मनिका बत्रा का मुकाबला भारतीय मूल की फ्रांसीसी खिलाड़ी पृथिका पावड़े से होगा। इससे पहले भारत की उभरती टेबल टेनिस स्टार श्रीजा अकुला ने पेरिस ओलंपिक में राउंड ऑफ 64 के मुकाबले में स्वीडन की खिलाड़ी क्रिस्टीना कल्बर्ग पर जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया। श्रीजा ने आक्रामक शुरुआत करते हुए बढ़त बनाई। इसके बाद पहला गेम 11-4 से, दूसरे गेम में 9-11 से, तीसरा गेम 11-7 से जीता और आखिरी गेम को 11-7 से जीतकर दर्ज वह अगले दौर में पहुंच गई।

बेन स्टोक्स ने सबसे तेज अर्धशतक जड़ा, इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 10 विकेट से हराया

बर्मिंघम (इंग्लैंड)। बेन स्टोक्स के अपने देश के लिए सबसे तेज अर्धशतक और मार्क वुड के पांच विकेट से इंग्लैंड ने यहां तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन वेस्टइंडीज को 10 विकेट से हराकर श्रृंखला 3-0 से क्लीन स्वीप की। इंग्लैंड के कप्तान ने अपना अर्धशतक पूरा करने के लिए सिर्फ 24 गेंद खेली। उन्होंने 28 गेंद में 57 रन बनाए और क्रेग ब्रैथवेट की गेंद पर

छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। बेन डकेट ने 16 गेंद में 25 रन का योगदान दिया। इस सलामी जोड़ी ने लगभग 12 के रन रेट से रन जुटाए जिससे इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 7.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए 87 रन बनाकर जीत हासिल की। वेस्टइंडीज ने दो विकेट पर 33 रन से खेलना शुरू किया लेकिन वुड की गेंदबाजी के सामने पूरी टीम 175 रन पर ढेर हो गई जिन्होंने 40 रन देकर 5 विकेट झटके। इससे इंग्लैंड को जीत के लिए 82 रन का लक्ष्य मिला। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट पारी और 114 रन से और दूसरा टेस्ट 241 रन से जीता था।

क्रिकेट का ओलंपिक हिस्सा बनना सचमुच अभूतपूर्व : राहुल द्रविड़

एजेंसी

पेरिस। भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक के खेल कार्यक्रम में क्रिकेट को शामिल किए जाने की सराहना करते हुए इसे वास्तव में अभूतपूर्व बताया। द्रविड़ ड्रीम स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित एक विशेष पैनल चर्चा का हिस्सा थे, जिसका शीर्षक था 'ओलंपिक में क्रिकेट - एक नए युग की शुरुआत', जो चल रहे पेरिस ओलंपिक में पहली बार इंडिया हाउस में आयोजित किया गया था। इंडिया हाउस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में द्रविड़ के हवाले से कहा गया, अगर आपको खेल से उतना ही प्यार है जितना मुझे है, तो आप ओलंपिक के साथ बड़े हुए हैं। मेरी सबसे पुरानी यादें कार्ल लुईस के ओलंपिक जीतने और भारत में टेलीविजन के आने से जुड़ी हैं। एक इन महान एथलीटों को खेलते और खेलते देखने के लिए टेलीविजन सेट से चिपके रहते थे। आप हमेशा एक महान आयोजन का हिस्सा बनना चाहते हैं। क्रिकेट में आपके पास शानदार आयोजन हैं, लेकिन वे

व्यक्तिगत आयोजन हैं। इस तरह के माहौल, ऊर्जा और जोश में होना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक सपने के सच होने जैसा है। पैनल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सीईओ ज्योफ एलार्डिस और ड्रीम स्पोर्ट्स के सीईओ हर्ष जैन भी शामिल थे।

एलार्डिस ने खेल को आगे बढ़ाने के आईसीसी के दृष्टिकोण के बारे में कहा, आप देख सकते हैं कि टी20 विश्व कप में यूएसए ने कैसा प्रदर्शन किया और अचानक से क्रिकेट के बारे में न जानने वाले लोग भी यूएसए टीम के प्रदर्शन के बारे में बात करने लगे। 2028 में ओलंपिक की मेजबानी से पहले, यह पहला वास्तविक बयान था। ओलंपिक की मेजबानी से चार साल पहले यूएसए के पास वास्तव में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट टीम होना वास्तव में एक अच्छा कदम है।

क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किए जाने को बहुत पहले से लंबित बताते हुए जैन ने कहा, आईसीसी के 100 से ज्यादा सदस्य हैं, इसलिए दुनिया के आधे से ज्यादा लोग क्रिकेट खेलते हैं। यह दुनिया के लिए एक बड़ी जीत है कि एक अरब से ज्यादा लोग ओलंपिक देखेंगे। यह भारत और क्रिकेट के लिए एक बड़ा क्षण है। यह दुनिया में क्रिकेट के विकास के लिए एक बड़ा क्षण है। जमीनी स्तर पर क्रिकेट को शामिल करने के लिए बहुत ज्यादा धन खर्च किया जाएगा। द्रविड़ ने अमेरिका में खेल के प्रति जुनून पर भी बात की और कहा कि वहां इस खेल के प्रति जबरदस्त जुनून है। भारत के पूर्व मुख्य कोच ने कहा, हमें पता है कि अमेरिका में क्रिकेट के लिए अविश्वसनीय दर्शक हैं। हम यह सिर्फ अमेरिका से विश्व कप के अन्य आयोजनों में आने वाले लोगों की संख्या से जानते हैं। अमेरिका में इस खेल के लिए बहुत जुनून है। खेल को बढ़ावा देना और अधिक लोगों का खेल खेलना अभूतपूर्व है। खुद को खेल प्रशंसक बताने वाले द्रविड़ ओलंपिक में क्रिकेट के शामिल होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से लगता था कि क्रिकेट को इसका हिस्सा होना चाहिए। यह वास्तव में एक शानदार खेल है। दुनिया भर में बहुत से लोग इसे पसंद करते हैं। यह मेरे जैसे किसी व्यक्ति के लिए शानदार है जो अब केवल एक प्रशंसक है। यह वास्तव में अभूतपूर्व है।

पेरिस ओलंपिक टेबल टेनिस : राउंड ऑफ 64 मैच में हारे हरमीत देसाई

जेंसी

पेरिस। भारतीय पैडलर हरमीत देसाई को रात पेरिस ओलंपिक में टेबल टेनिस पुरुष एकल के 64वें राउंड के मैच में फ्रांस के फेलिक्स लेब्रन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।हरमीत देसाई को फेलिक्स लेब्रन के

खिलाफ 11-8, 11-8, 11-6, 11-8 से हार का सामना करना पड़ा। लेब्रन ने पहले सेट से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और मैच को सिर्फ 28 मिनट में ही समाप्त कर दिया।31 वर्षीय भारतीय पैडलर ने शनिवार को प्रारंभिक दौर में जॉर्डन के जैद अबो यमन को सीधे गेम में हराकर पेरिस 2024 के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया था। लेकिन टेबल टेनिस पुरुष एकल स्पर्धा में आगे बढ़ने में असफल रहे।

अगली आईसीसी बैठक की मेजबानी करेगा बांग्लादेश

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष नजमुल हसन ने कहा कि बांग्लादेश अगली आईसीसी बोर्ड बैठक की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और साथ ही खेल की शासी संस्था के चुनाव होने की भी संभावना है।

ग्रेग बार्कले आईसीसी के वर्तमान अध्यक्ष हैं। नवंबर 2022 में, बार्कले को सर्वसम्मति से दूसरे दो साल के कार्यकाल के लिए आईसीसी के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, जो इस साल के अंत में समाप्त हो रहा है।

नजमुल ने सचिवालय में एक अचानक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संवाददाताओं से कहा, यह पुष्टि हो गई है कि अगली आईसीसी बोर्ड बैठक ढाका में होगी। संभवतः आईसीसी चुनाव भी यहीं होंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आईसीसी चुनाव यहीं होंगे क्योंकि वर्तमान अध्यक्ष की यह आखिरी बोर्ड बैठक होगी। हमें इस समय तक अपना चुनाव जनादेश देने की उम्मीद है।नजमुल ने आगे बताया कि आईसीसी देश में अशांति को लेकर चिंतित है, लेकिन आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में उनकी मौजूदगी ने शासी निकाय को आश्वस्त किया है

कि बांग्लादेश आगामी महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी की योजना पर काम कर रहा है।

इससे पहले, बीसीबी के मुख्य कार्यकारी निजामुद्दीन चौधरी और बीसीबी महिला विंग के अध्यक्ष शफीउल आलम चौधरी नाडेल ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त की थी।ऐसी खबरें थीं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सदस्य बांग्लादेश में स्थिति पर नजर रख रहे हैं, जहां सरकार को सड़कों पर लोगों के विरोध प्रदर्शन के बाद राज्य के मामलों को नियंत्रित करने के लिए पिछले सप्ताह आपातकाल लगाना पड़ा था, जिसे अभी तक हटाया नहीं गया है।नजमुल ने इसे पूरी तरह से नकारा नहीं, लेकिन जोर देकर कहा कि विभिन्न देशों के प्रतिनिधि आश्वस्त थे कि श्रीलंका में आईसीसी की बैठक में पहुंचने के बाद टूर्नामेंट को तय कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया जा सकता है। नजमुल ने कहा, जब मैं वहां गया था, तो देश की स्थिति बहुत खराब थी और बांग्लादेश के साथ बाहर से कोई संवाद नहीं था और उन्हें जो खबरें मिल रही थीं, उससे वे काफी डरे हुए थे। लेकिन मुझे देखने के बाद उन्होंने कहा कि कम से कम आप यहां हैं। तो इससे उन्हें यकीन है कि देश में सब कुछ ठीक है। इसके बाद इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई और वे बस यही जानना चाहते थे कि क्या हुआ था। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात महिला विश्व कप है जिसकी मेजबानी हम यहां करेंगे।

पेरिस ओलंपिक : बोपन्ना-बालाजी की जोड़ी पहले दौर में हारकर बाहर

एजेंसी

पेरिस। रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी की भारतीय जोड़ी रविवार देर रात पेरिस ओलंपिक में टेनिस पुरुष युगल स्पर्धा के पहले दौर के मैच में हारकर बाहर हो गई।

भारतीय जोड़ी को फ्रांसीसी जोड़ी गेल मोनफिल्स और एडौर्ड रोजर-वेसलिन के खिलाफ सीधे सेटों में 7-5, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। यह खेल 1 घंटे 16 मिनट तक चला।

फ्रांसीसी जोड़ी ने अपने तीन ब्रेक-पॉइंट मौकों में से दो को भुनाया, जिससे उन्हें पहला सेट जीतने में मदद मिली। इस बीच, बोपन्ना-बालाजी ने 15 अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे वे मैच पर नियंत्रण नहीं बना पाए। दूसरे सेट में फ्रांसीसी जोड़ी ने चौथे और आठवें गेम में बोपन्ना-बालाजी की सर्विस तोड़कर सीधे जीत हासिल की। ?? इससे पहले दिन में भारत ने पेरिस ओलंपिक में अपना पहला पदक जीता जब शीर्ष निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 22 वर्षीय मनु भाकर ओलंपिक में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। भाकर ने 221.7 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीतकर चल रहे मेगा इवेंट में भारत को पहला पदक दिलाया।

अर्जुन बबूता 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचे

जेंसी

शेटराउ (फ्रांस)। भारतीय निशानेबाज अर्जुन बबूता ने यहां क्वालीफिकेशन में सातवें स्थान पर रहते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। 25 साल के बबूता ने 105.7, 104.9, 105.5, 105.4, 104.0 और 104.6 अंक की सीरीज के साथ कुल 630.1

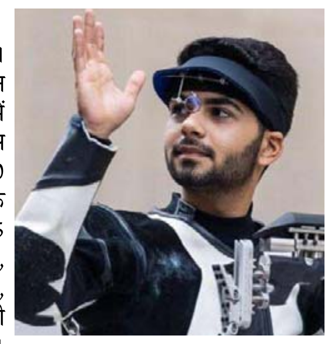

अंक जुटाए। बबूता सोमवार को आठ निशानेबाजों के फाइनल में पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे। वह शनिवार को रमिता जिंदल के साथ मिश्रित टीम फाइनल में जगह बनाने से चूक गए थे। भारतीय जोड़ी क्वालीफिकेशन में छठे स्थान पर रही थी। वर्ष 2016 से राष्ट्रीय टीम में शामिल चंडीगढ़ के बबूता ने पिछले साल चांगवोन में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप के जरिए ओलंपिक कोटा हासिल किया था। सेना के संदीप सिंह इसी स्पर्धा में 629.3 अंक के साथ 12वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। संदीप का इसके साथ ही पेरिस खेलों में अभियान खत्म हो गया। उन्होंने अप्रैल-मई में हुए चयन ट्रायल में विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल को पछाड़कर पहली बार ओलंपिक में खेलने का हक पाया था। चीन के शेंग लिहाओ 631.7 अंक के साथ क्वालीफाइंग दौर में शीर्ष पर रहे।

पेरिस ओलंपिक की पदक तालिका में भारत का खाता खुला, शूटर मनु भाकर को मिला कांस्य पदक

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 की पदक तालिका में भारत का खाता खुल गया है। भारत की स्टार शूटर मनु भाकर ने इतिहास रचते हुए कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। 22 साल की निशानेबाज ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद कांस्य पदक जीता। इसी के साथ वह ओलंपिक में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय

महिला बनीं। मनु भाकर ने आठ महिलाओं के फाइनल में 221.7 का स्कोर हासिल किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण और रजत पदक दक्षिण कोरिया की दो खिलाड़ियों ने जीता। ओह ये जिन 243.2 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक और किम येजी ने 241.3 के स्कोर के साथ रजत पदक अपने नाम किया।

वर्षा बाधित मैच में भारत ने श्रीलंका को 7 विकेट से हराया, टी20 श्रृंखला में बनाई अपराजेय बढ़त

एजेंसी

पल्लेकल। तीन टी20 मैचों की श्रृंखला में खेले गए दूसरे मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को 7 विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली है। बारिश से बाधित इस मैच में डकवर्थ लुईस नियम के तहत भारत के सामने 8 ओवर में 78 रनों का लक्ष्य था, जिसे टीम इंडिया ने 9 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने एक बदलाव के साथ संजू सैमसन को यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करने को भेजा।दो गेंद फेंके जाने के बाद ही बारिश शुरू हो गई, जिससे मैच रुक गया। हालांकि जब खेल शुरू हुआ

तो डकवर्थ लुईस नियम के तहत भारत को 8 ओवर में 78 रन बनाने का संशोधित लक्ष्य मिला। सैमसन एक बार फिर विफल रहे और बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और यशस्वी ने मोर्चा संभाला और 39 रनों की साझेदारी कर पारी को पटरी पर ले आए। सूर्या ने 12 गेंदों पर 26 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। जबकि यशस्वी जायसवाल ने 15 गेंदों पर 30 रनों का योगदान दिया। आखिर में हार्दिक पांड्या ने 9 गेंद पर 22 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। ऋषभ पंत 2 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका के लिए महीशा पथिराना, वानिंदु हसरंगा और मथीशा तीक्षणा ने 1-1 विकेट चटकाए।

इससे पहले भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रनों का स्कोर बनाया। श्रीलंका के लिए कुसल परेरा ने सबसे अधिक 53 रन बनाए। पथुम निशांका ने 32 रन, कमेंडु मेंडिस ने 26 और चरिथ असलंका ने 14 रन बनाए। जबकि ओपनर कुशल मेंडिस ने 10 रन और रमेश मेंडिस ने 12 रन का योगदान दिया।

भारत की तरफ से रवि बिश्नोई ने 3 विकेट अपने नाम किए। जबकि अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या और अर्शदीप सिंह को 2-2 सफलता मिली।

पेरिस ओलंपिक : केविन कॉर्डन टूर्नामेंट से हटे, लक्ष्य सेन की जीत बेकार

एजेंसी

पेरिस। भारत के शीर्ष शटलर लक्ष्य सेन की पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन पुरुष एकल ग्रुप एल मैच में ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन पर शानदार जीत को 'हटा दिया गया है। कॉर्डन ने बाएं कोहनी की चोट के कारण बहु-खेल प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया है, जिसके बाद नियमों के आधार पर इस मैच के परिणाम को हटा दिया गया।

कोहनी की चोट के कारण कॉर्डन चल रहे पेरिस ओलंपिक से हट गए, जिसके बाद अब वह इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और बेल्जियम के जूलियन कैरागी के खिलाफ अपने आगामी ग्रुप एल मैच नहीं खेल पाएंगे। ग्रुप स्टेज खेल के लिए बीडब्ल्यूएफ सामान्य प्रतियोगिता विनियमों के अनुसार,

लक्ष्य सेन और केविन कॉर्डन के बीच मैच का परिणाम हटा दिया गया। भारतीय शटलर को ग्रुप एल में अपने शेष दो मैचों के परिणामों के आधार पर रैंक किया जाएगा। इस बीच, लक्ष्य सेन अब अपने आगामी मुकाबले में 29 जुलाई को जूलियन कैरागी से भिड़ेंगे। इससे पहले शनिवार को लक्ष्य ने चल रहे पेरिस ओलंपिक के ग्रुप एल मैच में केविन कॉर्डन को 21-8, 22-20 से हराया। लक्ष्य ने 42 मिनट तक चले मैच में सीधे सेटों में जीत हासिल की।

इस बीच, भारत ने पेरिस ओलंपिक में अपना पहला पदक जीता जब शीर्ष निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 22 वर्षीय मनु भाकर ओलंपिक में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। भाकर ने 221.7 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीतकर चल रहे मेगा इवेंट में भारत को पहला पदक दिलाया।

श्रीलंका ने पहली बार जीता महिला एशिया कप का खिताब

एजेंसी

दांबुला। श्रीलंकाई महिला टीम ने महिला एशिया कप 2024 का खिताब जीत लिया है। फाइनल में श्रीलंका ने भारतीय महिला टीम को आठ विकेट से हरा दिया। फाइनल में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट खोकर 165 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 18.4 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाकर फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया। श्रीलंका ने पहली बार महिला एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम की है। सबसे ज्यादा बार यह टूर्नामेंट भारतीय महिला टीम ने जीता है। भारतीय टीम ने सात बार महिला एशिया कप की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। एक बार बांग्लादेश ने यह टूर्नामेंट जीता है।

166 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। श्रीलंका की सलामी बल्लेबाज विष्मी गुणारत्ने एक रन बनाकर रन आउट हो गईं। गुणारत्ने के आउट होने के बाद कप्तान चामरी अटापट्टू और हर्षिता समरविक्रमा ने पारी को संभाला और छह ओवर के बाद श्रीलंका का स्कोर एक विकेट पर 44 रन पहुंचाया। श्रीलंका का दूसरा विकेट कप्तान अटापट्टू का गिरा।

अटापट्टू ने 43 गेंदों में 9 चौके और 2 छक्कों की मदद से 61 रन बनाए। इसके बाद श्रीलंका का और कोई विकेट नहीं गिरा। टीम ने 18.4 ओवर में 8 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। हर्षिता समरविक्रमा ने 51 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से शानदार 69 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। कविशा दिलहारी ने 16 गेंदों पर 2 छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 30 रन बनाए। भारतीय टीम की ओर से दीप्ति शर्मा को एक मात्र विकेट मिला।

इससे पहले फाइनल में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 165 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 47 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 60 रन बनाए। मंधाना के अलावा अन्य भारतीय बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। शेफाली वर्मा 19 गेंदों पर 16 रन बनाकर आउट हुईं। उमा छेत्री 9 रन और कप्तान हरमप्रीत कौर 11 रन बनाकर आउट हुईं। अंतिम के ओवरों में जेमिमा रॉड्रिग्स और रिचा घोष ने जरूर तेजी से रन बटोरे। जेमिमा ने 16 गेंदों पर तीन चौके एक छक्के की मदद से 29 रन और रिचा ने 14 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाए। इन दोनों की तेज पारी के दम पर भारतीय टीम का स्कोर 165 रन तक पहुंच पाया। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी ने दो विकेट लिए, जबकि सचिनी निसंसाला, उदेशिका प्रबोधनी और चामरी अटापट्टू ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

राफेल नडाल ओलंपिक एकल के पहले दौर में जीते, जोकोविच से भिड़ेंगे

जेंसी

पेरिस। स्पेनिश स्टार राफेल नडाल ने पेरिस ओलंपिक में अंतिम मिनट में एकल में खेलने का फैसला करते हुए पहले दौर के मैच में मार्टन फुक्सोविक्स पर जीत दर्ज की और अब उनका सामना सर्बिया नोवाक जोकोविच से होगा। नडाल ने यहां 14 बार रोलां गैरों की लाल बजरी पर रिकॉर्ड फ्रेंच ओपन खिताब जीते हैं। उन्होंने फुक्सोविक्स पर 6-1, 4-6, 6-4 से जीत दर्ज की। नडाल का दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाकर स्वागत किया जिनमें से कई ने अपने फोन के कैमरे से उस पल को कैद किया जब वह कोर्ट फिलिप चैटियर में पहुंचे। नडाल और अल्काराज की जोड़ी ने युगल के पहले दौर में शनिवार को अर्जेंटीना के मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोल्टेनी को 7-6, 6-4 से मात दी थी। और साढ़े 18 घंटे बाद नडाल फिर से एकल खेलने कोर्ट पर थे जिसमें खेलने को लेकर पहले स्पष्टता नहीं थी।

सोनाक्षी सिन्हा

ने BFF के नाम लिखा इमोशनल नोट, शेयर की कैंडिड तस्वीरें, लिखा-इस क्रेजी हुमा-एन को

सोनाक्षी सिन्हा अपनी शादी को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं. इस शादी और इसकी तैयारियों में उनकी दोस्त और एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने काफी एक्टिवली काम किया. आज हुमा का 39वां बर्थडे है. इस मौके पर सोनाक्षी ने अपनी बीएफएफ के लिए सबसे प्यारा बर्थडे विश किया है. सोनाक्षी ने हुमा के साथ वाली कई तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, इस क्रेजी हुमा-एन को हैप्पी बर्थडे. एक फोटो के लिए भी मैं सीधी खड़ी नहीं हो सकती. लव यू बाय. सोनाक्षी ने इस कैप्शन में दिल वाला इमोजी भी शामिल किया.हुमा कुरैशी और सोनाक्षी सिन्हा ने साथ में डबल एक्सएल में काम किया था. इसमें जहीर इकबाल भी थे. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी. लेकिन सोनाक्षी और हुमा की इससे गहरी दोस्ती भी हो गई. दोनों को कई बार साथ में लंच पर साथ देखा गया है. दोनों कई अवॉर्ड शो में भी साथ दिखाई देते हैं.

हुमा कुरैशी ने सोनाक्षी सिन्हा-

जहीर इकबाल को दी थी शादी की बधाई

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी में हुमा कुरैशी काफी खुश दिखीं थीं. सोनाक्षी की शादी के बाद, हुमा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक दिल को छू लेने वाली पोस्ट के साथ कपल के साथ वाली तस्वीर शेयर की थी. हुमा ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, दो सबसे अलग शख्सियतज दो अनोखी आत्माएंज लेकिनज साथ में आप दोनों बिल्कुल फिट बैठते हैं.

हुमा कुरैशी की आने वाली फिल्म

हुमा कुरैशी ने आगे लिखा था, मैं इस खूबसूरत क्रेजी इमोशनल लव स्टोरी को देखने जानने के लिए बहुत ही शुक्रगुजार हूंज मेरे दोस्त अब पति और पत्नी बन गए हैं. बात करें वर्कफ्रंट की, तो हुमा कुरैशी इन्वेस्टिगेटिव पुलिस प्रोसीजरल ड्रामा 'बयान' में लीडर रोल में दिखेंगी. फिल्म की शूटिंग इसी महीने राजस्थान में शुरू होगी. वहीं, सोनाक्षी सिन्हा के पास भी कई प्रोजेक्ट हैं. 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में उनकी अदाकारी को सराहा गया.

जैस्मिन भसीन

की लौटी आंखों की रोशनी, मनमोहक मुस्कान के साथ शेयर की फोटो, डॉक्टर्स का जताया आभार

बीते कुछ दिन जैस्मिन भसीन के लिए काफी मुश्किल भरे थे. आंखों में लेंस पहनने की वजह से उनका कॉर्निया डैमेज हो गया था जिसके बाद मुंबई में

उनका इलाज चल रहा था. इस दौरान एक्ट्रेस के बॉयफ्रेंड अली गोनी उनका सहारा बने. अब आखिरकार जैस्मिन भसीन की आंखों की रोशनी लौट आई है. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी प्यारी सी मुस्कान बिखेरते हुए एक फोटो साझा कर डॉक्टर्स का शुक्रिया अदा किया है.जैस्मिन भसीन अपनी फोटो साझा करते हुए लिखती हैं, 'आखिरकार मुझे आई पैच से छुटकारा मिला और मैं डेंजर जोन से बाहर हूं'. उन्होंने अपने चेहरे पर मुस्कान वापस लाने के लिए डॉक्टर की तारीफ करते हुए उनका आभार जताया है.जैस्मिन भसीन के बॉयफ्रेंड अली गोनी ने इलाज के दौरान एक्ट्रेस की कई फोटोज साझा की थीं. उन फोटोज में जैस्मिन अपनी आंखों का टेस्ट कराते दिख रही थीं. इन फोटोज को देखकर ये अंदाजा लगाया जा रहा था कि जैस्मिन की हालत में पहले से काफी सुधार है. अब एक्ट्रेस का लेटेस्ट पोस्ट सामने आने के बाद उनके फैंस ने राहत की सांस ली है.

क्या था मामला ?

गौरतलब हो, जैस्मिन भसीन 17 जुलाई को दिल्ली में एक इवेंट में शामिल होने पहुंची थीं. इवेंट में शिरकत करने के दौरान उन्होंने लेंसेस पहने थे जिसके तुरंत बाद उनकी आंखों में जलन होने लगी और उन्हें दिखना बंद हो गया. बाद में जब एक्ट्रेस ने डॉक्टर्स से संपर्क किया तो उन्हें मालूम हुआ कि उनका कॉर्निया डैमेज हो गया था.

Salman-Shah Rukh ने जो काम किया, अब वही करेंगे रणवीर सिंह, संजय दत्त से भी होगी भिड़ंत

आदित्य धर की एक्शन थ्रिलर फिल्म में रणवीर सिंह एक ऐसा किरदार निभाने जा रहे हैं, जो उन्होंने आज से पहले कभी नहीं निभाया. फिल्म में रणवीर सिंह एक रॉ एजेंट की भूमिका निभाने वाले हैं. बताया जा रहा है कि फिल्म राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल के एक रियल लाइफ मिशन से प्रेरित होगी. इसमें ज़ोरदार एक्शन और सस्पेंस देखने को मिलेगा.मिड डे ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इस फिल्म की शूटिंग दुनिया के कई लोकेशंस पर की जाएगी. फिल्म की शूटिंग की शुरुआत थाइलैंड में होगी. इसके बाद इसके कुछ हिस्से को कनाडा में फिल्माया जाएगा. फिल्म के कुछ हिस्से को मुंबई में भी फिल्माए जाने की बात सामने आई है. शनिवार को ही इस मल्टीस्टारर बिग बजट फिल्म का ऐलान किया गया है. फिल्म के ऐलान के साथ ही इसको लेकर फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है.

बड़ी स्टाकास्ट

रिपोर्ट में बताया गया है कि इस फिल्म में संजय दत्त लीड विलेन के तौर पर नज़र आएंगे. फिल्म में अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकार भी हैं. ये तीनों एक्टर इंटेलिजेंस ऑफिसर्स की भूमिका में दिखाई देंगे. फिल्म की कास्ट और इसके प्लॉट से साफ है कि वाईआरएफ की फिल्मों को ये फिल्म कड़ी टक्कर दे सकती है. सलमान खान, शाहरुख खान और ऋतिक रोशन पहले ही वाईआरएफ यूनिवर्स की फिल्मों में रॉ एजेंट की भूमिका निभा चुके हैं.

रणवीर सिंह ने ऐसे किया फिल्म का ऐलान

शनिवार को मेकर्स ने इस मच अवेटेड, मेगा बजट और बिग स्टारकास्ट वाली फिल्म का ऐलान किया. रणवीर सिंह ने फिल्म को लेकर इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, ये मेरे फैंस के लिए, जो मेरे साथ बहुत धैर्य से पेश आए हैं, और इस तरह के बदलाव के लिए लगातार कोशिश कर रहे हैं. आई लव यू ऑल. पोस्ट में रणवीर सिंह ने फैंस से वादा किया कि इस फिल्म से वो ऐसा एक्सपीरियंस देने वाले हैं, जो पहले कभी नहीं दिया है.

कौन बना रहा ये फिल्म ?

रणवीर सिंह की इस फिल्म के नाम का ऐलान नहीं किया गया है. फिल्म को जियो स्टूडियोज़ की ओर से ज्योति देशपांडे और लोकेश धर-आदित्य धर के ॠ62 स्टूडियोज़ के बैनर तले प्रोड्यूस किया जाएगा. आर्टिकल 270 की कामयाबी के बाद आदित्य धर अब एक और दमदार फिल्म लाने जा रहे हैं. फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है.

कितना सच कितना झूठ! तैमूर-जेह को संभालने के लिए क्या सैफ-करीना नैनी को 2.50 लाख देते हैं?

करीना कपूर और सैफ अली खान के बच्चों की नैनी ललिता डीसिल्वा काफी सुर्खियों में हैं. वो कई सालों से कपल के बच्चों की देखभाल कर रही हैं. ललिता पहली बार तब चर्चा में आई थीं, जब कपल का पहला बेटा तैमूर में हुआ था. तब उनकी सैलरी को लेकर काफी अफवाह उड़ी थीं. इसके बाद उनके दूसरे बेटे जेह के जन्म के समय ये चर्चा और बढ़ गई थी. अब एक बार फिर उनकी सैलरी को लेकर चर्चा तेज हो गई है. माना जा रहा है कि करीना और सैफ उन्हें तैमूर-जेह की देखभाल करने के लिए 2.5 लाख रूपये देते हैं.ललिता डीसिल्वा से उनकी सैलरी को लेकर सवाल किया गया कि उनकी सैलरी पर उड़ रही अफवाहों में कितनी सच्चाई है. उन्होंने इन अफवाहों पर हंसते हुए जवाब दिया और कहा, 2.5 लाख रुपए? काश आपकी बातें सच हो जाएं, ये सब सिर्फ अफवाहें हैं. उन्होंने ये भी बताया कि जब ये सारी अफवाहें उड़ी तो उन्होंने करीना कपूर से पूछा कि क्या उन्हें वाकई इतना पैसा मिलेगा, जिस पर करीना ने उन्हें जवाब दिया, ये सब मजाक है बहन. इसे सीरियस से मत लो.

8 साल से कर रही हैं देखभाल

इसके साथ ही ललिता डीसिल्वा ने एक इंटरव्यू में ये भी बताया कि वो 8 साल से सैफ और करीना के बच्चों की देखभाल कर रही हैं. लेकिन इन 8 सालों में दोनों स्टार्स ने कभी ललिता के साथ खराब बिहेव नहीं किया. जब उनसे पूछा गया कि करीना और सैफ रियल लाइफ में कैसे हैं, तो उन्होंने बताया कि वो दोनों ही काफी सिंपल और नॉर्मल हैं. कई बार उनकी सुबह की शुरुआत स्टाफ के साथ खाना खाकर होती है. ऐसा कुछ नहीं है कि स्टाफ के लिए अलग खाना होगा. सभी एक ही तरह का खाना और एक ही क्वालिटी का खाना खाते हैं.

बेहतरीन कुक हैं सैफ अली खान

ललिता ने आगे बताया कि सैफ अली खान एक बेहतरीन कुक हैं और जब भी वो पटौदी हाउस जाते थे तो अक्सर खाना बनाते हैं. उन्होंने कहा, कई बार हम सभी ने एक साथ खाना खाया है. सैफ सर को खाना बनाना पसंद है. वो बहुत अच्छा खाना बनाते हैं. मैं नोनवेज नहीं खाती, लेकिन वो बहुत बढ़िया लाल मांस बनाते हैं. वो स्पेगेटी, पास्ता, इटैलियन फूड भी बहुत बढ़िया बनाते हैं. हाल ही में ललिता की सैलरी को लेकर अफवाह थी कि करीना कपूर और सैफ अली खान उन्हें 2.5 लाख रुपये सैलरी देते हैं. लेकिन असल में उन्होंने इस बात से इंकार किया.